अम्बा थाना के संरक्षण में विद्युत चोरी

● अनिल कुमार मिश्र

अम्बा थाना के संरक्षण में विद्युत चोरी का मामला प्रकाश में आया है। जबकी अम्बा थाना के संरक्षण मे सरकारी संपदा की चोरी, अवैध शराब के कारोबार,शराब माफिया का तांड़व, शोसल वर्कर एवं पत्रकार पर हमला का मामला सुर्खियो मे है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने भी स्वीकार किया है कि अम्बा थाना के मनमानी के कारण अम्बा थाना क्षेत्र में निर्वाधगति से बिजली की चोरी हो रहा है जिसे रोक पाना विभागीय अधिकारियों के लिए भी एक जटील समस्या बन गया है। प्रेस मे नाम नहीं छापने के शर्त पर विजली विभाग के कई लोगो एवं विश्वस सूत्रो ने बताया विभागीय छापेमारी मे बिजली की चोरी मे पकड़े गये लोगो पर अम्बा थाना मे प्राथमिकी नहीं लिया जाता है और प्राथमिकी दर्ज करने के एवज में मोटी रकम मांगा जाता है जिससे विभागीय अधिकारियों को बिजली की चोरी रोकना कठिन साबित हो रहा है और विद्युत चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए अधिकारियों को वेतन से पैसा थाना मे देना पड़ता है तथा बिजली चोरी के केस को गया भेजने के नाम पर मुंशी से थानेदार तक पैसा लिया जाता। बिजली विभाग के अधिकारियो द्वारा अम्बा थाना क्षेत्र के अम्बा में बिजली चोरी के विरुद्ध 05 मार्च 2020 को छापेमारी किया गया था, जिसमे बिजली की चोरी मे पकड़े गये लोगो पर प्राथमिकी दर्ज करने हेतू 06 मार्च 2020 को विभागीय अधिकारी द्वारा थानाध्यक्ष अम्बा को पत्र लिखा गया। बिजली चोरी का केस को गया भेजने के एवज मे मुंशी तथा थानेदार ने हजारो रुपये ले लिया और गया आदमी को भेजने के लिए और पैसा का माँग कर रहे है तथा अभी तक प्राथमिकी भी दर्ज नहीं किया गया है।

थानाध्यक्ष के मनमानी का खबर मीडिया तक पहुँचा जब मीडिया द्वारा अम्बा थाना से प्राथमिकी दर्ज नहीं होने का कारण जानने का प्रयास किया गया तो अम्बा थानाध्यक्ष ने कहा अम्बा थाना कांड़ संख्या 16/20 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ है। जबकी विभागीय अधिकारियो व सूत्रो के नजरो मे अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं है। इसके पहले भी बिजली चोरी के मामले मे प्राथमिकी दर्ज करने के लिए अम्बा थाना में हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ था और मीडिया के हस्ताक्षेप के बाद ही बिजली की चोरी में संलिप्त लोगों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया था। आखिर सरकारी संपदा की चोरी रोकने मे अम्बा थानाध्यक्ष बाधक क्यों है और इनके द्वारा हमेशा गलत लोगों का बचाव क्यों किया जाता है यह क्षेत्र में एक चर्चा का विषय बन चुका है। बुद्धजीवियों ने अलाधि कारियो से मामले का उच्चस्तरीय जाँच कराकर थानाध्यक्ष अम्बा पर दंडात्मक कार्रवाई को करते हुए बिजली एंव सरकारी संपदा की चोरी,थानाध्यक्ष की मनमानी तथा क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने की माँग किया है। ●

घर की बेटियां सुरक्षित नहीं

● अनिल कुमार मिश्र

जिले के अम्बा थाना क्षेत्र के स्कूल मे पढ़ने वाले कमजोर घर के बेटियाँ अब सुरक्षित नहीं है और आये दिन छेड़खानी का मामला तथा शिकायत करने पर अभिभावक पर हमले की सूचना है। एक ओर अभिभावक अपने प्रतिष्ठा को बचाने मे लगे हुए है और बदनामी के डर से डर रहे है तो दुसरी ओर अम्बा थाना में बैठे रक्षक ही भक्षक बनकर बेटियाँ का ईज्जत लुटवाने पर आमदा है और थानाध्यक्ष अम्बा द्वारा संरक्षित लफुओ से बेटियों का ईज्जत दाव पर लगा हुआ है। शिकायत के बदले अभिभावक पर हमले तथा हमले की शिकायत पर पीड़ितो के विरूद्ध ही झुठे मुकदमा अथवा पीड़ित पक्ष पर ही एक पक्षीय कार्रवाई तथा मुकदमे की आड़ मे अपराधकर्मियो का बचाव अब अम्बा थाना के लिए आम बात बन चुका है और गरीबो को जीना एक जटील समस्या बन चूका है। अम्बा थाना क्षेत्र में प्रताड़ना की दौर से गुजरने वाले दो बेटियो ने खुदकुशी कर ली और थानाध्यक्ष विरेन्द्र पासवान ने पोस्ट मार्टम भी कराना उचित नही समझा। वही घर मे घुस कर बेटी का ईज्जत लूटने का दावा करने वाले अपराध कर्मियो के बचाव में अम्बा थानाध्यक्ष विरेन्द्र पासवान लगे रहे तथा पुलिस हेल्प लाईन व अलाधिकारियों को गलत सूचना देकर अपराध कर्मियो के बचाव में लगे रहे तथा वरीय पदाधिकारियो को दिग भ्रमित कर झुठे सूचना के आधार पर बरगलाने में लगे रहे और अंतत: अपने मनसा में सफल रहे। जनशिकायत के बावजूद भी अम्बा थाना एस एच ओ पर कार्रवाई का नहीं होने से थानाध्यक्ष अम्बा का हौसले बुलंद है और अम्बा थानाध्यक्ष के संरक्षण मे अपराधकर्मी सरेआम तांड़व मचाते आ रहे है। वहीं थानाध्यक्ष के आतंक से मीडिया का लेखनी के धार भी कुंद हो चुके है और आवाज उठाने पर एक पत्रकार के उपर भी लगातार हमले हुए और होते आ रहे है जिसकी प्राथमिकी भी अम्बा थाना में दर्ज नहीं होता है।

अम्बा थाना क्षेत्र के तेलहारा गाँव में बेटिया के विवाह में थानाध्यक्ष अम्बा द्वारा संरक्षित शराब माफियाओ का तांड़व तथा पुलिस के सामने एक बेटिया के विवाह में बरातियों का पिटाई तथा पिटाई से अंतत: ईलाज के दौरान भाई की मौत की मामला सुर्खियो में है इसके वावजूद भी थानाध्यक्ष द्वारा हत्यारों के विरूद्ध अम्बा थाना में प्राथमिकी दर्ज नहीं किया गया तथा हत्यारो के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए भी आमजनता को सड़क पर उतरना पड़ता। अम्बा थाना एस एच ओ के पदस्थापना से अम्बा थाना क्षेत्र में सभी जगह आराजकता की महौल कायम है और शाम ढ़लते ही कभी भी, कही भी अवैध शराब के कारोबार देखा जा सकता है। जिससे आम जन जीवन त्रस्त है । मामले सुर्खियो मे रहने के वावजूद भी निर्वाधगति से थानाध्यक्ष अम्बा तथा इनके पालतू गुण्ड़ो एवं शराब माफिया का तांड़व जारी है जिसकी पुष्टी के लिए पीड़ित व प्रभावित शिकायतकर्ता कभी भी तैयार है। ●

स्व. तपेश्वर सिंह की पुण्यतिथि पर नवनिर्मित स्मारक का उद्घाटन

● रीता सिंह/रणजीत कुमार सिन्हा

बीते 27 फरवरी को आरा के इंदू तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज में स्व० तपेश्वर सिंह की 29वीं पुण्यतिथि सह नवनिर्मित स्मारक उद्घाटन समारोह मनाया गया। ज्ञात हो कि स्व० तपेश्वर सिंह जी के स्व० पिता श्री शंकर दयाल सिंह, ग्राम+पोस्ट-असनी, प्रखंड-उदवंतनगर, जिला-भोजपुर के समाज सुधारक थे। बताते चले की उक्त कार्यक्रम के अवसर पर स्व० तपेश्वर सिंह के पुत्र डॉ० अजय कुमार सिंह, पूर्व सदस्य, बिहार विधान परिषद ने बताया कि, मैं अपने पिता के अधूरे सपनों का पूरा काम करने का प्रयत्न करूंगा। गरीब, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक सहित सभी को साथ लेकर चलने का काम करेंगे। वही कार्यक्रम में वीर कुँअर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० देवी प्रसाद तिवारी, माननीय मंत्री बिहार सरकार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जय कुमार सिंह, कुलपति, नंदकिशोर शाह, एमएलसी संतोष कुमार सिंह, विधायक काराकाट, संजय कुमार सिंह, अभिषद सदस्य वीर कुँअर सिंह विश्वविद्यालय, देववंश सिंह यादव, बिक्रमगंज नगर अध्यक्ष, रब नवाज राजू, इंदू तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज की पूर्व प्राचार्या माधुरी सिंह, बिहार कला अकादमी के पूर्व अध्यक्ष शंकर प्रसाद, पैक्स अध्यक्ष अजय कुमार सिंह, लक्ष्मण सिंह, सुशील कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। विनित कर रहे हमारे बीच अजय सिंह ऐसा जान पड़ता था कि वाकई अपने पिता के श्रवण पुत्र उनकी संज्ञा दी जाये। उनकी धर्मपत्नी डॉ० गायत्री सिंह, पुत्र आलोक सिंह (प्रिंस) उक्त अवसर पर उपस्थित थे। दिल में गम आंखों में आंसू लिये नवनिर्मित स्मारक उद्घाटन में मग्न दिख रहे थे। इसे देखकर एक कहावत याद आती है-'जाके पैर न फटे बिबाई, वो क्या जाने पीर पराई'। यही उक्ति स्व० तपेश्वर बाबू के जीवन से मेल खाती है। वे कैक्टस के फूल की तरह थे। कैक्टस के फूल का मतलब प्रतिकूल परिस्थितियों का जीवन मूल्य। इनकी 29वीं पुण्यतिथि से साबित होता है कि स्व० तपेश्वर सिंह राज्य नहीं सम्राज्य के समाजसेवी थे और राज्य के चिंतन और मंथन के दिव्य महापुरूष थे।

विशेषकर के बिहार के क्षत्रीय समाज का एक स्वर्ण भूमिका निभाने वाले अति विशेष व्यक्तित्व के अधिकारी थे। उनके बारे में जितना भी कहा जाये कम होगा। क्षत्रीय समाज का उत्थान इन्होंने गरिमा के साथ विश्व के दरबार में रखा। इन्होंने क्षत्रीय इतिहास का मंथन करके तपस्या के माध्यम से आगे बढ़ाया। बाबू वीर कुँअर सिंह एवं महाराणा प्रताप के पदचिन्हों पर चलकर मार्गदर्शन दिये। इनके नाम पर राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी कई क्षत्रीय शिरोमणी आदर से इनका नाम लेते नहीं थकते। जैसे में बुद्धिजीवी में राजस्थान के अखिल भारतीय क्षत्रीय महासभा के अध्यक्ष, राजेश कुमार सिंह, अखिल भारतीय क्षत्रीय महासभा के सचिव उमेश प्रसाद सिंह ने बताया कि ऐसे दिव्य पुरूष तो तपेश्वर बाबू। आज हमलोगों के बीच वे नहीं है फिर भी ऐसा जान पड़ता है कि वह हमारे करीब हैं।

☞ **कुछ यादों के पल :-** स्मारिका का उद्घाटन समारोह में हो रहा था। उनकी बेटी अपने पिता के लिए वो पल याद कर मंच पर बोल रही थी और आंसू रूक नहीं रहा था, मानो आये हुए सभागार में बैठे अतिथिगण उनके याद में रो पड़ा।

☞ **बेटी के खट्टे-मीठे यादे-** आज 27 फरवरी की शाम को मैं जब अपने स्नेह पिता जी की कुछ अबिस्मरनीय यादों को कलमबद्ध करने बैठी हूँ। इस शाम का स्मरण मात्र ही हृदय को कचोट जाता है। आज की शाम हमारे परिवारिक जीवन के अध्याय पर विरामचिन्ह् एक महान व्यक्ति का व्यक्तित्व, विशाल चरित्र, बहुआयामी जीवन के चल रहे जीवनचक्र का एकाएक रूक जाना एक अविराम चल रही कथा का वर्तमान इतिहास में बदलाव हुआ और लगभग 60 सालों से खुली हुई पुस्तक का समापन हुआ।

☞ **बहु, डॉ० गायत्री सिंह की यादे :-** मेरे बाबू जी की स्मृति और उनसे जुड़ी स्मरणीय बाते अनंत है। स्मरण के उसी महासागर की कुछ बूंदे जनमानस पर उमड़ पड़ती है तो आंखों का नम और हृदय को विरह कर जाती है। यह बात उन दिनों की है जब मैं पुत्रवधु के रूप में ससुराल आयी थी। मैं अपने ससुर जी का बाबू जी कहा करती थी। बाबू जी कहा करते थे कि अगर अच्छा डॉक्टर बनना है तो घबराना छोड़ दो। यह बातें मेरे लिए पत्थर की लकीर बन गई। विदेश यात्रा से वो हमारे लिए एक रक्तचाप की मापक यंत्र और दो स्टेथोस्कोप ले आये थे, जिसे अक्सर मैं बाबू जी का बीपी देखा करती थी। यह सभी वस्तुएं बाबू जी की अमूल्य स्मृति के रूप में संभाल कर रखी हुई हूं। बाबू जी यादों के सागर में डूबाकर चले गये, उनकी गाथा को अपने जुबां से कैसे कहूं। हम उन्हें सपरिवार चंदन, वंदन, अभिनंदन और शत्-शत् नमन करती हूं। ●

राजीव सिंह के नाम से अपराधियों में दहशत व्याप्त

● गुड्डू कुमार सिंह

मुख्यमंत्री द्वारा बाल विवाह व दहेज उन्मूलन कार्यक्रम की चर्चा में थाना प्रभारी राजीव कुमार द्वारा बताया गया कि उदवन्नत नगर थाने में दहेज के मामले में प्रति माह पाँच केस दर्ज होते हैं। वही दहेज मामले के निदान पर उन्होने बताया कि प्रति माह थाना परिसर से दस दहेज मामले का निदान का होता है। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए थाना प्रभारी व प्रखण्ड पदाधिकारी के द्वारा स्कूलों व गांवों में नुक्कड़ सभा के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाता है दहेज विरोध कार्यक्रम में थाना प्रभारी राजीव कुमार मुख्यमंत्री के बातों से सहमत है वहीं उन्होंने बताया कि प्रम प्रसंग में उन्होने दो शादियां करवाई जिसमें एक शहर का रहने वाला बताया गया, वही दूसरा उदवन्न नगर थाना के रहने वाला बताया गया। बताते चलें के एक दूसरा जाति के थे उनके माता पिता तो बुलाकर शादी के लिए राजी किया और उनकी शादी थाना परिसर में स्थित मंदिर में कराई गई। वही शराब बंदी के बारे में पूछे जाने पर श्री कुमार ने बताया शराबबंदी सफल है शराबबंदी मामले में पूछे जाने पर उन्होने बताया कि अभी तक 24 मामले दर्ज है और 100 से अधिक आदमी को जेल भेजा जा चुका है। 196/15-सेक्शन उवर मोहम्मद नशाद, साकिन-धरहरा, अभियुक्त-कुश कुमार, पिता-हरेंद्र सिंह सुदामा सिंह पिता- जयराम सिंह दोनों साकिन भगवतीपुर रात कुमार उर्फ मुखिया भगवतीपुर उदवंतनगर थाना अंतर्गत जयनगर गांव के पास दिन दहाड़े मुर्गा व्यवसाई से लाखों रुपए तथा सोने का चैन लूट लिया गया जिसे थानाध्यक्ष राजीव कुमार द्वारा 24 घंटे के अंदर सामान बरामदगी की और दो लुटेरों को भगवती पुर गांव से गिरफ्तार कर लिया। 219/15 सेक्सन-364/302/301/34 भादवी शुरुआत नहर के पास हत्या लल्लन प्रसाद पिता मुन्नीलाल भट्ट साकिन महाराणा प्रताप नगर मिट्टू डॉन, विनय चौधरी, गुड्डू चौधरी।

प्रधानमंत्री के आरा आगमन के दिन ही दो भाइयों की हत्या कर अपराधियों द्वारा

जनता का सेवा करने का सीधा प्लेटफॉर्म है पुलिसिंग : राजीव

☆ **आप रहने वाले कहां के हैं?**

मैं वैशाली जिले के परमानंदपुर गांव से हूं, क्योंकि मेरे पिताजी पटना सचिवालय में कार्यरत थे तो मैं बचपन से ही पटना में रहा।

☆ **आपकी पढ़ाई लिखाई कहां से हुई है?**

मेरी पढ़ाई प्रथम से ही पटना में हुआ स्कूलिंग एसटी हाई स्कूल एवं पटना कॉलेज से हुआ है।

☆ **आपकी पूर्व पोस्टिंग कहां थी?**

भोजपुर से पहले पटना में था वहां आलमगंज खाजेकला के अलावा थाना अध्यक्ष राजीव नगर तत्कालीन एसएसपी मनु महाराज के साथ में कार्यरत था।

☆ **पुलिस सेवा में आने के लिए प्रेरणा कहां से मिली?**

पुलिस सेवा में आने का मुख्य उद्देश्य पहले से ही मुझमें था कि मैं अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ रहा हूं और पब्लिक सेवा का यह अच्छा प्लेटफार्म है। मेरे प्रेरणा मेरे बड़े बहनोई जी डी.सी. चंद्र, जो कि सीआरपीएफ के कमांडेंट हैं, उन्हीं से सदैव प्रेरणा मिलती रहती है।

भोजपुर जिले में पहली बार पकड़ा गया ए.के.-47

सभी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस मुख्यालय को पता था कि रणवीर सेना का कुख्यात अपराधी बुटन चौधरी अपना दरबार एके-47 के साथ ही लगाता था, दहशत ऐसा था की बूटन चौधरी की जुबान से निकला शब्द ग्रामीणों के लिए कानून के बराबर था जिस किसी ने भी विरोध किया उसकी बेरहमी से हत्या की गई और तो और एफ आई आर भी नहीं दर्ज हुआ पुलिस के कई वरीय पदाधिकारी ने बुटन की गिरफ्तारी का प्रयास किया परंतु भौगोलिक संरचना के कारण बुटन हमेशा फरार होने में सफल रहता था बुटन का दबदबा ऐसा था कि जिसको चाहे मुखिया सरपंच एवं पैक्स अध्यक्ष बनाता था विधायक सुनील पांडे का खासम खास आदमी था ।बूटन चौधरी की गिरफ्तारी तत्कालीन एसपी नवीन चंद्र झा के लिए बड़ी चुनौती थी इस चुनौती से निपटने के लिए उन्होंने अपने सबसे भरोसेमंद थानेदार राजीव कुमार सिंह को चुना राजीव कुमार द्वारा रणवीर सेना का गढ़ कहे जाने वाले गांव में रहा बेलाउर गांव मैं अपना भेष बदल कर अपनी पूरी टीम के साथ शादी समारोह में गए तथा योजना के अनुसार जैसे ही बूटन चौधरी शादी में पहुंचा बिना समय गवाएं बूटन चौधरी को अवैध गुर्गों के साथ राजीव कुमार व उनकी टीम द्वारा दबोच लिया गया अपराधी एके-47 दो पिस्टल दो राइफल के साथ गिरफ्तार हो गया। कई रिवार्ड व मिला सम्मान पत्र भेट- इन अवार्ड को अच्छे कार्य के लिए थाना अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह को बिहार डीजीपी द्वारा प्रसस्त्री पत्र और अनेकों रिवार्ड से सम्मानित भी किया गया था जो एक बहुत बड़ी बात ह ै क्योंकि सबको ये सम्मान नसीब नही होता अच्छे उत्कृष्ट कार्य करने वालो को ही ये अवार्ड व सम्मान दिया जाता हैं। हम बताते चलें कि थाना अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने कई अपराधियों को अंजाम तक पहुंचाने के साथ-साथ कई प्रेमी जोड़ें की श ा द ी करवाई उन्हें लंबी उम्र जीने का उन्हें आशीर्वाद भी दिया इसके अलावा और कई अच्छे कार्य भी किए जो आज इस क्षेत्र के जनता में चर्चा की बिषय है वही थानाध्यक्ष ग्रामीणों के बीच एक अच्छे मैत्री पूर्ण व्यवहार के कारण जनता हमेशा सर आंखों पर बैठाई रहती थी। सवाल यह उठता है भोजपुर जिले में आज वैसे थानाध्यक्ष क्यों नही है।

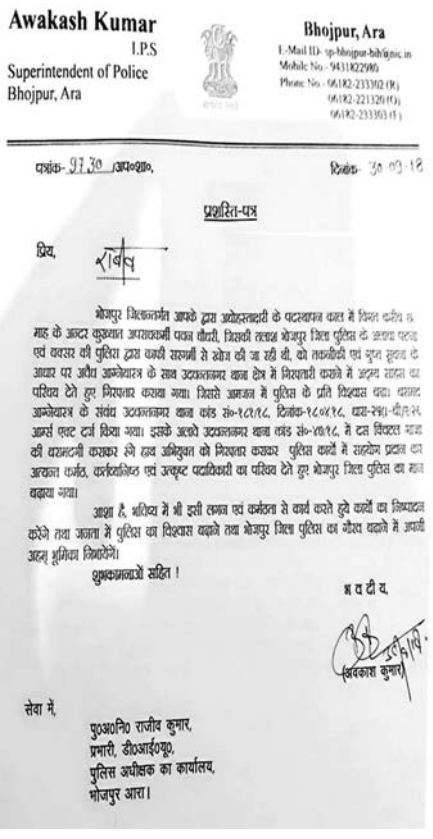

Awakash Kumar
I.P.S
Superintendent of Police
Bhojpur, Ara

Bhojpur, Ara
E-Mail ID- sp-bhojpur-bih@nic.in
Mobile No.- 9431822980
Phone No.- 06182-233102 (R)
06182-221320 (O)
06182-233393 (F)

पत्रांक- 97 /30 /अ०अ०क्षा०, दिनांक- 30/03/18

प्रशस्ति-पत्र

प्रिय, राकेश

भोजपुर जिलान्तर्गत आपके द्वारा अनुसंधानकारी के पदस्थापन काल में विगत वर्तीय वर्ष माह के अन्दर कुख्यात अपराधकर्मी पवन चौधरी, जिसकी तलाश भोजपुर जिला पुलिस के अलावा पटना एवं बक्सर की पुलिस द्वारा काफी समय से खोज की जा रही थी, को तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर अौर आत्मेक्षात्र के साथ उदवंतनगर थाना क्षेत्र में गिरफ्तारी कराने में अहम सहयोग का परिचय देते हुए गिरफ्तार कराया गया। जिससे अंचल में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा। फलस्वरूप आत्मेक्षात्र के संवेद उदवंतनगर थाना कांड सं०-१८१/१८, दिनांक-१८/०४/१८, धारा-२७(ए) शस्त्र अधिनियम आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया। इसके अलावे उदवंतनगर थाना कांड सं०-४७१/१८, में दर्ज विभिन्न मामले की बरामदगी कराकर अन्य छह अभियुक्त को गिरफ्तार कराकर पुलिस कार्यों में सहयोग प्रदान का अनुकरणीय, वंदनीयनिय एवं उत्कृष्ट पदाधिकारी का परिचय देते हुए भोजपुर जिला पुलिस का मान बढ़ाया गया।

आशा है, भविष्य में भी इसी लगन एवं कर्मठता से कार्य करते हुये कार्यों का निष्पादन करेंगे तथा जनता में पुलिस का विश्वास बढ़ाने तथा भोजपुर जिला पुलिस का गौरव बढ़ाने में अपनी अहम भूमिका निभायेंगे।

शुभकामनाओं सहित !

भवदीय,

(अवकाश कुमार)

सेवा में,
पु०अ०नि० राजीव कुमार,
प्रभारी, डीओआई०पू०,
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय,
भोजपुर आरा।

पुलिस को चुनौती दी गई घटना चंद दिनों बाद ही कुख्यात अपराधी मिट्टू डॉन को उसकी माशूका के घर से गिरफ्तार किया गया जिसके लिए उसके माशूका के घर की निगरानी राजीव कुमार द्वारा लगाया गया एक सप्ताह से निगरानी कर रहे राजीव कुमार आखिर कुख्यात अपराधी मिट्टू डॉन पुलिस के हत्थे चढ़ गया। 293/15-25 (1-6)1 /26/35 आर्म्स एक्ट जय नगर हनुमान मंदिर के पास शस्त्र अधिनियम पु० अ०नी० राजीव कुमार थाना अध्यक्ष उदवंतनगर -संतोष कुमार पिता -शिव बुटन सिंह साकिन जय नगर जय कुमार पिता -मक्कू सिंह। आर्म्स एक्ट संतोष कुमार जो कि हथियार का जखीरा तस्करी अपराधियों के बीच करता था उसकी गिरफ्तारी हेतु राजीव कुमार तस्कर बनकर संतोष कुमार के घर रहे तथा उसकी गिरफ्तारी स्वयं की तथा भारी मात्रा में हथियार बरामद किया जैसे 3 राइफल तीन पिस्टल और सैकड़ों जिंदा कारतूस भी बरामद किया। 339/15- सेक्सन 3531/307 भादवी एवं 25(16)I/25 शस्त्र अधिनियम अंधियारी पट्टी उदवंतनगर भोलाराम के दुकान राजीव कुमार थानाध्यक्ष नीरज सिंह साकिन फते पट्टी उदवंतनगर स्वयं राजीव कुमार पर फायरिंग किया गया जिससे बाल बाल बचे राजीव कुमार राजीव कुमार फायरिंग के बाद पीछे से दौड़कर राजीव कुमार ने अपने सिपाहियों की मदद से अपराधियों को दो पिस्टल के साथ रंगे हाथ धर दबोचा 286/16-25(16)I/26 शस्त्र अधिनियम राजीव कुमार थाना अध्यक्ष हरे राम सिंह बेलाउर को गिरफ्तार कर जेल भेजा। रंजीत चौधरी गिरोह के सक्रिय सदस्य हरिराम को डबल मर्डर पिता पुत्र हत्या के 10 घंटे के भीतर 30/0/16 राइफल के साथ हत्या के आरोपी को राजीव कुमार थानाध्यक्ष द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। 295-20 (इ) (11)(ब)(22)(ब) N D P S एक्ट उदवंतनगर थाना गेट एनडीपीएस राजीव कुमार थाना अध्यक्ष महेश सा बड़की नैनिजोर कुमार अभियुक्त की गिरफ्तारी कई गांजा माफिया के कमर तोड़े गए इस क्रम में थाना गेट के सामने 3 क्विंटल गांजा के साथ दो महिला के साथ 9 लोगों को महिंद्रा कार एवं इंडिगो कार के साथ गिरफ्तार किया गया ।361/16 सशस्त्र अधिनियम खोपीरा से बेलापुर गांव से पाली डगर, बाबा डगर, सोनू चौधरी, दीपू चौधरी बेलाउर निवासी को पकड़ कर थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने जेल भेज दिया। बुटन गिरोह के कुख्यात अपराधी सोनू चौधरी एवं दीपू चौधरी को एस.पी. छत्रनील सिंह के समय एक राइफल दो पिस्टल के साथ धर दबोचा था। थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने।

399/16 ससस्त्र अधिनियम बेलापुर रामसेवक सिंह पुअनी अरविंद चौधरी उर्फ राजा बाबू बेलाउर को जेल भेजा 259/16-25(1-6)I/26 शस्त्र अधिनियम बेलाउर सूर्य मंदिर राजीव कुमार थाना अध्यक्ष अजय राय मेहनदौरा निवासी को। भोजपुर पुलिस के लिए यह एक बहुत बड़ी चुनौती थी मात्र 2 दिनों के समय में अपराधी को गिरफ्तार करना जिले में पहली बार गिरफ्तारी की गई। यह भी एस.पी. क्षत्रनिल सिंह के लिए बड़ी चुनौती थी, जिसको मैं पकड़ जेल भेज दिया। 128/16 सेक्शन 25(1-6)(1)26(11)/35 सशस्त्र अधिनियम बेलापुर बरतर राजीव कुमार थाना अध्यक्ष बुटन चौधरी सनी राम दोनों बेलाउर सुधीर पांडे खोपीरा उपेंद्र चौधरी बेलाउर करीम चौधरी बेलाउर सभी को पकड़ कर जेल भेजा।●

शिक्षकों ने जलाया मुख्यमंत्री का पुतला

● गुड्डू कुमार सिंह

गडहनी प्रंखड कार्यालय के मुख्य गेट पर हड़ताली शिक्षकों ने रविवार को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री का पुतला दहन किया। शिक्षकों ने पुतला दहन करते समय हाय हाय का नारा भी लगाया और अपनी मांगों को नहीं मानने से गुस्साए शिक्षकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी और शिक्षा मंत्री कृष्ण नंदन वर्मा के पुतला को दहन किया। इस दौरान शिक्षकों ने अपनी सिर पर विभिन्न मांगों वाली टोपी भी पहन रखी थी। मौके पर शिक्षक नागेंद्र सिंह, शशिभूषण सिंह, जयराम अनिल कुमार, विनय कुमार, जीतेंद्र सिंह, अभिनव कुमार, जय बिहारी पासवान, इंद्रजीत सिंह, नंद जी सहित कई शिक्षक थे। हड़ताल को लेकर सफल बनाने में जुटे बिहार राज्य शिक्षक संघर्ष समन्वय समिति गडहनी इकाई की बैठक रविवार को गडहनी प्रंखड कार्यालय परिसर मे शिक्षकों संघ में की गई। समिति के संयोजक शशी भूषण सिंह ने कहा कि नियोजित शिक्षक अपने मूल मांग वेतन और राज्य कर्मी की दर्जा के लिए 21

दिनों से हड़ताल पर हैं। जिस एकजुटता के साथ डटे हैं वह धन्यवाद के पात्र हैं। आगे भी अपील है कि जब तक मांगे पूरी ना हो हड़ताल पर डटे रहना है। नियोजित शिक्षक संघ गडहनी अध्यक्ष नागेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि हड़ताल को कमजोर नहीं समझें तथा कहा कि बिहार सरकार शिक्षक को अधिकार का हनन कर रही है। विभाग जनता को गुमराह कर रही है। तथा अध्यक्ष ने कहा कि होली पर्व में भी किए गए कार्य अवधि जनवरी माह 2020 का वेतन भुगतान नहीं करना दर्शाती है की सरकार शिक्षा और शिक्षकों के प्रति कितना संवेदनशील है। सरकार के इस तानाशाही रवैया के खिलाफ आंदोलन में डटे रहे कहा कि हमारी मांगे जब तक सरकार नहीं मानेगी तब तक समन्वय समिति हड़ताल पर बैठे रहने का संकल्प लिया है। शिक्षक खुलकर हड़ताल का समर्थन करें। शिक्षक संघ के अध्यक्ष ने कहा कि सरकार के करवाई से शिक्षक डरे नहीं, हड़ताल पर डटे रहें। यह अपनी मान सम्मान के मर्यादा है। सरकार को बच्चों का भविष्य को लेकर कोई चिंता नहीं है।●

सीएए के समर्थन हजारों हिन्दुओं ने निकाला जुलूस

सीएए, एनआरसी व एन पी आर के समर्थन में आज राष्ट्रवादी सेना ने गड़हनी शिवमंदिर के प्रांगण से हजारों हिन्दू भाईयों के साथ 3 सौ फीट लम्बा तिरंगा लिए भव्य जुलुस निकाला गया। जुलुस के पहले उपस्थित समर्थकों ने मंच पर सभा की और कहा कि नागरिकता कानून किसी का कानून छिनने व भगाने का कानून नही है ये सब राजनीति के तहत भाजपा विरोधी पार्टियों ने यहाँ के मुस्लिम व दलित को भड़का रही है नही है एक बार प्रधानमंत्री संबोधित करते रह रहे किसी को इस कानून नही है। लेकिन इस कानून के

जबकि ऐसा कुछ बार नही दर्जनों मोदी ने देश को कहा कि देश मे भी हिंदुस्तानियों से कोई लेना देना यहाँ के मुस्लिम आड़ में शाहीन बाग बनाकर ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं और देश की जनता को उथल पुथल कर चुके है वही ओबैस के सांसद कहता है कि 100 करोड़ हिन्दुओ पर हम 15 करोड़ मुस्लिम काफी है 15 मिनट प्रशासन हटाकर देख लो। ओवैसी कान खोलकर सुन लो यहाँ की जनता तुम्हारे बहकावें में नही आने वाली है और देश के जनता को उकसाना छोड़ दो नही तो अभी हिन्दू शांत है उसको आग न लगाओ। वही हिन्दुतान जिंदा बाद,भारत माता की जय, पाकिस्तान मुर्दाबाद व भारत को टुकड़े नही होने देंगे जैसे नारे के साथ जुलूस गड़हनी गांव से निकलकर गोला, सब्जी बाजार, शांति नगर, अगियांव मोड़, नहसी होते हुए बगवां तक गया। इस जुलूस में हजारों हजार हिन्दू भाईयो ने भाग लेकर दिखा दिया की ये कानून देश की जनता के विरुद्ध नही है।

रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह

संविदा पर बहाल

राज्य सरकार द्वारा पंचायत स्तर पर संविदा पर बहाल कार्यपालक सहायकों ने जून 2019 के बाद नही मिले मानदेय से क्षुब्ध होकर 6 मार्च से सभी कार्यो का बहिष्कार करते हुए प्रखण्ड कार्यालय के परिसर में मानदेय भुगतान नही हो जाने तक धरना पर बैठे। इस दौरान पंचायत सहायक कार्यपालकों ने कहा कि हमे जून 2019 के बाद मानदेय भुगतान नही किया गया है। जबकि हम सभी कार्यपालक सहायक अल्प मानदेय भोगी है। जिस कारण हमारे समक्ष भुखमरी, बच्चों की पढ़ाई, परिवार तथा माता-पिता का भरण पोषण की समस्या उत्पन्न हो गई है। जबकि हमारे ऊपर कार्य की भी काफी अधिकता है जैसे मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन कार्य, नल-जल तथा नली-गली से सम्बंधित कार्य, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड, शिक्षक नियोजन डाटा इंट्री जैसे कई कार्य है। साथ ही बताया कि इन सभी कार्यो को करने में हमें अलग-अलग पंचायतों, वार्ड, गांव व प्रखण्ड कार्यालय का भ्रमण करना पड़ता है जिसमें प्रति दिन हमें 100 से 200 रुपये का खर्च आता है। जिसका वहन करना अब हमारे वस के बाहर हो चुका है। धरना पर बैठे पंचायत कार्यपालक सहायकों ने प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को उपरोक्त मांगो को रखते हुए एक प्रतिलिपि सौंपा। साथ ही कहा कि जब तक हमारी मानदेय नही मिल जाता है तबतक हम धरना पर बैठे रहेंगे।

रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह

मांग को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों ने जमकर किया प्रदर्शन

बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के तत्वावधान में आठ माह से लंबित बकाया वेतन भुगतान की मांग को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गडहनी की सभी एएनएम एवं कर्मियों का गुरुवार को जारी कार्य बहिष्कार तथा गुरूवार को जारी कर दर्जनों की संख्या में जुटे स्वास्थ्यकर्मियों ने इस दौरान स्वास्थ्य केन्द्र में जमकर प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही कर्मियों प्रदर्शन के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने अस्पताल के आगे सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया ।बहिष्कार व प्रदर्शन कर रहे कर्मियों का कहना था कि सरकार की सभी योजनाओं पूरा करने के लिए जी-जान से उनलोगों द्वारा कार्य किया जाता है फिर भी विगत सात माह से उन सभी को वेतन नहीं मिल रहा है जिससे उनके परिवार के समक्ष भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गयी है।कहा कि जब तक उन सभी लोगों का वेतन भुगतान नहीं होगा तब तक कार्य का बहिष्कार जारी रहेगा। हालांकि अस्पताल में कार्य बहिष्कार के दौरान भी इमरजेंसी सेवा व प्रसव सेवा चलता रहा।कार्यक्रम में स्वास्थ्यकर्मी संजनी कुमारी गोस्वामी चन्द्रबाला लिली सिंह उषा कुमारी आशा पंडित ज्ञानवती देवी के अलावा दर्जनों स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह

आतंक बनकर दौड़ती बालू लदी गाड़ियां

गड़हनी प्रंखड अंतर्गत गडहनी बलिगांव पथ पर देवढी गांव के समीप बियर फैक्ट्री के आगे सड़क के दोनों किनारे से लदी ट्रक के खड़े कर देने से सड़क पर राहगीरों को आने जाने मे परेशानी हो रही है। जिससे सड़क से गुजरने वाले राहगीर व तेज रफ्तार से वाहनों से गुजरने से परेशानी हो रही है और संदेश व सहार व खैरा बालू घाट से वाहन बालू लादे ट्रैक्टर व ट्रक बालु लादे लेकर गडहनी बलिगांव पथ से होते हुए तेंदुनी जगदीशपुर बिहिया व बक्सर जाने की मजबूर है तथा ओवरलोडेड वाहनों के सड़क से गुजरने के कारण सड़क कई जगहों पर टूटने भी लगा है। गडहनी थाना क्षेत्र के देवढी गांव से लेकर बियर फैक्ट्री के ठोरा नदी के समीप तक सड़क के किनारे ओवरलोड ट्रकों को खड़ा कर दिया जाता है। इससे पथ से गुजरने वाले मुसाफिरों को परेशानी होती है। कई बार सड़क दुर्घटना भी हुई है।तथा सडक पर उड़ रहे धूल से जनता परेशान व गडहनी बलिगांव पथ जर्जर हो गयी है। रोजना घटनाएं होती रहती है। बाइक व छोटी बड़ी वाहनों की कभी भी बडा हादसा होती रहता है। पथ गड्ढे मे तबदील हुआ है और बियर फैक्ट्री की आगे बियर फैक्ट्री के लदे ट्रकों को भी खड़ा किया जा रहा है। जिसे स्थानीय प्रशासन की कई ध्यान नहीं है। वहीं आयर जाने वाली सडक जर्जर हुई है। रोजाना सड़क टूटने के कारण वाइक चालक गिर भी जाते हैं। **रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह**

शिक्षा जगत में संत जॉन ही क्यों?

● **बिन्ध्याचल सिंह**

'जे चिन्ही उहे किनी' उपयुक्त भोजपुरी कहावत को चरितार्थ करते हुये संत जॉन +2 सेकेण्डरी स्कूल विगत 26 वर्षों से गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाला एकमात्र विद्यालय है। जिनके निर्देशक परम आदरणीय डॉक्टर रमेश सिंह है, जिनका पुस्तैनी मकान धरौली गाँव में स्थित है। लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि बक्सर जिला अन्तर्गत माँ डुमरेजनी की पावन धरती पर संचालित होने वाला संत जॉन + 2 सेकेण्डरी स्कूल ही क्यों? क्योंकि नगर परिषद् डुमरांव अन्तर्गत बहुत प्राइवेट विद्यालय है। फिर भी संत जॉन ही क्यों? तो आइये जानें :- संत जॉन +2 सेकेण्डरी स्कूल की कुछ महत्वपूर्ण तथ्य-सबसे पहले जब आप विद्यालय के चारो तरफ नजर दौड़ायेंगे तो आपको प्राचीन काल की शिक्षा व्यवस्था याद आयेगी। यानि दूसरे शब्द में - संत जॉन विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था पूर्णत: प्राकृत की गोद में है। विद्यालय परिसर में ज्यों ही आप प्रवेश करेंगे, रंग-बिरंग की फुले दिखाई पड़ेगे। विद्यालय भवन के आगे और मुख्य दरवाजे/विद्यालय के मुख्य गेट के बायें और दायें छात्र-छात्रों के मनोरंजन के लिये विभिन्न तरह के व्यवस्था दिखाई देगे और-झुला, सीढ़ी इत्यादि। हालांकि विद्यालय परिसर के चौहद्दी में खेल का मैदान है। आगन्तुक कक्ष में रंग-बिरंग की मछलियाँ, वीर महापुरूषों की तस्वीरें, तीन चार तरह के दैनिक समाचार पत्र, और टेलीविजन अतिथियों की सेवा में आपको दिखाई देगी। प्रिय पाठकगण आपलोगों को अवगत कराना चाहता हूँ कि जिस प्रकार बाजार में बड़ा-बड़ा पोस्टर और विज्ञापन के माध्यम से उपभोक्ताओं को लुटा जा रहा है, उसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में भी ऐसे भ्रामक प्रचार किये जा रहे हैं। अत: अभिभावक को इस पोस्टर से दूर हटकर अपने बच्चों की भविष्य की चिन्ता करना चाहिये। आज के समय कुछ शिक्षा माफिया अपनी दुकान खोले हुये हैं। जिससे ऊँची सोच रखने वाले निर्देशक भी बदनाम हो रहे हैं। आपलोगों को याद दिलाना चाहता हूँ कि जनवरी-2020 के अंक में संत जॉन की विशेषता से अवगत करा चुका हूँ। अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य व गुणवतापूर्ण शिक्षा के लिये अगर कोई अभिभावक अपनी कर्तव्य समझते हो तो उन्हें एक बार संत जॉन के गुणवतापूर्ण शिक्षा व शिष्टाचार से अवगत होने की सलाह केवल सच पत्रिका के माध्यम से दी जा रही है। वैसे संत जॉन के निर्देशक श्री डॉक्टर सिंह प्रत्येक कार्य दिवस के दिन स्कूल में शिक्षा ले रहे छात्रों से मिलना अपना परम कर्तव्य समझते हैं। ●

थानाध्यक्ष पर बीडीओ ने लगाया अभद्रता का आरोप

● गुड्डू कुमार सिंह

गड़हनी (भोजपुर) प्रखण्ड क्षेत्र के गड़हनी पंचायत अंतर्गत पड़रियाँ गांव में अतिक्रमण मुक्त कराने पहुँची प्रशासन को बैरन वापस लौटना पड़ा। बता दे कि हीरामुनी कुँवर का जमीन पर एक कच्चा मकान लगभग दशकों साल पुराना है और उसके बगल में विरोधी दल का पक्का मकान है। हीरामुनी कुँवर का कहना है कि मैं अपने नीजी जमीन में ग्रमीणों को आने जाने का रास्ता दे दिये है जिससे सभी आम ग्रामीण उस रास्ते से हर्ष व्यक्त करते है। लेकिन विरोधी दल इसी बने मकान को जोरशोर से हटवाने के क्रम लगा हुआ है विरोधी दल और हीरामुनी कुँवर के बीच विवाद पुराने समय से चले आ रहा है विरोधी दल के घर के अंदर आने जाने के लिए प्रयाप्त स्थान है फिर भी वह हीरामुनी कुँवर को तंग करने पर तुला हुआ है। विरोधी दल जब से हाईकोर्ट में इस जमीन पर मुकदमा किया है तब से पड़रियाँ गांव के सभी ग्रामीण इस रवैये से काफी हैरान है । इस रवैये को देखते हुए ग्रामीणों का कहना है कि केवल एक ही स्थान को अतिक्रमण मुक्त कर देने से हल नहीं निकल पाएगा। ग्रामीण के अनुसार सरकारी अधिकारियों से कहना है कि यदि आप इस कच्चे मकान को तोड़ते है तो एक ओर आम जनता का रास्ता बंद हो जाती है।

यदि आप अतिक्रमण करना चाहते है तो पुरे पड़रियाँ के सभी गलियों को अतिक्रमण से मुक्त करा दिया जाए इसके लिए पड़रियाँ गांव के हम सभी ग्रामीण तैयार है। बताते चले कि हीरामुनी कुँवर का केस अभी सिविल कोर्ट में चल रहा है इसी बीच विरोधी दल ने हीरामुनी की आर्थिक स्थिति कमजोर होने का बार बार फायदा उठा रहा है और विरोधी दल अपने पैसो के बल पर हीरामुनी कुँवर को हमेशा प्रताड़ित करता रहता है। हीरामुनी कुँवर के परिवार में कोई नौजवान या मर्द नहीं रहने के कारण उनके घरों को बर्बाद करने व जान से मारने की विरोधी दल से कई बार धमकी भी मिल चुकी है। मौके पर जब प्रशासन पहुँची तो पाया कि पी0 सी0 सी0 के द्वारा ढ़लाई करा दिया गया है जो वहाँ पर आने जाने का दिक्कत नहीं है। इसी क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत जायसवाल के साथ अभद्रता पूर्वक पेश आने तथा अर्मयादीत व्यवहार करने के संबंध में डीएम और एसपी को लिखित शिकायत दिये। वही प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि मैं 22 फरवरी 2020 को गड़हनी प्रखण्ड में योगदान दिया तब से लेकर आज तक अनेक अवसरों पर थानाध्यक्ष गड़हनी द्वारा अभग्रता पूर्ण अमर्यादित व्यवहार किया जाता रहा। 24 फरवरी 2020 राष्ट्रवादी सेना द्वारा तिरंगा जुलूस में मैं दण्डाधिकारी के रूप में नियुक्त था थानाध्यक्ष तथा उनके सिपाही मेन रोड मस्जिद के पास कुर्सी पर बैठे हुए थे मेरे वहाँ पहुँचने पर न तो औपचारिक अभिवादन किया गया नहीं कोई भी कुर्सी से उठा। मैं करीब वहां 20 मिनट तक खड़ा होकर ही जुलूस का निरीक्षण करता रहा। वही दूसरी तरफ शान्ति समिति की बैठक में भाग लेने जब थाना परिसर पहुँचा तो पाया कि थानाध्यक्ष अनुपस्थित थे। पुलिस कर्मी द्वारा बताया गया कि थानाध्यक्ष का आराम करने का समय है एवं थानाध्यक्ष की अनुपस्थिति में ही शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। मुंसी द्वारा थानाध्यक्ष की विश्राम कक्ष में जाकर बैठक पंजी पर हस्ताक्षर कराया गया। बाद में 09-03-2020 होली के अवसर पर संभाविक अशांति की आशंका को देखते हुए गड़हनी पुल पर सीएए, एन आर सी के विरेध में धरना स्थल पर सीसी टीवी कैमरा लगाये जाने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी सदर आरा के द्वारा प्राप्त हुआ था । मेरे वहाँ पहुचने के बाद भी गड़हनी थाना की उपस्थित नहीं हुई। पुछने पर थानाधयक्ष द्वारा अभद्रता पूर्ण व्यवहार किया गया वहीं दिनांक

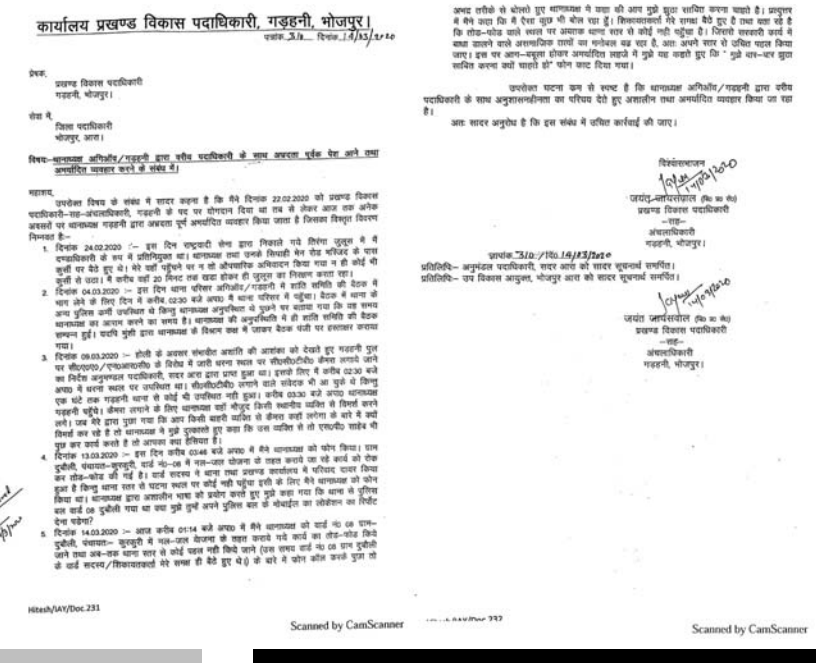

कार्यालय प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, गड़हनी, भोजपुर।

ज्ञापांक-3/0-/पी0./14/03/2020 दिनांक-14/03/2020

प्रेषक,
प्रखण्ड विकास पदाधिकारी
गड़हनी, भोजपुर।

सेवा में,
जिला पदाधिकारी
भोजपुर, आरा।

विषय-थानाध्यक्ष अनिर्वाह/गड़हनी द्वारा वरीय पदाधिकारी के साथ अभद्रता पूर्वक पेश आने तथा अमर्यादित व्यवहार करने के संबंध में।

महाशय,
उपरोक्त विषय के संबंध में सादर कहना है कि मैंने दिनांक 22.02.2020 को प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-अंचलाधिकारी, गड़हनी के पद पर योगदान दिया था तब से लेकर आज तक अनेक अवसरों पर थानाध्यक्ष गड़हनी द्वारा अभद्रता पूर्ण अमर्यादित व्यवहार किया जाता है जिसका विस्तृत विवरण निम्नवत है:-

1. दिनांक 24.02.2020 :- इस दिन राष्ट्रवादी सेना द्वारा निकाले गये तिरंगा जुलूस में मैं दण्डाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त था। थानाध्यक्ष तथा उनके सिपाही मेन रोड मस्जिद के पास कुर्सी पर बैठे हुए थे। मेरे वहाँ पहुँचने पर न तो औपचारिक अभिवादन किया गया न ही कोई भी कुर्सी से उठा। मैं करीब वहाँ 20 मिनट तक खड़ा होकर ही जुलूस का निरक्षण करता रहा।
2. दिनांक 04.03.2020 :- इस दिन थाना परिसर अनिर्वाह/गड़हनी में शांति समिति की बैठक में भाग लेने के लिए दिन में करीब 02:30 बजे अपरा मैं थाना परिसर में पहुँचा। बैठक में थाना के अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे किन्तु थानाध्यक्ष अनुपस्थित थे पुछने पर बताया गया कि वह समय थानाध्यक्ष का आराम करने का समय है। थानाध्यक्ष की अनुपस्थिति में ही शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। यद्यपि पुंसी द्वारा थानाध्यक्ष के विश्राम कक्ष में जाकर बैठक पंजी पर हस्ताक्षर कराया गया।
3. दिनांक 09.03.2020 :- होली के अवसर संभावित अशांति की आशंका को देखते हुए गड़हनी पुल पर सीएए/एन0आर0सी0 के विरोध में जारी धरना स्थल पर सीसीटीवी कैमरा लगाये जाने का निर्देश अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर आरा द्वारा प्राप्त हुआ था। इसको लिए मैं करीब 02:30 बजे अपरा मैं धरना स्थल पर उपस्थित था। सीसीटीवीटीवी लगाने वाले वर्कटक भी आ चुके थे किन्तु एक घंटे तक गड़हनी थाना से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। करीब 03:30 बजे अपरा थानाध्यक्ष गड़हनी पहुँचे। कैमरा लगाने के लिए थानाध्यक्ष वहाँ मौजूद किसी स्थानीय व्यक्ति से विमर्श करने लगे। उस मेरे द्वारा पुछा गया कि आप किसी बाहरी व्यक्ति से कैमरा कहाँ लगेगा के बारे में क्यों विमर्श कर रहे है तो थानाध्यक्ष ने मुझे दुत्कारते हुए कहा कि उस व्यक्ति से तो एसडीपी साहेब भी मुह कर बात करते है तो आपका क्या हैसियत है।
4. दिनांक 13.03.2020 :- इस दिन करीब 03:48 बजे अपरा मैं मैंने थानाध्यक्ष को फोन किया। ग्राम दुबौली, पंचायत-कुलुहरी, वार्ड नं0-06 में नल-जल योजना के तहत कराये जा रहे कार्य को रोक कर रोक-छेाड़ की गई है। वार्ड सदस्य ने थाना तथा प्रखण्ड कार्यालय में परिवाद दायर किया हुआ है किन्तु थाना स्तर से पाटना स्थल पर कोई नही पहुँचा इसी के लिए मैंने थानाध्यक्ष को फोन किया था। थानाध्यक्ष द्वारा असंतोषि भाषा की प्रयोग करते हुए मुझे कहा गया कि थाना से पुलिस बल वार्ड 08 दुबौली गया था क्या मुझे दुबौ अपने पुलिस बल के मौजूदीत का लोकेशन का रिपोर्ट देना पड़ेगा?
5. दिनांक 14.03.2020 :- आज करीब 01:14 बजे अपरा मैं मैंने थानाध्यक्ष को वार्ड नं0 08 ग्राम-दुबौली, पंचायत:- कुलुहरी में नल-जल योजना के तहत कराये गये कार्यो का रोक-छेाड़ किये जाने तथा अब-तक थाना स्तर से कोई जवाब नही मिले जाने (उस समय वार्ड नं0 08 ग्राम दुबौली के वार्ड सदस्य/शिकायतकर्ता मेरे समक्ष ही बैठे हुए थे।) के बारे में फोन कॉल करके पुछा तो

अभद्र तरीके से बोलते हुए थानाध्यक्ष ने कहा की आप मुझे सुझा सलिया करना चाहते है। प्रत्युत्तर में मैंने कहा कि मैं ऐसा कुछ भी बोल रहा हूँ। शिकायतकर्ता मेरे साथ बैठे हुए है तथा बात सुन रहे है कि रोड-छोड़ वाले स्थल पर अभाजक थाना स्तर से कोई नही पहुँचा है। जिससे सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले असामाजिक तत्वों पर गंभीरता बढ़ रहा है, अतः अपने स्तर से उचित पहल किया जाए। इस पर आप-बबूला होकर अमर्यादित भाषाओं में मुझे गाह कहते हुए कि :- मुझे थाना-घर सुझा सलिय करना क्यों चाहते हो" फोन काट दिया गया।

उपरोक्त घटना क्रम से स्पष्ट है कि थानाध्यक्ष अनिर्वाह/गड़हनी द्वारा वरीय पदाधिकारी के साथ अनुशासनहीनता का परिचय देते हुए असाशीन तथा अमर्यादित व्यवहार किया जा रहा है।

अतः सादर अनुरोध है कि इस संबंध में उचित कार्रवाई की जाए।

विश्वंसवादन
जयंत जायसवाल 14/03/2020
(भा0प्र0से0)
प्रखण्ड विकास पदाधिकारी
-सह-
अंचलाधिकारी
गड़हनी, भोजपुर।

ज्ञापांक-310-/पी0./14/03/2020

प्रतिलिपि- अनुमंडल पदाधिकारी, सदर आरा को सादर सूचनार्थ समर्पित।
प्रतिलिपि- उप विकास आयुक्त, भोजपुर आरा को सादर सूचनार्थ समर्पित।

जयंत जायसवाल 14/03/2020
जयंत जायसवाल (भा0प्र0से0)
प्रखण्ड विकास पदाधिकारी
-सह-
अंचलाधिकारी
गड़हनी, भोजपुर।

Hitesh/IAY/Doc.231

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

13 /03 /2020 इस दिन करीब 3:46 में मैंने थाना अध्यक्ष को फोन किया ग्राम दुगोली पंचायत कुरकुरी वार्ड नंबर 8 में नल जल योजना के तहत कराए जा रहे कार्य को रोक कर तोड़फोड़ की गई है। वार्ड सदस्य ने थाना तथा प्रखंड कार्यालय में परिवाद दायर किया हुआ है किंतु थाना स्तर से घटनास्थल पर कोई नहीं पहुंचा इसलिए मैंने थाना अध्यक्ष को फोन किया था। थानाध्यक्ष द्वारा अश्लील भाषा का प्रयोग करते हुए मुझे कहा गया कि थाना थे पुलिस बल वार्ड नंबर 8 दुबौली गया था क्या मुझे तुम्हें अपने पुलिस बल के मोबाइल का लोकेशन का रिपोर्ट देना पड़ेगा? दिनांक 14 /03/ 2020 आज करीब 01:14:00 बजे अपराहन में मैंने थाना अध्यक्ष को वार्ड नंबर आठ ग्राम दुगोली पंचायत कुरकुरी में नल जल योजना के तहत कराए गए कार्य का तोड़फोड़ किए जाने तथा अब तक थाना स्तर से कोई पहल नहीं किए जाने उस समय वार्ड नंबर 8 ग्राम दुगोली के वार्ड सदस्य शिकायतकर्ता मेरे समक्ष ही बैठे हुए थे) के बारे में फोन कॉल करके पूछा तो अभद्र तरीके से बोलते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि आप मुझे झूठा साबित करना चाहते हैं प्रतिउत्तर में मैंने कहा कि मैं ऐसा कुछ भी बोल रहा हूं। शिकायतकर्ता मेरे समक्ष बैठे हुए हैं तथा बता रहे हैं कि तोड़फोड़ वाले स्थल पर अब तक थाना स्तर से कोई नहीं पहुंचा है जिससे सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले असामाजिक तत्व का मनोबल बढ़ रहा है और आपके अपने स्तर से उचित पहल किया जाए। इस पर आग बबूला होकर अभद्र तरीके से मुझे यह कहते हुए की मुझे बार-बार झूठा साबित करना क्यों चाहते हो कहकर फोन काट दिया गया। इस तरह थानाध्यक्ष के द्वारा लापरवाही और मनमानी के कारण कार्य में व्यवधान उत्पन्न हो रही है। इसकी सूचना एसपी साहब को तथा जिला अधिकारी को आवेदन के माध्यम से दे दिया गया है, ये बाते बीडीओ सह अंचल अधिकारी जयंत जायसवाल द्वारा बताया गया। सनद् रहे कि इन सभी बातों को बेबुनियाद बताते हुए गड़हनी थानाअध्यक्ष थाना प्रभारी साजिद हुसैन ने कहा कि मुझपर लगाये गये आरोप गलत है और उन्होंने बताया कि होली की शांति समिति की बैठक के पहले से ही मैं छुट्टी पर था। मुझपर गलत आरोप लगाने पर मानहानि का मामला दर्ज करूंगा। बिना किसी सबूत के किसी के खिलाफ किसी को आरोप नहीं लगाना चाहिए।●

किसान कांग्रेस नेत्री रेणु सिंह के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

तरारी विधानसभा के तीनों ब्लॉक पिरो, तरारी एवम सहार के खासकर सभी किसानो को आमंत्रित किया गया था। जिसमे खासतौर से कमलाकांत शर्मा, अलख राय, लाल नारायण उपाध्याय, नीलाम्बर जी,मुज्जबुरर रहमान जी, मेराज खान, भोलू , इस्तेखार, महावीर यादव,रंजन यादव,अभिषेक सिंह इत्यादि लोग थे। इस कार्यक्रम के आयोजन में खासतौर से पिरो के इरफान ने सहयोग किया। इस मिलन समारोह के द्वारा समाज मे ये मेसेज पहुँचाने की कोशिश की गई कि हम आज भी जाति-पाती, और धर्म से ऊपर उठकर लोगों ने एक दूसरे के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया। कांग्रेस नेत्री रेणु सिंह ने भोजपुर के किसानों की भी बात की। उन्होंने बताया कि किस तरह से भोजपुर वासियों के पास कृषि के अलावा और कोई रोजगार नही है अत: सरकार को उनके समस्यायों का समाधान कर उनकी आय को बढ़ाने की कोशिश की जानी चाहिए। नया उभरता युवा गायक गुंजन राजा ने अपने होली के मनमोहक गानों से सबका दिल जीत लिया। अंत मे रेणु सिंह जी ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। **रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह**

सुरक्षा को ठेंगा दिखाता
पदाधिकारियों की कर्तव्यनिष्ठता : रामको

मैं अपनी सुरक्षा दिवस प्रत्येक वर्ष की भाँति 04.03.2020 को मनाया। जिसमें सभी श्रमिक व पदाधिकारी उपस्थित थे। जिसमें सेवा दे रहे वरिष्ठ प्रबंधक श्री चन्द्रशेखर ने श्रमिकों की सुरक्षा से जुड़े कई जानकारी श्रमिकों व पदाधिकारियों को दी। परन्तु बार-बार ''घर की बात घर में'' तक ही सीमित करने की अपील कर रहे थे। वरिष्ठ प्रबंधक द्वारा बार-बार बात दुहराने की जानकारी अगले अंक में दी जायगी, वैसे आपको बताते चले कि रामको के द्वारा दी जाने वाली कोई भी सुरक्षा श्रमिकों को नहीं दी जाती है, सुरक्षा के नाम पर एक खानापुर्ति की जाती हे। 04.03.2020 के शाम श्रमिकों ने प्रतिनिधि को जानकारी दी कि रामको द्वारा दी जाने वाली कोई भी सुविधा श्रमिक को नहीं दी जाती है। अगर किसी-किसी श्रमिक को जुता भी दी गई है तो उसमें कपड़ा डालकर पहनना पड़ता है। जबकि कम्पनी द्वारा प्रत्येक श्रमिक को सुरक्षा की उत्तम व्यवस्था की गई है। परन्तु रामको के पदाधिकारियों द्वारा श्रमिकों की कोई सुविधा नहीं दी जा रही है। जो जाँच का विषय है। श्रमिकों की मानें तो अगर श्री सिंह साहब हैं तो श्रमिक सुरक्षित है, वरना ....। वैसे पिछले अंक में जानकारी उपलब्ध करा चुके हैं कि कम्पनी के वरिष्ठ प्रबंधक कड़ाके की ठंड में भी आरा सलथर-मंथलर से चलकर रात्रि ग्यारह बजे श्रमिकों की सुरक्षा की जाँच करते रहते थे। कभी भी सर किसी श्रमिक को न डाटते, न गाली देते हैं। सिंह साहब कहते हैं : ''मस्त रहो-व्यस्त रहो''-''अस्त-व्यस्त न रहो।''।
रिपोर्ट :- बिन्ध्याचल सिंह

होली के रंग, किचड़ के संग

आज भले ही देश डिजिटल इंडिया हो रहा है, परन्तु बक्सर जिला अन्तर्गत नगर परिषद, बक्सर व डुमराँव 1980-90 का होली मनाना ही पसंद करता है। जो नगर परिषद् में सफाई का कार्य करने वाले गैर-सरकारी संगठन व कार्यपालक पदाधिकारी की मजबुती और नगर परिषद् की मजबुरी है। 09.03. 2020 के दिन प्रतिनिधि कई वार्डों का भ्रमण किये, जिसमें पाये कि नगर परिषद् की कोई भी ऐसा वार्ड ननहीं था, जिसमें गंदगी होली का इंतजार न कर रही हो। क्योंकि नवयुवक टोली आयेगी तब ही तो होली मेरे साथ खेलने। शायद यही कारण हो सकता है कि गैर सरकारी संगठन व कार्यपालक पदाधिकारी नवयुवक का मनोबल न टुटे इसलिये गंदगी का ढेर इक्कठा किये हुये थे। सफाखाना रोड में जब प्रतिनिधि स्थानीय लोगों से सफाई की बातें कर रहे थे, तो लोगों ने बताये कि सफाई की क्या बात करना है, सामने देख लिजिए पूरे नगर में यही हाल है। नगर में सफाई की कार्य कर रही गैर-सरकारी संगठन राजनीतिक की गलियारे में अच्छी पकड़ बनाई हुई है। जिसका जीता-जागता प्रमाण पूरे नगर में मिलेगा। लोगों ने आगे जानकारी दी कि नगर सफाई के लिये संगठन को लगभग 2000000/- रूपये दिया जाता है। अगर नगर परिषद् स्वयं सफाई कार्य करे तो आधी राशि में नगर चकाचक रहेगा। परन्तु सरकार की नीति व नियत के आगे नगर परिषद् मजबुर है। ● **रिपोर्ट :- बिन्ध्याचल सिंह**

नक्सल इतिहास का एक अध्याय समाप्त

बिहार-झारखंड का कुख्यात 11 लाख का इनामी नक्सली सिधू कोड़ा का पुलिस हिरासत में मौत के बाद जमुई और गिरीडिह की पुलिस राहत का सांस लेगी। सैकड़ो घटनाओं का नामजद रहा है सिधू कोड़ा। 25 वर्षो का नक्सल इतिहास में यह दुर्दांत नक्सली की तलाश वर्षो से पुलिस कर रही थी पर हर बार यह पुलिस को चकमा देने में कामयाब हो जाता था। चिलखारी नरसंहार, भेलवाघाटी नरसंहार, झाझा जीआरपी थाना ब्रेक समेत दर्जनों पुलिसकर्मियों के हत्या में शामिल रहा है सिधू कोड़ा। सिधू को मानवता का दुश्मन कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। जमुई से हमारे जिला ब्यूरो अजय कुमार के साथ कुंजबिहारी की रिर्पोट :-

आखिरकार कुख्यात नक्सली सिधु कोड़ा पुलिस के गिरफ्त में आ ही गया। कुख्यात नक्सली सिद्धु कोड़ा पुलिस के गिरफ्त में आने के बाद पुलिस अभिरक्षा में ही दम भी तोड़ दिया। आखिर सैंकड़ों हत्या करने वाला हत्यारा, मानवता का दुश्मन का मौत पुलिस अभिरक्षा में पेट और सीने में दर्द के कारण हो जाएगा यह बात किसी को हजम नहीं हो रहा है। आखिर दुर्दांत नक्सली इतना कमजोर होगा यह बात हजम होने के लायक है भी नहीं। फिर भी जो जैसा करेगा उसको तो वैसा ही फल भी भोगना होगा यह विधि का विधान भी है। और यह भी तय है कि नक्सली सिद्धू कोड़ा के मौत के बाद जो नक्सली में इतना भय है कि आने वाले समय में नक्सल समस्या जमुई जैसे अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लिए इतिहास बन कर रह जाएगा। पुलिस प्रशासन का आतंक नक्सलियों पर ऐसा कि जिस नक्सली नेता के लिए सैकड़ो संगठन के लोग एक बात पर नक्सली सिद्धू कोड़ा के लिए खड़े हो जाते थे। मरने मारने पर उतारू रहते थे उसका लाश लेने के लिए न तो नक्सल संगठन के लोग आए और न ही परिवार के लोग। हालांकि पुलिस द्वारा नक्सली नेता चिराग, दिनेश पंडित, दरोगी यादव, सुरंग यादव, सुनील हेम्ब्रम जैसे कुख्यात नक्सली को मार देने या गिरफ्तार कर लेने से पहले से ही

नक्सली टुट चुका था बचा-खुचा सिधू कोड़ा का मौत से पूरा हो गया। अब तो इडी भी वाकी बचे नक्सली नेता अरविन्द यादव और पिंटू राणा जैसों को एक करोड़ से अधिक के संपत्ति को अटेच कर पूरा करने के फिराक में है।

झारखंड के चर्चित भेलवा घाटी नरसंहार से लेकर चिलखारी नरसंहार, नवादा के कौआकोल थानाक्षेत्र के चननवर में रैदास मंदिर के प्रागण में 11 पुलिसकर्मियों की हत्या और बिहार के चर्चित झाझा जीआरपी थाना ब्रेक हो या फिर सीआरपीएफ कमांडेंट हीरा झा की हत्या समेत बिहार-झारखंड के सौ से अधिक नक्सल घटनाएं सिधू कोड़ा के ही लीडरसीप में हुआ है। सिधू कोड़ा नक्सलियों का मारक दस्ता को लीड करता था। और इसका सैंकड़ो समर्थक हुआ करते थे जो अपने लीडर का एक मात्र निर्देश पर मरने-मारने पर उतारू हो जाता था। शुरूआती दिनों में सिधू के नक्सल घटनाओं का सफलता पूर्वक अंजाम देने के कारण ही नक्सल संगठन ने उसे जोनल एरिया कमांडर का पद दिया था। आज तक पुलिस के पकड़ से लगातार बचने वाला शातिर नक्सली सिधू कोड़ा आखिरकार बड़े ही नाटकीय अंदाज में झारखंड के दुमका स्टेशन के समीप एक मकान से अकेले 21 फरवरी को बिहार के एसटीएफ के एक दल द्वारा गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सली सिधू कोड़ा के उपर बिहार सरकार द्वारा एक लाख तथा झारखंड सरकार द्वारा दस लाख रूपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस सिधू कोड़ा को पकड़कर जमुई ला रही थी। रास्तें में ही उसके निशानदेही पर की गई छापेमारी में दो और नक्सली तथा एक एके-47 एक इंसास समेत तीन राईफल, सैंकड़ो कारतूस, हेण्ड ग्रेनेट, नक्सली साहित्य समेत कई आपत्तीजनक समान की बरामदगी की गई। पकड़े गये नक्सलियों में चकाई थाना क्षेत्र के हिंडला गांव निवासी इलियास हेम्ब्रम तथा चन्द्रमंडी थाना क्षेत्र के छिड़पत्थर निवासी सुशील हाँसदा शामिल है। इसी दौरान नक्सली सिधू कोड़ा को सीने तथा पेट में दर्द की शिकायत पर पुलिस की टीम उसे लेकर जमुई सदर अस्पताल इलाज के लिए ला रही थी। यहाँ ये बात स्पष्ट नहीं है कि सिधु कोड़ा पहले से ही बिमार था कि उसे पुलिस के डर और खौफ के कारण सीने और पेट में दर्द हो गया ये आज तक किसी को नहीं पता। हालांकि लाते समय रास्ते में बामदह मोड़ के समीप छिड़पत्थर से गिरफ्तार नक्सली सुशील हांसदा को निर्दोष बताते हुए ग्रामिणों ने पारंपरिक हथियारों के साथ छः घंटे तक रोड जाम कर दिया। इस दौरान सिधू के इलाज में रास्ते में जाम के कारण भी देर हुई। सिधू कोड़ा को दूसरे रास्ते से जमुई

अपराध नियंत्रण प्राथमिकता है– डॉ इनामुल

जमुई जैन धर्म के 9वें तीर्थंकर भगवान सुविधिनाथ और 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जन्मस्थली है। जिस स्थली से दोनों तीर्थंकरों ने दुनिया को सत्य अहिंसा व शांति का पाठ पढ़ाया, व ही जमुई आज नक्सलवाद से ग्रसित है। वैसे तो इस जिले में अनेक छोटी–बड़ी समस्याएँ हैं, परंतु नक्सलवाद सबसे बड़ी समस्या है। इसके कारण यहाँ कई पर्यटक स्थल रहने के बावजूद यहाँ पर्यटक नहीं आते हैं। इसके कारण पर्यटन, व्यापार और शिक्षा आदि सभी प्रभावित हैं। इन सभी समस्याओं के समाधान हेतु कई वर्षों से विशेष प्रतिनिधि **प्रो० रामजीवन साहु** ''केवल सच'' मासिक पत्रिका के माध्यम से सरकार को अवगत कराते रहता हूँ। साथ ही जिले के मुख्य अधिकारियों, जन नेताओं व आम जनता से विचार साझा कर समस्या के समाधान ढूँढने का प्रयास करता आ रहा हूँ। इसी कड़ी में आज मैं जमुई के वर्तमान पुलिस अधीक्षक **डॉ० इनामुल हक मेंगनु** से अपना विचार साझा कर साक्षात्कार किया। जिसके कुछ अंश इस प्रकार हैं :–

★ आपने सर्वप्रथम किस पद पर कार्य करना प्रारंभ किये?

मैं अपना जीवन सर्वप्रथम भारत का स्वर्ग कहा जाने वाला राज्य कश्मीर से काम करना प्रारंभ किया। वहाँ मैं सेवा की दृष्टि से एक सरकारी चिकित्सालय में चिकित्सक के रूप में कार्य करना प्रारंभ किया।

★ पुलिस प्रशासन के रूप में आपके कार्य की प्राथमिकता क्या है?

मेरे कार्य की पहली प्राथमिकता जमुई जिले को नक्सलमुक्त करना है। साथ ही सबों के बीच भाईचारा स्थापित करना है। भारत एक महान देश है जहाँ दुनिया के सभी धर्म फल फूल रहे हैं। सचमुच भारत विविधताओं में एकता का देश है।

★ जमुई नक्सल प्रभावित जिला है, इसे कैसे और कब तक आप नक्सलमुक्त करा सकते हैं ?

जमुई में नक्सलवाद से मुक्ति के लिए जन सहयोग की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त उसे मुख्य धारा में शामिल होने के लिए मैं नक्सली क्षेत्र में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक, लेखन सामग्री, खोल सामग्री आदि वितरित करता हूँ। समय–समय पर मेडिकल कैम्प लगवाता हूँ। उसे मुख्य धारा से जोड़ने के लिए उनके बीच संवाद करता हूँ। यहाँ पूर्व के सभी पुलिस अधीक्षक बहुत अच्छा कार्य किये हैं इसलिए अब तो मात्र अंगुलियों पर गिनने लायक नक्सली बच गए हैं वह भी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में आ जाएंगे। फिर जमुई नक्सलवाद से मुक्त हो जायेगा।

★ नक्सलवाद का कारण क्या है?

यह प्रश्न वैसे ही है जैसे पहले अंडा आया या मुर्गी अर्थात विकास नहीं होने के कारण नक्सलवाद पैदा लिया या नक्सलवाद के कारण विकास नहीं हो सका। लेकिन मुझे लगता है कि विकास से वंचित लोग ही नक्सलवाद के चंगुल में फंसे हैं।

★ इस अल्प अवधि मैं आपकी कौन–कौन सी उपलब्धियाँ हैं?

मेरे आने के बाद अनेक छोटे–बड़े नक्सलियों को जेल में ठूंसा गया है। अभी–अभी मोस्ट वांटेड एरिया कमांडर 11लाख के इनामी नक्सली सिद्धू कोड़ा को भी गिरफ्तार किया गया है।

★ सरकार से आपकी क्या अपेक्षा है?

सरकार जिस योजना पर काम कर रही है उसे पूर्ण जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करना चाहिए। इसके पूर्ण होने से कई प्रकार की क्षेत्र की समस्याएं स्वतः समाप्त हो जाएगी।

★ जमुई वासियों से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं?

जनता पुलिस को अपना मित्र समझें और जब पुलिस कुछ अनुसंधान करें तो उसका सहयोग अवश्य करना चाहिए इससे पुलिस का हौसला बढ़ता है साथ ही ऐसा करने से अल्पकाल में ही बहुत बड़ा कार्य सफल हो जाता है।

★ जिले की ट्रैफिक समस्या का समाधान कैसे हो सकता है?

हमारे पास ट्रैफिक पुलिस की कमी है, जिसके कारण अल्पकाल में स्थायी समाधान अभी संभव नहीं है। दुकानदार भाई अतिक्रमण हटाने के बाद फिर कुछ ही दिनों के बाद अतिक्रमण कर लेते हैं। फलस्वरूप ठेला लगाकर सामान बेचने वाले सड़क पर ही ठेला लगाकर सामान बेचने लगते हैं जिसके कारण ट्रैफिक की समस्या खड़ी हो जाती है। अगर जनता का सहयोग मिला यह समस्याएँ खड़ी नहीं होगी।

आपको बता दूँ कि वर्तमान पुलिस अधीक्षक प्रशासक कम सामाजिक अधिक हैं इनका मानना है कि बेगुनाहों को कभी जेल नहीं भेजना चाहिए उनका यह भी कहना है कि बेगुनाह जब जेल जाता है तो वह खूंखार नक्सली बनकर निकलता है। जमुई के पुलिस अधीक्षक में जिलाधिकारी का रूप भी देख सकते हैं क्योंकि इनकी पत्नी श्रीमति इनायत खान जिलाधिकारी हैं।

लाया गया और उसी दिन 22 फरवरी की रात में साढ़े ग्यारह बजे अस्पताल के डॉक्टरों ने सिधू कोड़ा की मौत की पुष्टी कर दिया। इस प्रकार से बिहार-झारखंड का मोस्ट वांटेड, इनामी और दुर्दात नक्सली के मौत के बाद जमुई जिला के नक्सल साहित्य का एक अध्याय समाप्त हो गया।

पुलिस अभिरक्षा में जोनल कमांडर सिधू कोड़ा के मौत के बाद उसे 72 घंटे तक पुलिस अपने कब्जे में रखा ताकि कोई परिजन या फिर उसे चाहने वाले उसके लाश को ले जाकर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कर सके। पर कई नक्सल घटनाओं को लीड करने वाला सिधू कोड़ा का लाश ले जाने के लिए न तो उसके परिजन आये और न ही कोई उसको जानने-चाहने वाला। पुलिस अभिरक्षा में सिद्धू कोड़ा के मौत के बाद नक्सली और सिधू का परिजन दोनो खौफजदा देखे गये। 72 घंटे के बाद जमुई प्रशासन के द्वारा हिंदु रीति रिवाज से सिध ू कोड़ा का अंतिम संस्कार कर दिया गया। चकाई थानाक्षेत्र के बरमोरिया पंचायत का नेहालडीह गाव का एतवा मरांडी का पुत्र सिधू कोड़ा का 25 वर्षो का नक्सल इतिहास रहा है। सिधू कोड़ा को नक्सल संगठन के लोग भैया के नाम से पुकारते थे। सिधू कोड़ा को नक्सली साथी लालजीत, मुंशी आदी नामों से भी बुलाता था। नक्सली आतंक का प्रयाय बन चुका सिधू कोड़ा के उपर बिहार झारखंड में लगभग सौ से अधिक मामला दर्ज है। अकेले जमुई जिला में 78 मामले दर्ज होने का प्रमाण पुलिस रिकार्ड में है। जिसमें सबसे अधिक सोना-चरकापत्थर थाना में 35, चन्द्रमंडी थाना में 3, चकाई थाना में 11, सिमुलतला में 3, खैरा में 19, झाझा थाना में 4 मामला दर्ज है। इसमें से दर्जनों मामलों में पुलिस की हत्या करने का भी मामला शामिल है।

वर्ष 1998 में खैरा थाना के दीपाकरहर में बारूदी सुरंग बिस्फोट कर एक पुलिस गाड़ी को उड़ा दिया था जिसमें एक पुलिस कर्मी की मौत हो गई थी तथा उनके बंदूकों को लूट लिया गया था। वर्ष 2003 में चुनाव के दौरान एसपी-डीएम के काफिले पर हमला कर एक पुलिसकर्मी की हत्या कर पॉच पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया था। उसके लीडरसीप में ही 11 सितम्बर 2005 को गिरीडिह के भेलवाघाटी नरसंहार में ग्रामरक्षा दल के 17 सदस्यों का जन अदालत लगा कर मौत का घाट उतार दिया गया था। 26 अक्टूबर 2007 को चर्चित गिरिडीह के ही देवरी थानाक्षेत्र में चिलखारी नरसंहार में एक फुटबॉल मैच के आयोजन के समय हजारों के भीड़ में अंधाधुध फाईरिंग करके

खैरा के जंगलों में सिद्धू कोड़ा का लंबा सफर

● डॉ. कुंज बिहारी

खैरा-खैरा के जंगलों सहित अंतर्राज्यीय बॉर्डर क्षेत्र मैं भी सिद्धू कोड़ा ने लगभग ढाई दर्जन घटनाओं को अंजाम दिया। खैरा के ग्रामीण क्षेत्रों में सिद्धू का नाम बराबर चर्चा में रहा है। सरकारी भवन व ठेकेदार से लेवी लेकर अपने संगठन की आर्थिक क्षमता को मजबूत बनाने का उसका नीति थाद्ययो तो खैरा थाना में लगभग दो दर्जन कांडों का नामजद अभियुक्त था। इसके अलावा भी वह कई कांडों में संलिप्त था। सिद्धू ने सर्वप्रथम बॉर्डर क्षेत्र में स्थित 2009 के 9 फरवरी को संत रविदास मंदिर के प्रांगण में कौवाकोल थाना से आए पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों पर दिनदहाड़े अचानक हमला बोल दिया जिसमें 9 की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक जवान बच निकले। इसी प्रकार 2012 के 31 दिसंबर को गा रही के ग्रामीणों पर रात में हमला बोल दिया जिससे कि तैयब मियां एवं कारू मियां की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि सबीर मियां का अपहरण कर 2 दिन बाद उसकी हत्या कर दी गई। सिद्धू कोड़ा के नेतृत्व में उसके दास्ताने 2012 के 22 मार्च की रात में बिहार दिवस के मौके पर प्रखंड मुख्यालय खैरा के भवन को केन बम से उड़ा दिया। इसी रात में बालू घाट क्यूल नदी गिद्धेश्वर घाट पर एक दर्जन ट्रकों में आग लगा दी। लालदैया कॉजवे के दो पायो को छतिग्रस्त कर दिया। 2012 के 21 मार्च को पच भूर जंगल में टिटहिया गांव के एक ट्रैक्टर को जलाया 2012 के 19 सितंबर को गिधेदश्वर जंगल में खैरा थाना के पुलिस वाहन पर फायरिंग किया जिसे पुलिस पदाधिकारी जे के सिंह मारे गए और कमलेश कुमार घायल हो गएद्य2013 के 30 अगस्त को खलारी के सुधीर राय की हत्या कर दी गई। 2013 के 26 जनवरी की रात में बादिलडीह पूल के 8 कर्मियों की अपहरण कियाद्य 2013 के 8 अप्रैल को प्रखंड मुख्यालय के बगल में पावर सब स्टेशन में विस्फोट किया 2013 के 19 सितंबर को रात में परासी मोड़ पर नवनिर्मित भवन के सिढी को उड़ाया,उसी रात मे एससीएफ के वाहनों पर गिध्देश्वर जगल मे वाहनो पर फायरिंग किया जिसमें एक जमाने की मौत हो गई और 1 जवान घायल हो गए। 2013 के 6 दिसंबर को आहराडी में मुठभेड़ हुआ इसमें विस्फोटक सामाग्री के अलावे सरिता मुर्मु गिरफ्तार हुई। 2014 के हरनी के चतरा जंगल में जवानों और सिद्धू कोड़ा के साथ मुठभेड़ 2014 के सद्गरी जगल मे मुठभेड़ वर्दी विस्फोटक सामग्री बरामद। 2014 के 4 जुलाई को झारखंड पहाड़ के नीचे बसे लहखारी गांव में मुठभेड़ हुई जिसमें टू वाई सी हीर झा की मौत हुई और नक्सली रीना गिरफ्तार हुई। 2014 के 13 जुलाई को मुठभेड़ हुई जिसमें एक रायफल, गोली रेडियो, पिट्ठू छाता एवं एक मैगजीन बरामद हुआ। 2014 के 7 फरवरी को आहराडी जंगल में मुठभेड़. 2014 मे उत्क्रमित मध्य विद्यालय बुझायत के गेट को विस्फोट कर उड़ायाद्य2014 के 22 फरवरी चेतूआडीह निवासी प्रकाश यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई .2015 में कांड संख्या 259, 2016 के 22 जनवरी की रात में ताराटाङ जंगल में हरनी पंचायत के पूर्व सरपंच की नूनेश्वर तांती की हत्या. 2017 में कांड संख्या 129 मे विस्फोटक सामाग्री बरामदद्य 2018 में कांड संख्या 87,128 210,353,382 में भी सिद्धू कोडा सहित उनके साथियों को अज्ञात रूप में अभी तो बनाया गया। इस कांडों के अलावा भी खैरा के जंगलों में दर्जनभर घटनाओं को नक्सलियों ने अंजाम दिया। 1999 में दीपाकरहर जंगल में बारूदी सुरंग विस्फोट 2001 में रोपाबेल में बंदूकों की लूट सहित नक्सलियों की घटना करने की लंबी सूची है।

झारखंड के मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के पुत्र अनुप मरांडी समेत 20 लोगों की हत्या में भी सिधू शामिल रहा है। इस घटना में बाबूलाल मरांडी का भाई नुनूलाल मरांडी बाल-बाल बच गये थे। 9 फरवरी 2009 को नवादा के कौवाकोल थानाक्षेत्र के चननवर में रैदास मंदीर में संत रविदास के वार्षिकोत्सव में पुलिस इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई थी। इसके अलावे 15 मार्च 2008 को झाझा जीआरपी थाना पर हमला कर 6 पुलिसकर्मियों की हत्या कर सैंकड़ो कारतूस और दर्जनों हथियार को लूट लिया गया था। इसके अलावे कई हत्याओं, मोबाईल टावर बिस्फोट, स्कूलों में डाईनामाईट बिस्फोट समेत कई थाना और प्रखंड भवन उड़ाने का भी आरोप शामिल है। सिधू कोड़ा जनअदालत लगा कर उन क्षेत्र की जनता में खौफ और आतंक कायम करने में माहिर था। सिधू कोड़ा संगठन के लिए लेवी वसूली का भी काम बखूबी करता था। ऐसे कई लेवी वसूली के मामले में ठेकेदार के मुंशी और मजदूरों का अपहरण करने की घटनाएं भी शामिल रहा है। विकास के कई काम नक्सल संगठन के बढ़ते प्रभाव से प्रभावित होते रहा है। सिधू के दस्ते का खौफ बिहार के जमुई और झारखंड के गिरीडीह जिले में सबसे ज्यादा था। इसके कुछ ही प्रमुख नक्सल घटनाओं से मानवता शर्मशार हुई थी लोगों में दहशत था और ऐसा लगता था कि नक्सल समस्या का समाधान होना संभव नहीं है। पर धीरे-धीरे ही सही जमुई प्रशासन द्वारा लगातार क्षेत्र में पुलिस का पकड़ मजबूत कर संगठन को कमजोर कर और विकास के मुख्यधारा में पहुँच कर नक्सल को जड़ से समाप्त करने का जिस मंसूबे से काम कर रहा है उससे आने वाला समय में नक्सल का समूल नष्ट हो जाएगा। जमुई आरक्षी अधीक्षक डॉ0 इमानुल हक मैंग्नू की माने तो नक्सल समस्या अब बड़ी समस्या नहीं रह गई है। अब अरविन्द यादव, पिंटू राणा जैसे कुछ अपराधी जैसे लोग रह गये हैं और उसे भी बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं एसपी की माने तो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का विकास कर नक्सल समस्या को समाप्त किया जाएगा। वे बताते हैं कि हाल ही में जब हम भीमबांध के जंगलों में एक योजना के तहत गरिबों में साड़ी बगेरह बांट रहे थे तो एक वृद्ध महिला साड़ी लेने से इस कारण इंकार कर दिया कि नक्सली संगठन के लोग जानेगें तो पता नहीं क्या करेंगे। वैसे जगहों पर लोगों के नजर में विकास दिखाना होगा तभी इस समस्या को समाप्त किया जा सकता है और हम इस पर काम भी कर रहे हैं। हमारे एक सवाल पर कि क्या नक्सल समाप्त होने के बाद अपराध बढ़ने की भी संभावना है क्या तो इस पर उनका कहना था कि ऐसा होने नहीं दिया जाएगा। इस सवाल के पीछे का कारण यह था कि नक्सल प्रभावित सोनो थानाक्षेत्र के अमझरी से एक ग्रामिण डॉक्टर का अपहरण हुआ था। हलांकि दो दिनों तक इस अपहरण का मामला थाने में दर्ज नहीं होने के कारण मीडिया इसे कवर नहीं किया था। परिजन को बार-बार अपहर्त्ता के मोबाईल से 25 लाख तक का डिमांड किया जा रहा था। परिजन झाझा डीएसपी के संपर्क में थे। फिरौती की बात भी की जा रही थी। एसपी से जब मैंने खुद पुछा तो वे बताते हैं कि एक लाख से अधिक फिरौती नहीं देना है ऐसे में हमें एक-दो दिन समय मिल जाएगा और हम अपहर्त्ता को छुड़ा लेंगे। हम 5 बजे एसपी से बात किया और सात बजे पुलिस अपहरणकर्त्ता के पूरे परिजन को सादे लिवास में उठा कर ले आया और 10 बजे अपहरणकर्त्ता ग्रामीण डॉक्टर को बिना फिरौती का छोड़ देता है। इस प्रकार से एक फिल्मी अंदाज में नक्सल प्रभावित क्षेत्र से अपहरण की घटना का उद्भेदन कर जनता का विश्वास कायम करने में लगी है जमुई पुलिस। अभी कुछ ही दिनों पहले एसपी मेंग्नू के साथ डीआईजी मनु महाराज भीमबांध के जंगली क्षेत्रों का भ्रमण कर जनता में विश्वास कायम करने की पहल की गई थी। अब देखना होगा कि प्रशासन नक्सल प्रभावित गांवो में विश्वास और विकास के लिए और कितना पहल करती है। ●

सिमटता जा रहा कुंभकारों का पुश्तैनी धंधा

● डॉ० कुंज बिहारी

कुम्हार समाज का पुश्तैनी धंधा वर्षों से धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है,कई पीढ़ियों का जीवन चाक तक ही रह गया है पूरे परिवार के लोग दिन-रात शारीरिक परिश्रम करते हैं मगर इनके दशा में कोई बदलाव नहीं आया है. कुंभकारों का यह करोवार पीढ़ी दर पीढ़ी से आ चला रहा है दूरदराज से खोदकर मिट्टी लाना उसे रौंदना इनकी दिनचर्या है.टूटी झोपड़ी में न बैठने का जगह ना चाक चलाने का.इन कारोबारियों को तीनो मौसम में परेशानी है कभी बरसात तो,कभी शीतलहर तो कभी,लू का सामना करना पड़ता है.छः माह कारोबार चलता है और छः माह तक बंद रहता है. मिट्टी के बर्तनों की बिक्री भी मौसमी बन जाता है खैरा की योगी पंडित व नंदलाल पंडित कहते हैं कि कुछ दशक पूर्व हम लोग छप्पर छौनी के लिए खपड़ा बनाते थे. चाय की दुकानों के लिए कुल्हड एवं भोजन बनाने के लिए मिट्टी का बर्तन बनाते थे.आज खपड़ा की जगह करकट, कुल्हड की जगह प्लास्टिक का बना हुआ कुल्हड काम में आता है अब केवल यज्ञ व शादी विवाह के अवसर पर ही मिट्टी के बर्तनों की बिक्री होती है. प्लास्टिक युग के इस दौर में मिट्टी के बर्तनों की मांग घट गई है और प्लास्टिक की आधुनिक परंपरा ने हमारे कारोबार पर वज्रपात ही कर दिया है कुंभकार कहते हैं कि पूर्व के वर्षो में हमारे द्वारा बनाए गए मिट्टी के खिलौने बाजार में बिकते थे और चाइनीज खिलौने की भरमार बाजार में इतनी हो गई है कि हमारे द्वारा बनाए गए खिलौनों का कोई पूछता नहीं है,कहते हैं कि मिट्टी के इस कारोबार में जितना समय लगाते हैं उसके अनुरूप हमें लाभ नहीं मिलता है घर के बच्चों को ससमय शिक्षा नहीं दे पाते हैं ना शुद्ध भोजन न तो तन पर कपड़ा ही दे पाते हैं दिन रात कठिन परिश्रम करने के बावजूद भी हमारा पूरा परिवार हीन भावना से ग्रस्त रहता है. कुम्भकार समाज के लोग कहते हैं कि चाक बैठाने व बर्तन आदि रखने के लिए सरकारी स्तर पर शेडो का निर्माण कर दिया जाए तो हमारा यह कारोबार और भी वृहद पैमाने पर फैल सकता है.मगर हम लोग विकास की मुख्यधारा से अपने को अलग थलग समझते हैं. पुराने जवाने के लोग कहते थे की मिटटी के बने बर्तन में खाना शुद्ध और स्वादिष्ट होते हैं।मिटटी के बर्तन में खाना खाने वाले लोग शारीरिक रूप से मजबूत होते थे। भगवान श्री कृष्ण भी मिटटी के बने बर्तन का मट्ठा खाते थे। पर आज के आधुनिकता के युग में मिटटी के बर्तन बनाने बाले कुम्हारों की रोजी रोटी के लाले पर गए हैं। मिट्टी की सोंधी खुशबु का पतीला में खौलाया गया दूध की महक अब मिलनी ही बंद हो गई है। ●

भ्रष्टाचारियों का अड्डा बना बिहार का स्वास्थ्य सेवाएँ?

● निलेश कुमार

घटना 22/2/2009 सुपौल जिले की है संविदा के आधार पर प्रशिक्षण ग्रेड ए नर्स नीता कुमारी पिता श्री कामेश्वर सिंह को सुपौल में नौकरी मिली थी । नौकरी के महज कुछ दिन बाद बंध्याकरण ऑपरेशन में दवा एवं सुई के नाम पर मरीजों से अवैध रूप से राशि उगाही की शिकायत नीता कुमारी के विरुद्ध की गई । शिकायत की जांच उपरांत सही पाये जाने के फलस्वरूप जिला अधिकारी सह अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति सुपौल के पत्रांक 439-2/गो0 दिनांक 22/02/2009 के आलोक में जिला स्वास्थ्य समिति सुपौल के ज्ञापांक संख्या 132 दिनांक 12/03/2009 के द्वारा उनकी संविदा को रद्द करते हुए सेवा समाप्त कर दी गई थी । लेकिन इसकी सूचना या एफ आई आर दर्ज सुपौल सिविल सर्जन ने नहीं करवाई ! मैं स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे जी से एक पत्रिका के माध्यम से पूछना चाहता हूं जो क्या भ्रष्टाचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार सिद्ध होने पर भी एफ आई आर क्यों नहीं दर्ज कराई गई बाद में पैसे के बल पर उसी स्वास्थ्य सेवाएं में नीता कुमारी पिता श्री कामेश्वर सिंह संविदा के आधार पर ही उसी स्वास्थ्य विभाग के दरभंगा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल लहेरियासराय में दोबारा अपना योगदान करवाया गया कुछ दिनों बाद फिर उसे उस संविदा के बाद कंफर्म किया गया । संविदा के आधार पर भ्रष्टाचार में लिप्त नीता कुमारी को दोबारा दरभंगा मेडिकल कॉलेज लहेरियासराय में नौकरी मिली जिसकी जानकारी

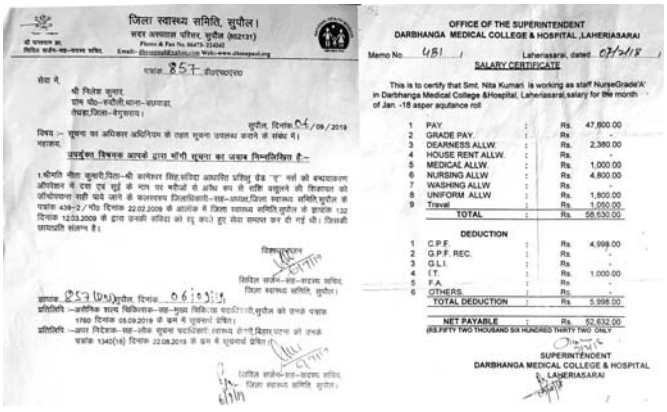

जिला स्वास्थ्य समिति, सुपौल।

OFFICE OF THE SUPERINTENDENT
DARBHANGA MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL ,LAHERIASARAI

Memo No. 481 Laheriasarai, dated 07/2/18

SALARY CERTIFICATE

This is to certify that Smt. Nita Kumari is working as staff NurseGrade'A' in Darbhanga Medical College &Hospital, Laheriasarai,salary for the month of Jan. -18 asper aquitance roll

1	PAY	Rs.	47,600.00
2	GRADE PAY	Rs.	-
3	DEARNESS ALLW.	Rs.	2,380.00
4	HOUSE RENT ALLW.	Rs.	-
5	MEDICAL ALLW	Rs.	1,000.00
6	NURSING ALLW	Rs.	4,800.00
7	WASHING ALLW	Rs.	-
8	UNIFORM ALLW	Rs.	1,800.00
9	Travel	Rs.	1,050.00
	TOTAL	Rs.	58,630.00

DEDUCTION

1	C.P.F.	Rs.	4,998.00
2	G.P.F. REC.	Rs.	-
3	G.L.I.	Rs.	-
4	I.T.	Rs.	1,000.00
5	F.A.	Rs.	-
6	OTHERS	Rs.	-
	TOTAL DEDUCTION	Rs.	5,998.00
	NET PAYABLE	Rs.	52,632.00

(RS.FIFTY TWO THOUSAND SIX HUNDRED THIRTY TWO ONLY

SUPERINTENDENT
DARBHANGA MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
LAHERIASARAI

नहीं का भी मैंने जानकारियां मांगी लेकिन वह जानकारियां मुझे उस मेडिकल कॉलेज से नहीं मिली। बाद में मैंने राज्य स्वास्थ्य सेवाओं को भी आरटीआई लगाकर इसकी जानकारी मांगी फिर भी वह जानकारी बिहार के राज स्वास्थ्य सेवाएं ने मुझे नहीं दी फिर मैंने अपने मेल आईडी से स्वास्थ्य के निदेशक को सभी पेपर के साथ मेल डाला फिर भी कोई कार्यवाही उस पर नहीं हो पाई । पता नहीं चलता कि नीतीश सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं में भ्रष्टाचार मुक्त एवं खोखले दावे जिसको जनता जान नहीं पा रही चाहे वह स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे जी हो या नीतीश कुमार जी हो स्वास्थ विभाग में जितने भी भ्रष्टाचारी का अड्डा बिहार स्वास्थ्य सेवाएं से लेकर जिला के हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज तक बना हुआ है इस प्रकार का खोखले दावे को चुनाव के नजदीक रहते हुए भी बिहार के मुख्यमंत्री माननीय नीतीश जी को खासकर उस विभाग के कर्णधार श्री मंगल पांडे जी को अभी भी ध्यान देना चाहिए जो इस प्रकार की भ्रष्टाचारियों के लिए चाहे वह संलिप्त स्वास्थ्य निदेशक क्यों ना हो या फिर दरभंगा मेडिकल कॉलेज के सुपरिटेंडेंट क्यों ना हो या फिर नीता कुमारी ग्रेड। नर्स क्यों ना हो चाहे वह सुपौल के सिविल सर्जन क्यों ना हो करवाई करनी चाहिए या नहीं यह प्रश्न चिन्ह है? ●

उन्होंने शपथ पत्र में नहीं दी कि मुझे इसके पहले सुपौल में भ्रष्टाचार के आरोप में मेरी संविदा को रद्द कर मेरी सेवा समाप्त की गई थी मैंने इस आलोक में 20/06/19 को सूचना के अधिकार के तहत दरभंगा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल लहेरियासराय को नीता कुमारी पिता श्री कामेश्वर सिंह की उपस्थिति पंजीयन से कुछ नीता कुमारी की उपस्थिति की जानकारियां मांगी एवं साथ ही शपथ पत्र में उन्होंने सुपौल का जिक्र किया या

एक ही परिवार के तीन लोगों को पड़ोसी ने मारी गोली

● निलेश कुमार

साहेबपुर कमाल थाना अंतर्गत बेगूसराय में सब्दलपुर गांव की मामूली विवाद में बगल के पड़ोसी ही पिता एवं पुत्र सहित भतीजा को गोली मार दिया जिससे भतीजा की गोली लगने से मौत वही हो गई। वही पिता और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। पिता एवं पुत्र का इलाज एक निजी नर्सिंग होम में चल रहा है एक की स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के सब्दलपुर गांव की है मृतक युवक की पहचान राजेंद्र यादव के पुत्र पशुपति यादव के रूप में की गई है! वहीं घायल पिता-पुत्र की पहचान झाको यादव एवं रूपेश यादव के रूप में की गई है। बताया जाता है कि बीती रात होली खेलने के बाद रूपेश ज्यादा बगल के ही विकास यादव के पास उसके दुकान से कुछ सामान खरीदने के लिए गया था। विकास एवं रुपेश के साथ कुछ कहासुनी हुई कहासुनी होने के बाद वहां से रूपेश यादव अपने

घर कहने के लिए आया कि मेरे साथ विकास के द्वारा मारपीट की गई !जब घरवालों ने कहने के लिए गया तो विकास से तो बात तो बात में इतना भयंकर बात बन गई उसी से नाराज होकर विकास ने पिस्टल निकालकर पिता पुत्र एवं भतीजा को गोली मार दिया। जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में तीनों को उठाकर इलाज के लिए लाया जा रहा था,उसी दरमियान रास्ते में ही पशुपति जादव की मौत हो गई। वहीं पिता पुत्र को किसी तरह लोगों ने सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया जहां पुत्र की स्थिति नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया। वही पिता का इलाज सदर अस्पताल बेगूसराय में चल रहा है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। फिलहाल साहेबपुर कमाल के थाने के पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है। वहीं इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। ●

अपहरण एवं हत्याकाण्ड का खुलासा

● निलेश कुमार

यूं तो आपहरण के लिए बेगूसराय बिहार का चर्चित जिले में सदियों से शुमार है चाहे बेगूसराय का एसपी हो या कोई थाना प्रभारी हो या अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हो चुनौतियों की तो सामना बेगूसराय में करना ही पड़ेगा चाहे वह बेगूसराय में चर्चित रोशन अपहरण हत्याकांड क्यों ना हो? बेगूसराय पुलिस ने महज 48 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया। घटना 29 फरवरी को करीब 4:00 बजे की है रोशन कुमार पिता दिनेश सिंह छित्नौर निवासी मटिहानी थाना बेगूसराय जो कि हेमरा भारद्वाज नगर में रहा करते थे रोशन कुमार को तीन अपहरणकर्ताओं ने एक अपाचे बाइक से ले गया अगले दिन तक रोशन का कोई अता पता नहीं चला रोशन की मां बेबी देवी को जानकारी मिलने पर दिनांक 1मार्च 20 को देर रात्रि 4 नामजद के विरुद्ध मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 113/20 उक्त रोशन कुमार के अपहरण का मामला दर्ज कराया गया !!कांड दर्ज होते ही पुलिस अधीक्षक श्री अवकाश कुमार के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर राजन सिन्हा के नेतृत्व में साथ ही पुलिस निरीक्षक थाना अध्यक्ष श्री राजवेंदू जी के साथ सहायक और निरीक्षक विनय सिंह अनुसंधानकर्ता एवं अन्य पदाधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ एक टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए 2 मार्च को उक्त रोशन कुमार के शव को हेमरा के बहियार से बरामद कर लिया गया! रोशन के शव कि बरामद होते ही बेगूसराय पुलिस ने यह पुष्टि की कि घटना के दिन ही

अभियुक्तों द्वारा रोशन की हत्या करीब शाम 5:00 बजे कर दी गई थी अनुसंधान के क्रम में घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल काले रंग का BR09G 7178 का उपयोग किया गया था मोटरसाइकिल के मालिक रूपेश कुमार को गिरफ्तार किया गया तथा उनके निशानदेही के आधार पर घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल को बलिया थाना अंतर्गत गोखलेनगर बिशनपुर के अभियुक्त रूपेश कुमार के घर के पास से अभियुक्त बिहारी सिंह पेसर बम बम सिंह सकीम हेमरा को गिरफ्तार किया गया जो घटना में शामिल रह कर घटना करने की बात स्वीकार किया साथ हि तीन देसी कट्टा एवं 12 राउंड गोली पुलिस ने बरामद की घटना करने के बाद मृत्युंजय कुमार नामक अपने दोस्त को अन्य शामिल अभियुक्तों के साथ जानकारी देने की बात कबूली जिसके आधार पर तीनों देसी कट्टा 12 राउंड गोली के साथ मृत्युंजय कुमार को धर दबोचा गया इस संदर्भ में मुफस्सिल कांड संख्या 117/20 दिनांक 3मार्च को दर्ज किया गया तथा तीनों अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया ! इस प्रकार इस कांड का उद्भेदन चुनौतीपूर्ण रहते हुए भी बेगूसराय पुलिस के कप्तान श्री अवकाश जी के द्वारा गठित टीम नेतृत्व करता सदर एसडीपीओ राजन सिन्हा के नेतृत्व में मुफस्सिल थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजवेंदू जी ने चुनौती स्वीकार की और साथ ही सफलता हासिल की!

इस गिरफ्तारी के बाद बेगूसराय एसपी अवकाश कुमार ने बताया कि इस अपराध में शामिल अन्य अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापामारी चल रही है और बहुत जल्द उन लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ●

पुलिस ने किया लूटकांड का उद्भेदन

● निलेश कुमार

बेगूसराय पुलिस की बड़ी कार्रवाई के साथ कामयाबी बता दें कि 24 फरवरी की शाम लगभग 5:30 बजे बछवारा थाना अंतर्गत ग्राम झमटीया के सामने एनएच 28 पर दो सी0एस0पी0 संचालक को हथियार का भय दिखाकर उनसे 49,0000रुपया दो मोटरसाइकिल पर सवार चार अज्ञात अपराधियों के द्वारा लूट का मामला सामने आया था। इस मामले में 25 फरवरी को बछवारा थाना कांड संख्या 33/20 भा द वि 392 के तहत केस दर्ज किया गया था! इस मामले में बेगूसराय एसपी अवकाश कुमार ने जबरदस्त एक्शन लेते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामदगी एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एस0डी0पी0ओ0 तेघरा आशीष आनंद के नेतृत्व में बेगुसराय पुलिस की टीम के साथ ही बछ्वारा थाना प्रभारी परशुराम सिंह एवं तेघड़ा थाना प्रभारी हिमांशु कुमार के साथ चितावल के सहयोग से खुफिया सूत्र के अनुसार एवं वैज्ञानिक तरीके से खोजबीन करते हुए मामले का उद्भेदन कर डाला। साथ ही इस

टीम के तेघरा थाना प्रभारी बछवारा थाना प्रभारी रिफाइनरी ओपी के पुलिस अधिकारी सहित चितावल का एक विशेष छापामारी दल लगातार छापामारी में व्यस्त रही। जिसके फलस्वरूप कांड का उद्भेदन करते हुए लूटे गए रुपए लूट करने वाले अभियुक्त को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधी का नाम पता सहित तेघरा थाना क्षेत्र के दनियालपुर निवासी रामप्रवेश ताती का बेटा दीपक कुमार, मसैंती निवासी उदय शर्मा का बेटा कृष्ण कुमार उर्फ कुणाल, बछवारा थाना के रूपस वाज निवासी चंद्रदेव सिंह का बेटा रूपक कुमार, और समस्तीपुर जिले के मुफस्सिल थाना अंतर्गत धनी राय का बेटा दौरी राय,पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस के द्वारा लूटा गया रुपैया 2,40,000 चार मोबाइल फोन 3 देसी कट्टा जिंदा पांच कारतूस लूट के पैसे से खरीदी गई टीवी घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि बेगूसराय पुलिस के एक्शन से इन दिनों अपराधियों में खौफ का माहौल व्याप्त हो गया है।●

अनावश्यक पानी और बिजली की खपत को रोके : डी.एम.

● निलेश कुमार

अनावश्यक पानी की बर्बादी और बिजली के बल्ब को जलते हुए छोड़ देने के कारण दोनों की बर्बादी होती है इसे रोकने का काम आप लोग मिलकर करें। सार्वजनिक स्थानों में जैसे सड़क के बगल में पॉल पर जल रहे बिजली के बल्ब रेलवे स्टेशन पर चल रहे अनावश्यक बिजली के पंखे की स्विच को बंद कर इसकी खपत को कम करें। यह बातें मंगलवार को डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने कारगिल विजय सभागार भवन में जल जीवन हरियाली से संबंधित अभियान को लेकर अपने अधिकारियों और कर्मियों के साथ बैठक में कही। डीएम ने कहा कि प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह को लेकर अब हर मंगलवार को जल जीवन हरियाली अभियान की जागरूकता को लेकर जिला स्तरीय सभी

पदाधिकारी और कर्मियों के साथ बैठक की जाएगी। उन्होंने हर लोगों से अपील किया कि आप बिजली की जगह पर सौर ऊर्जा का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने कहा कि हरे वृक्ष को नहीं काट कर अधिक से अधिक पर्यावरण को बचाने के लिए हरे पौधे को लगावे वृक्ष अगर सूख जाते हैं तो उस स्थिति में काटने के बाद एक वृक्ष के बदले में कम से कम पांच हरे पौधों को लगावे। डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि बरसात के पानी का जल संग्रह करने के लिए सोफट बनावे। अपनी फसल की सिंचाई भी सीमित पानी से करें। किसान अपनी फसल में रासायनिक खाद के बदले में जैविक खाद का उपयोग करें। इस अवसर पर प्रभारी डीआरडीए के निदेशक मंजू प्रसाद डीएम कार्यालय सामान्य शाखा के वरीय उप समाहर्ता सुनंदा कुमारी विधि शाखा के पंकज कुमार स्थापना शाखा के संदीप कुमार उप निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार आईसीडीएस डीपीओ रचना सिन्हा प्रभारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी भुवन कुमार समेत जिला स्तरीय कई अन्य पदाधिकारी व कर्मी भी बैठक में उपस्थित थे। ●

सिपाही को प्रशस्ती पत्र देकर एसपी ने किया सम्मानित

एसपी अवकाश कुमार ने शनिवार को एक वैसे सिपाही को प्रशस्ति पत्र और

रू 5000 का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जिसने अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी ईमानदारी एवं कड़ी मेहनत कर गरहरा ओपी थाना क्षेत्र में सोना लूट कांड में संलिप्त सभी अपराधियों की गिरफ्तारी करने में पूरी मेहनत किया था। इसके अलावा मटिहानी थाना क्षेत्र में सूचना संग्रह कर भारी मात्रा में अवैध शराब की बरामदगी करने में भी पूरा सहयोग दिया था। वैसे ही इमानदार सिपाही अमन कुमार जो वर्तमान में सदर डीएसपी राजन सिन्हा के अंगरक्षक में प्रतिनियुक्त हैं। उसे एसपी अवकाश कुमार ने एसपी कार्यालय कक्ष में अपने कर कमलों से प्रशस्ति पत्र और नगद रू 5000 का पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किए, सिपाही का हौसला बढ़ाया इस मौके पर एसपी अवकाश कुमार ने कहा कि ऐसे साहसिक और पूरे ईमानदार सिपाही के ऊपर पूरे पुलिस विभाग आज गर्व महसूस कर रहा है, जिसने अपनी पूरी ईमानदारी और कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सोना लूट कांड में अपराधियों की गिरफ्तारी करने अवैध शराब की बरामदगी करने के अलावे सदर अनुमंडल के विभिन्न थानों में वर्ष 2019-20 में घटित लूट कांड एवं हत्या की घटनाओं में अपराधियों की गिरफ्तारी करने में अपना योगदान दिया है, ऐसे पुलिस को मिली सफलता के कारण आज आम लोगों में पुलिस के प्रति श्रद्धा और विश्वास का भाव काफी बढ़ा है। भविष्य में ऐसे काम करने वाले अन्य पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर नगर थाना अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार झा भी उपस्थित थे। ● **रिपोर्ट :- निलेश कुमार**

एसपी अवकाश कुमार ने लिया कुसमहौत गांव को गोद

22 फरवरी शनिवार को बेगूसराय के एसपी अवकाश कुमार ने नीमा चांदपुरा थाना क्षेत्र के कुसमहौत गांव को गोद लिया। इस अवसर पर एसपी अवकाश कुमार के नेतृत्व में गांव में साफ सफाई अभियान भी चलाया गया पहले जिस तरह से यह नक्सल क्षेत्र माना जाता था लेकिन बीते सालों में जिस प्रकार से गांव के लोग मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं यह सुखद है अगर अभी भी कोई आदमी अपराध जगत के दलदल में फंसे हैं तो वह मुख्यधारा में आकर जुड़े यह बातें एसपी अवकाश कुमार ने कही साथ ही उन्होंने शराबबंदी की जागरूकता को लेकर कहा कि यदि कोई भी शराब पीकर हंगामा करता है आप लोग इस बात की सूचना नजदीकी थाना को दें जिससे शराबी को पकड़ा जा सके इस मौके पर उन्होंने विद्यालय के बच्चों के बीच टॉफिया भी बांटी मौके पर जनप्रतिनिधियों पुलिस पदाधिकारियों के साथ-साथ सैकड़ों ग्रामीण भी मौजूद थे, और साथ ही इस क्षेत्र में एसपी अवकाश कुमार की बहुत ही सराहना की गई। ● **रिपोर्ट :- निलेश कुमार**

दो दिवसीय भक्ति सह सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रोताओं ने जमकर उठाया लुफ्त

● अब्दुल कय्युम

प्रखंड के बेलावड़ी शिव मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के मौके दो दिवसीय भक्ति सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन गुरुवार की रात्रि वरीय उप समाहर्ता शम्भू प्रसाद, भाजपा नेता अजय झा,बीडीओ अविनाश झा, जदयू नेता मुर्शिद आलम, प्रमुख प्रतिनिधि रंजीत यादव, पूर्व प्रमुख सदानंद यादव व भाजपा नेता प्रेम मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भोजपुरी गायिका देवी द्वारा गए गणपति बाबा मोरिया..... भक्ति गीत से हुआ। इस के बाद देवी द्वारा गाये भोजपुरी गीतों पर श्रोताओ ने जमकर ताली बजाई। इस के बाद पार्श्व भोजपुरी गायिका अक्षरा सिंह ने जैसन सोचलि मोर प्यावा वेसन मिल्ली मौर प्यावा साजित कई भोजपुरी गीतों पर श्रोताओ ने जम कर लुत्फ उठाया। इस के अलावे समूह गान, रिकॉर्डिंग डांस आदि गायनो पर श्रोताओ ने जम कर ताली बजाई। समापन समारोह को संबोधित करते हुए युवा नेता रंजीत यादव ने बताया कि हर वर्षो की भांति इस वर्ष भी भक्ति जागरण सह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में भोजपुरी की मशहूर गायिका देवी व नायिका अक्षरा सिंह के कार्यक्रम का आनंद उठाये। उन्होंने कहा की कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये स्थानिय प्रशासन व मंदिर कमेटी के सदस्यों आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में शिव मंदिर कमेटी के सदस्य काशीनाथ विश्वास, डॉ हरिहर यादव, दिलीप विश्वास, बद्री नारायण यादव, जालेश्वर मंडल, मनोज विश्वास, हरि प्रसाद यादव, उमेश यादव, संजय यादव, नरेश यादव, महेंद्र यादव आदि की भूमिका सराहनीय रही। ●

साढ़े बारह करोड़ की लागत से बनेगी दो पुलिया

● अब्दुल कय्युम

सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने अररिया जिला के विभिन्न प्रखंडों में दर्जनों पुल पुलिया के शिलान्यास कर अररिया के विकास की गति को नया आयाम दिए। इसी कड़ी में वे पलासी पहुँच कर करीब 12 करोड़ 51 लाख की लागत से दो पुलिया के शिलान्यास किया। प्रखंड के रतवा नदी पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नकटा कला गांव के समीप 11 करोड़ 26 लाख 67 हजार की लागत से 196.20 मीटर आरसीसी पुलिया तथा सोहंदर से कुजरी पथ पर संथाली चौक के समीप 1करोड़ 25 लाख की लागत से पुलिया के शिलान्यास किया। सांसाद प्रदीप कुमार सिंह ने बेलवाड़ी शिवालय के प्रांगण में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वे पलासी वासियो का ऋणी है, यहां के लोगो ने अपार मत देकर उन्हें दोबारा सांसाद बनाया। उन्होंने कहा कि अररिया बाढ़ प्रभावित जिला है। जिस की आवाज वे संसद में उठाया हैं। वे क्षेत्र की विकास के

लिये हमेशा संसद में आवाज बुलंद करने का काम किया हैं। जिस का फल उन्हें दिखाई दे रहा हैं। आज पूरे लोक सभा क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की प्रसंसा करते हुए कहा कि आज डबल इंजन की सरकार में चारों औ विकास दिख रहा है। उन्होंने पीएम मोदी की प्रसंशा करते हुए कहा कि आज मोदी है तो सब मुमकिन हैं। केंद्र सरकार ने गरीबो के लिये किसान सम्मान योजना, मातृत्व वंदना योजना, आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीबो को पांच लाख का इलाज मुफ्त सहित कई योजना चल रही हैं। सांसाद श्री सिंह ने कहा कि उनके अथक प्रयास से पॉलीटैक्निक कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, इंजिनीरिंग कॉलेज की स्थापना की जा रही हैं। मौके पर युवा नेता रंजीत यादव ने कहा की उक्त पुलिया बनने से पलासी व किशनगंज जिला का सीधा संपर्क होगा। इस क्रम में पूर्व जदयू प्रत्यादी मुर्शिद आलम, भाजपा नेता बी के झा, काशीनाथ विश्वास, डॉ हरिहर यादव, आदि ने भी सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर इमरान अजीम जुबेर आलम, मोहम्मद अकलाख, बबुआ लाल सरदार, जागेश्वर ठाकुर, रामानंद साह, आदि मौजूद थे। ●

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला पुलिसकर्मी हुए सम्मानित

● अब्दुल कय्युम

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर 08 मार्च को जिला मुख्यालय में पुलिस प्रशासन की तरफ से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीएम प्रशांत कुमार सीइच ने कहा कि आज नारी हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं। नारियों के भीतर असीम क्षमताएं विधमान हैं। वही एसपी धुरत सायली ने कहा कि इस सदी की महिलाएँ कामयाबी की शिखर छू रही है। इस अवसर पर डीएम ने एसपी को बुके व शॉल देकर सम्मानित किए। समारोह में एसपी ने 25 महिलाओं सहित 78 पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य करने के लिये प्रशस्ति पत्र देकर सभी पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाते हुए सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न खेलो से जुड़ी बालिकाओ को भी सम्मानित किया गया। वही तेरापंथ की महिला मंडल ने एसडीओ रोजी कुमारी को सम्मानित किया। एसपी के हाथों सम्मानित होने वाले पुलिस कर्मियों में अररिया नगर थाना के एसएचओ किंग कुंदन, पलासी एसएचओ ओम प्रकाश, सहायक थानेदार संजय कुमार, कुलेश्वर यादव, जोकीहाट एसएचओ विकास कुमार, महिला थानेदार रीता कुमारी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। ●

चयनित सेविका व सहायिका को मिला चयन पत्र

सीडीपीओ कार्यालय में पांच मार्च को सेविका सहायिका बहाली को लेकर विशेष आम सभा आयोजित की गई। विशेष आम सभा की अध्यक्षता एसडीसी सह वरीय पदाधिकारी संजय कुमार ने की। आम सभा में अररिया नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नं.19 में सेविका पद पर तकल्लुम, बटूरबाड़ी पंचायत के वार्ड नं. 08 में सेविका पद पर लता कुमारी, पेक्टोला वार्ड नं.7 पे सेविका पद पर कविता कुमारी व सहायिका पद पर बबिता देवी, चिकनी पंचायत के वार्ड नं एक में सहायिका पद पर बीबी इफत आरा, बेलवा वार्ड नं.13 मे सहायिका पद पर सायरा का चयन किया गया। चयन के बाद सभी चयनित सेविका व सहायिका को वरीय पदाधिकारी संजय कुमार ,सीडीपीओ तनुजा साह, एलएस चंद्रम कुमारी, एलएस परमजीत आदि मौजूद थे। **रिपोर्ट :- अब्दुल कय्युम**

रूपा बनी पकरी वार्ड छः की सेविका

अररिया जिला के पलासी प्रखंड मुख्यालय स्थित बाल विकास कार्यालय में 18 फरवरी को सेविका व सहायिका की बहाली को लेकर विशेष आम सभा का आयोजन किया गया। विशेष आम सभा की अध्यक्षता वरीय उप समाहर्ता शम्भू प्रसाद ने की। विशेष आम सभा पकरी वार्ड छह की सेविका पद पर रूपा कुमारी, राम नगर वार्ड नं. 13 से सेविका पद पर शमसिदा खातून, चहटपुर वार्ड छह में सेविका पद पर साबरिन सुलताना, नकटा खुर्द वार्ड 14 में सहायायिका पद पर सत्या कुमारी, कनखुडिया वार्ड 02 में सहायिका पद पर राज मिला देवी का चयन किया गया। इस अवसर पर डीपीओ राहुल कुमार मिश्र, बीडीओ अविनाश झा, एलएस रेखा कुमारी, नविता कुमारी, ज्योति प्रभा, रेणु कुमारी मौजूद थी। **रिपोर्ट :- अब्दुल कय्युम**

ठाकुरगंज में चढ़ने लगा चुनावी खुमार

● सुमित राज यादव

बिहार में होने वाली आगमी विधानसभा चुनाव 2020 को लेकर नेताओ के क्षेत्र दौरे से सियासत गरमाने लगी है। ठाकुरगंज विधानसभा में चुनावी खुमार इनदिनों सर चढ़ कर बोल रहा है। दिल्ली में बीते दिनों हुए चुनाव के बाद अब पूरे देश की निगाहें बिहार के विधानसभा चुनाव पर जा टिकी हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण से एक अहम राज्य होने के नाते लगभग सभी सियासी दल अभी से तैयारी में जुट गए हैं। होली से पहले ही कई नेताओं का दौरा इलाके में विभिन्न रैली के माध्यम हो गया और अभी भी जारी है। लेकिन, अब आगामी विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी घोषित कर ग्रामीण इलाकों का यात्राओं का दौर शुरू हो चुका है। सत्तारूढ़ बीजेपी, जद (यू) और लोजपा हो या फिर विपक्ष में बैठी आरजेडी, कांग्रेस, रालोसपा और जीतन राम मांझी की पार्टी हम, से जुड़े कार्यकर्ता नेता और जुड़े मतदाता हर कोई सियासी गुणा-भाग करने लगी है। स्थानीय स्तर पर बीजेपी, जेडीयू और कांग्रेस में इसको लेकर बैठकों का दौर शुरू हो चुका है। हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल-जीवन-हरियाली अभियान को लेकर बिहार के विभिन्न हिस्सों की यात्रा पर निकले थे। जिसमें ठाकुरगंज विधानसभा का दौरा आगामी चुनाव के मद्देनजर काफी अहम माना जा रहा है।

वर्तमान ठाकुरगंज विधायक नौशाद आलम, ठाकुरगंज विधानसभा से विधायक रहे पूर्व विधायक ठाकुरगंज गोपाल कुमार अग्रवाल, जिला परिषद सदस्या किशनगंज धनोमाता देवी के पुत्र देवरत गणेश इन दिनों अपने सोसल मीडिया साइड के फेसबुक पेज पर अपनी क्षेत्र दौरे के तस्वीरें रोज अपने समर्थकों के साथ साझा कर रहें है। पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल जहां अपने समर्थकों के साथ बताते है तो विधायक नौशाद आलम क्षेत्र भ्रमण की बात कहते है। वहीं, पहली बार चुनावी मैदान में उतरे युवा प्रत्याशी घोषित कर देवव्रत गणेश युवाओं के बीच जाकर अपनी पैठ बनाने में जुटे है। तो अपने समुदाय के लोंगो के बीच दिखाई दे रहे हैं। वहीं, ठाकुरगंज विधानसभा में जिला परिषद सदस्या के रूप में पत्नी स्वीटी सिंह के क्षेत्र से ठाकुरगंज के पूर्व विधायक रहे सिकंदर सिंह की पर्दे के पीछे की राजनीति ठाकुरगंज विधानसभा में दिखने लगी हैं। वहीं, एमआईएम के कार्यकर्ता भी अपने पार्टी को मजबूती प्रदान करने में जुटे है। फिलहाल अन्य प्रत्याशी पर्दे के पीछे अघोषित चुनाव की तैयारी में जुटे है। कई बड़े चेहरे की राजनीति भी छोटे दरवाजे पर दस्तक दे रही है तो कई छोटे छोटे नेताओ का भी बड़े पैमाने पर नेताओ के दरवाजे पर दस्तक देने लगे हैं। ज्यूँ ज्यूँ चुनाव के दिन नजदीक आते जा रहे हैं। नेताओ का फिलहाल ग्रामीण क्षेत्रों में दौरा बढ़ने लगी हैं। कुल 22 पंचायत और एक नगर पंचायत वाली ठाकुरगंज प्रखंड और 16 पंचायत वाली दिघलबैंक प्रखंड में ठाकुरगंज विधानसभा के मतदाताओं के बीच अभी से नेताओ का प्रत्याशी बनकर घूमने से ठाकुरगंज की राजनीति हलचल मची हुई है।●

डी.एम. अरविंद वर्मा ने प्रखंड-अंचल का किया औचक निरीक्षण

बेगूसराय के जिलाधिकारी श्री अरविंद वर्मा ने बीरपुर प्रखंड अंचल कार्यालय सहित वीरपुर पूर्वी पंचायत के वार्ड नंबर तीन एवं चार में जल नल योजना का निरीक्षण किया उन्होंने लगभग 2 घंटे तक प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया वहीं अंचल कार्यालय में तकरीबन 1 घंटे तक प्रमाणपत्रों दाखिल खारिज आदि से संबंधित जांच पड़ताल की! डीएम ने बताया कि प्रखंड कार्यालय की स्थिति काफी दयनीय है कई अभिलेख संधारित नहीं है! जिलाधिकारी ने कहा कि प्रखंड नाजिर को हिदायत दी गई है क्योंकि सभी अभिलेखों को 1 माह के भीतर तय समय से समयावधि में जल्द से जल्द ठीक किया जाए अन्यथा कार्रवाई की जाएगी! इसके बाद वीरपुर पूर्वी पंचायत के वार्ड नंबर तीन एवं चार में नल जल योजनाओं के उपभोक्ताओं के

घर-घर जाकर निरीक्षण किया उन्होंने मौके पर एसडीएम संजीव चौधरी वीडियो अखिलेश कुमार सीओ नवीन कुमार चौधरी आईसीडीएस डीपीओ रचना सिन्हा थानाध्यक्ष विनय प्रसाद सिंह सुजीत कुमार समेत अन्य मौजूद रहे! **रिपोर्ट :- निलेश कुमार**

पुलिस-पब्लिक की भागीदारी के साथ जिले में बिहार पुलिस सप्ताह हुआ संपन्न

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्णिया में बिहार पुलिस सप्ताह की शुरुआत चांदी गांव से हुई थी। जिलाधिकारी राहुल कुमार और पुलिस कप्तान विशाल शर्मा चांदी गांव पहुंचे और कार्यक्रम की शुरुआत की। पुलिस सप्ताह में जिला मुख्यालय से लेकर सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस-पब्लिक भागीदारी के साथ कार्यक्रम हुए। पुलिस सप्ताह की समाप्ति का मुख्य कार्यक्रम चांदी गांव में हुआ, जहां जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान ने संयुक्त रुप से कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पुलिस सप्ताह में ढेर सारी गतिविधियों को शामिल किया गया था, जिसमें नशामुक्ति, साइबर अपराध को लेकर जागरुकता, साइकिल रैली, रक्तदान शिविर से लेकर जल जीवन हरियाली को ध्यान में रखकर पौधारोपण का कार्यक्रम रखा गया था। पुलिस सप्ताह के शहर से लेकर गांव तक लोगों की भारी संख्या बताती है कि पुलिस और जनता के बीच सुंदर समन्वय है। इसी समन्वय का नतीजा है कि पुलिस जिला मुख्यालय से लेकर प्रत्येक थाना क्षेत्र में पुलिस सप्ताह में एक से बढ़कर एक कार्यक्रम हुए। नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत पुलिस सप्ताह में 28 जागरुकता रैली निकाली गई, वहीं साइबर अपराध को लेकर लोगों को जागरुक करने के लिए 25 स्थानों पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज की सबसे बड़ी कुरीति बाल विवाह के खिलाफ लोगों को जागरुक करने के लिए 25 कार्यक्रम आयोजित हुए। चांदी गांव में आयोजित जनशिकायत शिविर में 11 लोगों ने आवेदन दिया। वहीं पुलिस परामर्श केंद्र में दो आवेदन आए जिसमें एक का निपटारा किया गया। पूर्णिया पुलिस ने युवाओं और बच्चों को ध्यान में रखकर बिहार पुलिस सप्ताह में कई खेल कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें 40 क्रिकेट मैच हुए।इसके अलावा बैडमिंटन के एक मैच, बॉलीवॉल के 3, फुटबॉल 9, कबड्डी 3, सद्भावना दौड 6 और छह जगहों पर साइकिल रैली आयोजित की गई। सबसे लंबी साइकिल रेस पुलिस लाइन से जलालगढ़ सीमा तक हुई, जिसमें पुलिस कप्तान विशाल शर्मा ने हिस्सा लिया।चांदी गांव में आयोजित क्रिकेट और फुटबॉल टूर्नामेंट में आठ-आठ टीमों ने हिस्सा लिया। चांदी गांव में 36 एथलेटिक इवेंट का भी आयोजन हुआ, जिसमें 108 सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस इवेंट में भारी संख्या में हिस्सा लिया था। पुलिस सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए, जिसमें जहां एक ओर लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया वहीं रक्तदान शिविर में 100 यूनिट रक्तदान हुआ। जिला मे कुल सात स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। चांदी गांव में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में 21 लोगों का मुफ्त में इलाज किया गया। इसके अलावा एक स्थान पर योगाभ्यास शिविर भी आयोजित किया गया। जूनियर और सिनियर बच्चों को लिए वाद विवाद, क्विज, तीन फिल्म प्रदर्शन और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिला में चित्रकला के 30, वाद विवाद के 3 और एक क्विज की प्रतियोगिता आयोजित की गई। लोगों को जागरुक करने के लिए पूर्णिया पुलिस ने विभिन्न जगहों को 12 नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। चांदी गांव मे कॉपी, किताब, कलम, पेंसिल आदि बांटे गए।यातायात जागरुकता को ध्यान में रखकर 35 कार्यक्रम हुए वहीं इस महत्वपूर्ण विषय के प्रचार प्रसार के लिए सात हजार हैंडबील बांटे गए। इसके साथ ही 55 हैलमेट भी बांटे गए। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पांच कार्यक्रम हुए और शाम की पाठशाला के साथ मिलकर सात जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। शाम की पाठशाला ने आयकर गोलंबर महादलित टोला, कुष्ठ कॉलोनी, माधोपारा मदरसा, माधोपारा आदिवासी समुदाय के बीच, जनता चौक, पूर्णिया इंजीनियरिंग कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किए। पूर्णिया पुलिस ने बिहार पुलिस सप्ताह में एक मोटर साइकिल रैली भी निकाली।

पूर्णिया पुलिस पर्यावरण मुद्दे को लेकर सबसे अधिक गंभीर है। यही वजह है कि पुलिस सप्ताह में वृक्षारोपण कार्यक्रम को जिला से लेकर सभी थाना क्षेत्रों में शामिल किया गया। पुलिस सप्ताह में कुल 672 पौधा रोपण किया गया। बिहार पुलिस सप्ताह में पूर्णिया पुलिस ने पब्लिक के सहयोग से सभी गतिविधियों को एक नए रुप में सामने लाया। इसमें जनता की भागिदारी सबसे अधिक रही। पुलिस के साथ मैत्री संबंध और सामंजस्य का नायाब उदाहरण पूर्णिया पुलिस ने

बिहार पुलिस सप्ताह में पेश किया।ये सभी गतिविधियां इस बात का उदाहरण है कि पूर्णिया पुलिस जनसहभागिता पर सबसे अधिक भरोसा रखती है।

पूर्णिया बिहार पुलिस सप्ताह के दूसरे दिन पूर्णिया पुलिस ने खेल के जरिए जन सहभागिता का नया रंग पेश किया। जिला मुख्यालय से लेकर सुदूर थाना क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।खेल के साथ योग का भी संगम पुलिस के कार्यक्रम में देखा गया। जिला में प्रमुख खेल पुलिस लाइन और डीएसए ग्राउंड में आयोजित किया गया, जिसका शुभारंभ पुलिस कप्तान विशाल शर्मा ने किया। श्री शर्मा ने कहा कि जनता और पुलिस के बीच मधुर सम्बन्ध का उदाहरण यह खेल प्रतियोगिता है। उन्होंने कहा कि पुलिस और पब्लिक के बीच मैत्री सम्बन्ध है और पुलिस परिवार के सदस्यों का पब्लिक कनेक्ट हमेशा बना रहता है। जिला पुलिस कप्तान श्री विशाल शर्मा ने आयोजकों का धन्यवाद दिया। पुलिस लाइन में कबड्डी मैच का आयोजन हुआ, जिसमें पब्लिक टीम ने जीत दर्ज की। वहीं डीएसए ग्राउंड में क्रिकेट मैच जनता और पुलिस टीम के बीच हुआ, जिसमें पुलिस टीम ने जीत दर्ज की।इसके अलावा जानकी नगर में पुलिस ने

योगाभ्यास का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया।जहां एक तरफ जिला मुख्यालय में क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबाल खेल का आयोजन किया, वहीं धमदाहा, मीरगंज, भवानीपुर, रुपौली, टीकापट्टी, बड़हरा, रघुवंशनगर, अकबरपुर, मोहनपुर ओपी, बलिया ओपी, सदर थाना, सहायक खजांची थाना, जलालगढ़, श्रीनगर ओपी, चमपानगर ओपी, कसबा थाना, के नगर थाना, मधुबनी टीओपी, मुफ्फसिल थाना, मरंगा थाना, बायसी थाना, डगरूआ थाना, अमौर थाना, रौटा थाना, अनगढ़ थाना, बनमनखी, जानकी नगर थाना और सरसी थाना क्षेत्रों में भी क्रिकेट और अन्य खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें जनता-पुलिस के बीच मैत्री मैच हुए। ●

डकैती की घटना से थर्राया शहर

● धर्मेन्द्र सिंह

फारबिसगंज बेखौफ हथियारबंद अपराधियों ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के शाखा प्रबंधक के आवास में घुस भीषण डकैती की घटना को अंजाम दिया है। घटना के सम्बंध में पीड़ित परिजनों के मुताबिक सशस्त्र डकैतों ने शनिवार की देर रात शाखा प्रबंधक को एक कमरे में बंधक बनाकर हथियार की नोक पर करीब 82 हजार रुपये नगद सहित करीब 4 लाख से ज्यादा मूल्य के गहने और 3 मोबाइल लूट कर चलते बने। घटना की सूचना पर फारबिसगंज डीएसपी मनोज कुमार, थानाध्यक्ष कौशल कुमार दल बल पहुंचकर मामले की जानकारी ली और अपराधियों की धर-पकड़ में जुट गए हैं। पीड़ित बैंक प्रबंधक का नाम धीरेंद्र कुमार यादव बताया जाता है जो कटिहार के दौलतपुर राम चौक स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के शाखा प्रबंधक पद पर आसीन हैं। स्थानीय जुम्मन चौक पर उनका अपना आवास है। घटना के संबंध में प्रबंधक ने बताया कि करीब 1:30 बजे रात पालतू कुत्ता के भौंकने पर वे और उनके बेटे किशन राज घर का दरवाजा खोलकर बाहर निकले। जैसे ही बाहर निकले कि पूर्व से घात लगाए सशस्त्र अपराधियों ने उन लोगों को कब्जे में ले

लिया और बाद में उसकी पत्नी शशि रंजन को कमरे में बंधक बना लिया और हथियार की नोंक पर सारे गोदरेज एवं लॉकर खोल के करीब 82 हजार नगद, 5 भरी से ज्यादा सोने के जेवरात, कुछ कपड़े एवं 3 मोबाइल लूट लिए। इस दौरान अपराधियों ने गृह स्वामी एवं उनके परिजनों के साथ मारपीट भी की। पीड़ित ने बताया कि सात से आठ सशस्त्र अपराधी उनके घर में घुसे थे और घर से बाहर कितने अपराधी थे इसकी जानकारी उन लोगों को नहीं मिल पाई।बताया जाता है कि डकैती के दौरान ही घटना की सूचना फारबिसगंज डीएसपी सहित थानाध्यक्ष को मिल गई मगर पुलिस के पहुंचने से पहले ही सभी अपराधी फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ितों के निशानदेही पर अपराधियों की ध रपकड़ के लिए कई स्थानों पर छापामारी की। बता दें 4 दिन पूर्व सहवाजपुर की पूर्व मुखिया सरिता देवी के घर भीषण डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था। दोनों ही घटनास्थल महज 03 किलोमीटर के फासले पर है। 03 किलोमीटर के फासले में महज 4 दिनों के अंदर दूसरी डकैती की घटना से पुलिस भी परेशान दिख रही है। इधर मामले की पुष्टि करते हुए डीएसपी मनोज कुमार ने कहा कि घटना की सूचना पर पुलिस समय गवाएं बगैर घटनास्थल पर पहुंची मगर तब तक सभी अपराधी फरार हो गए थे। पुलिस मामले की तफ्तीश में लगी हुई है। पुलिस हर हाल में इस घटना का उद्भेदन करते हुए अपराधियों की गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। ●

पुलिस सप्ताह पर क्रिकेट का आयोजन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज बिहार पुलिस सप्ताह 2020 के आज के प्रोग्राम में दिनांक 23.02.2020 रविवार को किशनगंज के रुईधासा मैदान में पब्लिक एलेवन एवं पुलिस एलेवन के बीच क्रिकेट मैच खेला गया है जिसमें पुलिस टीम के कैप्टन किशनगंज पुलिस कप्तान कुमार आशीष और दुसरे टीम के कैप्टन कोचाधामन के लोकप्रिय विधायक मास्टर मुजाहिद आलम रहें। दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ जिसमें किशनगंज पुलिस की टीम ने 8 विकेट से जीत हासिल की। पब्लिक एकादश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में कुल 88 रन बनाए। जवाब में किशनगंज पुलिस टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट के नुकसान पर 11वें ओवर में ही जीत हासिल कर ली। टीम के कैप्टन कुमार आशीष ने पहले ओवर में आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 03 छक्के लगाए, अगले ओवर में एसपी के साथ सलामी बल्लेबाज के तौर उतरे एडीएम किशनगंज ब्रजेश कुमार ने 03 लगातार चौके जड़ कर पुलिस टीम की विस्फोटक शुरुआत कर दी।फिर लक्ष्य 89 रन तक पहुंचना एक औपचारिकता भर रह गयी जिसे किशनगंज सदर थानाध्यक्ष राजेश तिवारी और कॉन्स्टेबल राहुल कुमार ने बखूबी निभाया। राहुल कुमार ने 48 रन कि पारी खेली जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के लिए चयनित किया गया। जिला पुलिस कप्तान ने उनकी टीम को जीत की हार्दिक शुभकामनाएँ दी है।मौके पर बहादुरगंज के माननीय विधायक तौसीफ आलम भी मौजूद रहे। सभी उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने पुलिस कप्तान को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी और पूरे जिले में इस कार्यक्रम को चलाने का अनुरोध भी किया। इसपर पुलिस कप्तान श्री आशीष ने बताया कि पुलिस दवाई गोद लिए गए कोल्हा गांव में वॉलीबॉल मैच है तथा इसके साथ आज सभी थानाध्यक्ष अपने क्षेत्रों में आम जनता के साथ क्रिकेट, फुटबॉल या वॉलीबॉल मैच खेल रहे है और आपसी सहयोग तथा सद्भाव के वातावरण का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर कोच अजय कुमार झा, सार्जेंट मेजर सुनील पासवान, अंचल निरीक्षक इरशाद आलम, विधि व्यस्था प्रभारी श्याम किशोर यादव, विधि प्रभारी मनीष कुमार-आसिफ बेग तथा त्रिलोक जैन, युगल किशोर तोषनीवाल, शंकर माहेश्वरी, मनीष जालान, सुनील दफ्तरी, शिशिर दास, परवेज आलम गुड्डू, कलीमुद्दीन, संजय जैन, मिकी सहा, विभिन्न पत्रकारों समेत शहर के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। ●

समाहरणालय व स्वास्थ्य विभाग में फर्जी बहाली के विरुद्ध मामला दर्ज

किशनगंज समाहरणालय व स्वास्थ्य विभाग में फर्जी बहाली मामले में 68 कर्मियों के अलावा अन्य कर्मियों के विरूद्ध भी दर्ज हो सकती है प्राथमिकी। फर्जी बहाली मामले में अनुसंधान के क्रम में सोमवार को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के डीएसपी एसके सरोज जांच के लिए किशनगंज पहुंचे। यहां पहुंचकर डीएम डॉ. आदित्य प्रकाश व सिविल सर्जन डॉ. परशुराम प्रसाद से मिले। चुतर्थ वर्गीय कर्मियों की बहाली के दौरान 24 कर्मियों की बहाली समाहरणालय में हुई थी और 119 कर्मियों की बहाली स्वास्थ्य विभाग के लिए की गई थी। जिले में बहाली 143 कर्मियों के मूल दस्तावेज की मांग निगरानी डीएसपी ने की है। जिसमें सोमवार को स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत 55 कर्मियों के मूल दस्तावेज नाम व पता के साथ मांगा गया है। कर्मचारियों की अवैध बहाली के मामले में कुल 68 के खिलाफ निगरानी थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी गई थी। प्राथमिकी दर्ज किये जाने के बाद निगरानी डीएसपी एसके सरोज के द्वारा कांड का अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। अनुसंधान के क्रम में निगरानी डीसपी को कुछ ऐसे साक्ष्य मिले है जिससे 68 कर्मियों के अलावे अन्य कर्मियों के उपर भी मामला दर्ज किया जा सकता है। अनुसंधान के दौरान दर्ज प्राथमिकी में कई अन्य नाम भी जोड़े जाने की संभावना विभाग द्वारा जतायी गई है। इसे लेकर निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम लगातार साक्ष्य जुटा रही है। निगरानी डीएसपी एसके सरोज ने बताया कि फर्जी बहाली मामले में पूर्व में जो मामला दर्ज किया गया है उसे लेकर साक्ष्य एकत्रित किया जा रहा है। अनुसंधान के दौरान सभी 143 कर्मियों के मूल दस्तावेजों की मांग की गई है। इसके बाद आगे की प्रक्रिया आरंभ की जायेगी। निगरानी डीएसपी के अस्पताल पहुंचते ही कर्मियों के बीच हड़कम्प मचा रहा। कोई भी यह समझ नहीं पा रहा था कि निगरानी का अब अलग कदम क्या होगा। यहां बता दें कि कलेक्ट्रेट में वर्ष 1999 में चुतर्थवर्गीय कर्मचारियों की बहाली के लिए 143 रिक्तियां निकाली गई थी। इनमे पूर्व में 68 कर्मियों की बहाली फर्जी पाई गई थी। इसके बाद वर्ष 2006 में 146 कर्मियों की बहाली हुई थी। इसके बाद अभ्यर्थी उमाशंकर ने पटना हाईकोर्ट में इस बहाली को चुनौती देते हुए वाद दर्ज करवाया था। उस समय अभ्यर्थी उमाशंकर ने यह आरोप लगाया था कि परीक्षा में उसे ज्यादा अंक मिले थे लेकिन कम अंक वाले अभ्यर्थियों का चयन कर लिया गया था। **रिपोर्ट :- धर्मेन्द्र सिंह**

कागजों पर संचालित विद्यालय

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज प्रखंड के चकला पंचायत में एक विद्यालय ऐसा भी है जो अपने स्थापना से सिर्फ और सिर्फ कागजों पर ही चल रहा है, नाम है नव प्राथमिक विद्यालय पुराना मुखिया टोला चकला। उक्त विद्यालय के प्रधान शिक्षक है श्री दीपांकर चौधरी जिनका सेवा कालीन इतिहास काफी दागदार रहा है। वे इस विद्यालय को केवल कागजो पे ही संचालित कर रहे है क्यों कि दो शिक्षकीय विद्यालय में सहायक शिक्षक मो0 समीम अखतर पंचायत नियोजन कार्य मे प्रतिनियुक्त है और प्रधान शिक्षक श्री दीपांकर चौधरी किसी अन्य विद्यालय (प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला चकला) को अनाधिकृत तौर पर प्रभारी की तरह संचालित कर रहे है और इसकी समस्त जानकारी शिक्षा विभाग के विभिन्न पदाधिकारियो को है साथ ही इनका साठ-गांठ विभिन्न कोसंगो के साधन सेवियो से भी है जो इनको वित्तिय लाभ अर्जीत करने में सहयोगी की भूमिका निभाते है।विभिन्न मामलों की लिखित शिकायत पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा भी समय समय पर विभिन्न स्तर पर किये गए है मगर विभागीय सहयोग के कारण श्रीमान दीपांकर चौधरी बच निकलते है। और जो पत्रकार इनका न्यूज छापता/चलाता है उसपर झूठा आरोप और हमला करते है। आपको मालूम हो कि किशनगंज सदर थाना क्षेत्र के लहरा चौक के समीप एक पत्रकार व एक आरटीआई कार्यकर्ता को रास्ते में रूकवाकर मारपीट की गई जिस संबंध में पीड़ित पत्रकार धर्मेंद्र सिंह ने बताया की आदिवासी टोला चकला विद्यालय के दिपांकर चौधरी (शिक्षक), एवं शिक्षिका तइब्बा जबी अफरोज, आदिवासी टोला चकला प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने मिल कर मार-पीट एवं अर्भतापुर्ण व्यवहार किया एवं शिक्षक दीपांकर चौधरी मेरा गला दबा रहा था साथ ही धमकाने लगा की मेरे स्कूल में किसी भी तरह का समाचार बनाने तुम लोग नहीं आओगे आए तो अंजाम बुरा होगा तुम्हें जो पुलिस थाना करना है करो हम सब देख लेगे। वहीं शिक्षिका तइब्बा जबी अफरोज द्वारा झूठा मुकदमा मे फंसाने की ध मकी भी दी।और झूठा केस भी सदर थाने में दर्ज करवा दी है। गौर करे कि दिनांक 21.02.2020 को पत्रकार स्कूल का न्यूज बनाने गया। पत्रकार को प्रधानाध्यापिका को जानकारी देना था जब कि पत्रकार को दीपांकर चौधरी ने स्कूल का जानकारी दिया जबकि दीपंकर चौधरी का वो स्कूल है ही नही।आपको बताते चलेकि जब लहड़ा चौक के निकट कुछ राहगीरों ने झंझट करते देखा तो शिक्षिका और शिक्षक दिपांकर चौधरी अपना बुलेट गाड़ी छोड़ टोटो से फरार हो गया। स्कूल से सटे स्थानीय लोगों की माने तो कुछ पत्रकारों पर न्यूज बनाने को लेकर इस स्कूल के शिक्षक शिक्षिका ने इससे पूर्व भी झंझट एवं धमकी दी है। इस संबंध में स्थानीय सदर थाना के थानाध्यक्ष ने बताया की पीड़ित पत्रकार ने आवेदन दिया है इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या 72/20 दर्ज कर लिया गया कांड की अनुसंधान कर दोषियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। ●

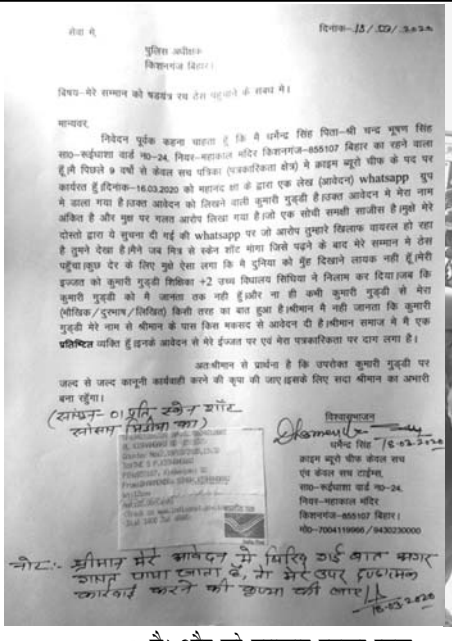

पुलिस अधीक्षक
किशनगंज बिहार।

विषय-मेरे सम्मान को षड़यंत्र रच ठेस पहुंचाने के संबंध में।

माननीय,

निवेदन पूर्वक कहना चाहता हूं कि मै धर्मेन्द्र सिंह पिता-श्री चन्द भूषण सिंह साo-कुर्थाघाड़ा वार्ड नo-24, नियर-महाकाल मंदिर किशनगंज-855107 बिहार का रहने वाला हूं,मै पिछले 9 वर्षो से केवल सच पत्रिका (पत्रकारिकता क्षेत्र) मे ब्राडम भूरो चौक के पद पर कार्यरत हूं दिनांक-16.03.2020 को महानंद सर के द्वारा एक लेख (आवेदन) whatsapp ग्रुप मे डाला गया है इसका आवेदन को लिखने वाली कुमारी गुड़ुडी है इसका आवेदन मे मेरा नाम अंकित है और मुझ पर गलत आरोप लिखा गया है।जो एक सोची समझी साजीस है।मुझे मेरे दोस्तो द्वारा ये सूचना दी गई की whatsapp पर जो आरोप तुम्हारे खिलाफ वायरल हो रहा है तुमने देखा है।मैने जब मित्र से स्क्रेन शॉट मांगा जिसे पढ़ने के बाद मेरे सम्मान मे ठेस पहुंचा।कुछ देर के लिए मुझे ऐसा लगा कि मै दुनिया को मुँह दिखाने लायक नही हूं।मेरी इज्जत को कुमारी गुड़ुडी शिक्षिका +2 उच्च विद्यालय सिपिया ने निलाम कर दिया।जब कि कुमारी गुड़ुडी को मै जानता तक नही हूं।और ना ही कभी कुमारी गुड़ुडी से मेरा (भौतिक/दुरभाष/लिखित) किसी तरह का बात हुआ है।श्रीमान मै नही जानता कि कुमारी गुड़ुडी मेरे नाम से श्रीमान के पास किस मकसद से आवेदन दी है।श्रीमान समाज मे मै एक **प्रतिष्ठित** व्यक्ति हूं इनके आवेदन से मेरे इज्जत पर एवं मेरा पत्रकारिकता पर दाग लगा है।

अतःश्रीमान से प्रार्थना है कि उपरोक्त कुमारी गुड़ुडी पर जल्द से जल्द कानूनी कार्यवाही करने की कृपा की जाए।इसके लिए सदा श्रीमान का आभारी बना रहूंगा।

विश्वासभाजन
धर्मेन्द्र सिंह 15-02-2020
ब्राडम भूरो चौक केवल सच
एवं केवल सच टाईम्स,
साo-कुर्थाघाड़ा वार्ड नo-24,
नियर-महाकाल मंदिर
किशनगंज-855107 बिहार।
मो0-7004119666/9430230000

नोट:- श्रीमान मेरे आवेदन मे लिखि गई बात अगर ज्ञात पाया जाता है, तो मेरे उपर दण्डात्मक कार्यवाई करने की कृपा की जाए।

SAHARA EXPRI
Friday 14.02.2020

صحافی پر حملہ معاملہ

کشن گنج ۱۳ فروری (محمد مظہر الدین) مورخہ ۱۲ فروری ۲۰۲۰ کو وقت ۲۰:۳۵ بجے تقریباً لہرا چوک کے پاس ڈوئٹر چودھری اور اسکے دیگر ساتھیوں میں ایک مسز یس آدی باسی نوایڈ یکلہ پرائمری اسکول کی ہیڈ مسٹریس نے ظلم حملہ اور زیادتی کی۔ ساتھ ۳۵۰ روپے پاکیٹ سے نکال کر جان سے مارنے کی دھمکی دی۔ کسی طرح صحافی کی جان بچی ورنہ جان مارنے کی کوشش تھی۔ مگر ناکام جب ہو گیا جب بھل میں ایک برف فیکٹری سے مزدوروں نے دوڑ کر شور شرابہ کی آواز سنتے ہی دوڑے آئے۔ وہیں چودھری سنگھ کے ساتھ آر ٹی آئی کارکن سید آبد حسین وغیرہ ساکن روی دھماسہ کشن گنج پر بھی حملہ کرنے کی کوشش کی۔ مگر یہ لوگوں بہت اور زیادہ مزدوری کا ثبوت دیتے ہوئے فوری طور کشن گنج ٹاؤن تھانہ پہنچے گئے اور اپنی رپورٹ درج کرائی۔ جبرت انگیز بات تو یہ ہے کہ جائے وقوع پر لوگوں جم غفیر کی وجہ سے بیا گھرا چودھری اپنا بولیرو موٹر سائکل چھوڑ کر بھاگ گئے، کیوں لوگوں نے منع کر دیا گھری پانی سے کرنے والے تھے کہ موٹر چھوڑ کر فرار ہونے کی ماہیت سمجھا۔ اس سلسلہ میں وغیرہ سنگھ نے براہ راست کشن گنج ایس پی کمار آشش کو اسکی اطلاع دی۔ دوسرے ذرائع بہار کے ڈی جی پی گپتیشور پانڈے کو اطلاع کر دی گئی۔ لہذا یہ معاملہ پانی پر فائل کی بن گئی۔

SAHARA EXPRI
Wednesday 12.02.2(

کشن گنج کے میڈیا کارکنوں کے ساتھ نازیبہ حرکت سے اراکین دکھی

کشن گنج ۱۲ فروری (محمد مظہر الدین) کشن گنج کے میڈیا کارکنوں کے ساتھ نازیبہ حرکت سے اراکین دکھی ہیں۔ بتا یا جاتا ہے کہ وغیرہ سنگھ اور اسکے معاون آر ٹی آئی کارکن سید عابد حسین رپورٹنگ کر کے واپس لوٹتے ہوئے لہرا چوک کے نزدیک تقریباً ساڑھے پانچ دن کو دیا گھر چودھری اور لیڈی ٹیچر طیبہ اور افروز پرائمری اسکول آدی باسی نوایڈ یکلہ کے ہیڈ مسٹرس میڈیا کارکنان کو روک کر نازیبہ حرکت انجام دیا۔ اس سلسلہ میں ٹاؤن تھانہ میں ایک رپورٹ درج کرائی گئی ہے۔

गोली काण्ड के आरोपितों ने न्यायालय में किया आत्म-सर्मपण

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज लगातार बढ़ते पुलिसिया दबाव के बाद बहादुरगंज थाना क्षेत्र के बगीचा गांव गोली कांड के फरार आरोपितों ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। बहादुरगंज नगर पंचायत के वार्ड संख्या 15 एलआरपी निवासी मो. शादाब और मो. मुकर्रम के आत्मसमर्पण करने के बाद बहादुरगंज थाने की पुलिस दोनों को रिमांड पर लेने की तैयारी में जुट गई है। वहीं मामले की अनसुलझी कड़ियों को जोड़ने के लिए सदर थाना पुलिस द्वारा पूर्व में गिरफ्तार किए गए नासिक नादिर को भी पुलिस रिमांड पर लेगी। इस संबंध में मुख्यालय डीएसपी अजय कुमार झा ने बताया कि विगत दिनों बहादुरगंज थाना क्षेत्र के बगीचा गांव के निकट मुर्गी व्यवसायी से लूट मामले का उद्‌भेदन कर दिया गया है। लूट की घटना में शामिल सभी आरोपित जेल की सलाखों के पीछे भेज दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि लूट की घटनाओं को अंजाम देने के लिए अपराधियों ने एक गिरोह तैयार किया था। जिसमें एक दर्जन से अधिक अपराधी शामिल है। पुलिस फिलहाल गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफल रही है। जबकि शेष की तलाश में छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि नासिक नादिर व रुकशाद एक ही गांव का निवासी है। महादेव दिघी में मुर्गा व्यवसायी के साथ लूट मामले में इसकी संलिप्तता उजागर हुई है। पूर्व में पुलिस गिरफ्त में आए इजहार ने भी पूछताछ के दौरान इनके नामों का खुलासा किया था। मुख्यालय डीएसपी ने बताया कि इस गिरोह को संरक्षण प्रदान करने में एक सफेदपोश का नाम भी सामने आ रहा है।जिसकी जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर उनके विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

☞ **7 फरवरी को युवक को गोली मार कर 3.5 लाख की हुई थी लूट** :- बहादुरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत भौरादह से बगीचा जाने वाली सड़क पर 7 फरवरी को थरकचपुर गांव के समीप बाइक सवार तीन अपराधियों ने गोली मारकर बगीचा गांव निवासी मो० मुदस्सिर रजा, पिता मास्टर इस्त्राइल हक को पेट में गोली मारकर 3.5 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया था। गोली लगने से सड़क पर गिरे मुदस्सिर का थैला लेकर अपराधी भाग निकला लेकिन ग्रामीणों ने दूर तक पीछा कर रुकशाद आलम नामक अपराधी को बाइक व हथियार के साथ दबोच लिया। लेकिन दो अन्य अपराधी मुकर्रर आलम और शादाब रुपये भरा थैला लेकर भाग निकला। जिसके बाद रूकशाद को जेल भेजकर पुलिस मुकर्रर व शादाब की तलाश में जुटी थी। पुलिस का कहना है कि आर्घ्स एक्ट मामले में जेल में बंद नासिक नादिर गिरोह का सरगना है। जिसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। किशनगंज टाउन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस पर हमले के नामजद आरोपित को गिरफ्तार किया। रविवार की रात को एएसआइ संजय यादव के नेतृत्व में गठित टीम ने टेउसा निवासी आसिफ इकबाल उर्फ विक्टर, पिता मसूद आलम को कैलाश चौक के निकट गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक पूछताछ के बाद उसे सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

गत 10 मार्च को इंट्री माफिया गुलाम मुस्तफा को गिरफ्तार करने के लिए गई पुलिस टीम पर विक्टर और उसके साथियों ने हमला कर दिया था।हमले के बाद टाउन थाना में पदस्थापित एएसआइ रंजन शर्मा को बंधक भी बना लिया था। गिरफ्तार आरोपित विक्टर के विरुद्ध ट्रक चालकों का भयादोहन कर इंट्री के नाम पर अवैध वसूली करने, पशु तस्करी, पुलिस पर हमला करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसे कई मामले बिहार और बंगाल के थानों में दर्ज है। पुलिस घटना के बाद से ही उसकी तलाश में जुटी थी। मामले में 17 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें गुलाम मुस्तफा, आरिफ उर्फ सानू, जावेद, मानिक चौहान, फुलबाबू, मो.आसीफ उर्फ विक्टर को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि तीन आरोपितों ने जमानत हासिल कर लिया है। शेष फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। ●

२०२२ में बनकर तैयार होगा शम्हो गंगा नदी पुल

● निलेश कुमार

राज्यसभा के सांसद प्रो0 राकेश सिन्हा ने रविवार को बेगूसराय सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया के साथियों को जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2022 तक शाम्हो जाने के लिए गंगा नदी पर पुल बनकर पूरी तरह से तैयार हो जाएगा और आप सभी लोग गाड़ी चलाते हुए उस पुल पर होकर जा सकते हैं! उन्होंने कहा कि यह पुल निर्माण कराने की जिम्मेदारी एनएचआई को दी जाएगी जिससे कि पुल निर्माण का कार्य युद्ध स्तर से चल सके सांसद ने कहा कि आजादी के कई दशकों से शाम्हो प्रखंड क्षेत्र के लगभग 4 लाख लोग पुल नहीं रहने के कारण पीड़ित थे पार्टी के हित से बढ़कर यह आम जनप्रतिनिधियों को सामाजिक हित का काम करना उन्होंने बताया कि जिले के गढ़पुरा स्थित बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण बाबू के कर्मभूमि ष्नमकष्सत्याग्रह स्थल पर जो वहां म्यूजियम क्यों नहीं अभी तक बनाया गया है इसका भी प्रश्न उन्होंने राज्यसभा में उठाने का काम किया है उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा है कि जिस प्रकार से कांग्रेसी पार्टी संसद भवन में व्यवहार कर रही है स्पीकर के हाथ से कागज छीनकर फाड़ना यह देशहित और विकास हित में नहीं है! उन्होंने पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी के प्रति शाम्हो पुल निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने को लेकर उन्हें धन्यवाद दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष राज किशोर सिंह ने कहा कि आजादी से लेकर आज तक लगभग 72 से 73 वर्ष पूरे होने के बाद भी शम्हों प्रखंड विकास से कोसों मील दूर रहना हमारे लिए हम सबों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है! हमारे राज्यसभा के सांसद प्रोफेसर राकेश सिन्हा जी के द्वारा अथक प्रयास के कारण यह पुल निर्माण का रास्ता साफ दिख रहा है, उन्होनें कहा राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा के द्वारा कई बार शाम्हो पुल पर निर्माण को लेकर राज्यसभा में प्रश्न उठाया गया तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी से मिलकर इस पुल को दिलाने का काम उन्होंने किया है!इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राज किशोर सिंह जिला मंत्री आशुतोष कुमार पोद्दार उर्फ हीरा पार्टी के युवा नेता कुंदन कुमार, कृष्ण मोहन, पप्पू, शंभू, कुमार समेत कई अन्य पार्टी के नेता उपस्थित थे। ●

सामाजिक सेवा से सुकून मिलता है- प्रियंका

मौजूदा समय के दौर में बिहार प्रशासनिक रेवेन्यू सर्विस सेवा में आई एक तेज तर्रार महिला पदाधिकारी के आचरण में जब जमीनी हकीकतें, सामाजिक सोच, एवं आम जनता के प्रति कार्य करने की अभिरुची के साथ, उनके सुख-सुविधा के प्रति हमेशा जागरूक रहने के साथ ही विकासोन्मुख विचारधारा हो तो वास्तव में निश्चित तौर पर जन आकांक्षाओं को अमलीजामा पहनाया जा सकता है। बशर्ते नीति और नीयत दोनों साफ हो। वर्तमान समय में बेगूसराय जिले के बलिया अनुमंडल क्षेत्र अन्तर्गत बलिया अंचल कार्यालय में कार्यरत एक राजस्व महिला पदाधिकारी के पद पर प्रशिक्षण ले रही 30 वर्षीया सुश्री प्रियंका सिंह ने अपने सामाजिक सरोकार, अनुभव और पूर्ण जवाबदेही के प्रति न केवल जागरूक हैं। बल्कि तमाम सामाजिक विसंगतियों को हस्तक्षेप स्यंग करके आम जनता एंव बेसहारा विधवा महिलाएं, विंकलांग पुरुषों का काम करना इनका अपना स्वभाव रहा है। ये विल्कुल शान्त और शालीन प्रवृति की अधिकारी हैं। किंतु सामाजिक दायित्व और सरकारी कार्यों के प्रति हमेशा अपनी पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ ससमय पर एक-एक कार्यों का निष्पादन आँन स्पांट करती हैं। यही इनमें खासियत होगा कि इन्होंने अपने कठिन मेहनत और लगन के कारण पहली बार में ही बीपीएससी रेवन्यू सर्विस सेवा की परीक्षा में सफलता हासिल हुई। प्रस्तुत है **प्रियंका सिंह** का बेगूसराय जिला ब्यूरो **नंदकिशोर सिंह** द्वारा किये गये साक्षात्कार के प्रमुख अंश :-

☆ आपका और आपके पिता और मां का नाम क्या है और दोनों क्या करते हैं एवं आपका घर और जिला कहां है?

सर, मेरा नाम प्रियंका सिंह है और पिता का नाम अर्जुन सिंह, मां का नाम इंदिरा देवी है। पिताजी मेरे एक किसान थे और मां मेरी अपने गाँव के ही सरकारी विद्यालय में एक शिक्षिका थी। मेरा घर उस्मानपुर, थाना अथमलगोला, जिला पटना की मैं रहने वाली हूँ।

☆ आपके बचपन के शिक्षक कौन थे और बचपन में आपकी शिक्षा दीक्षा किस स्कूल से हुई?

मेरे घर और स्कूल दोनों के शिक्षक बचपन की मेरी माँ थी।मैने अपनी बचपन की पढ़ाई अपने गाँव के एक सरकारी स्कूल प्राथमिक विद्यालय पोखरिया से की।

☆ उच्च शिक्षा आपने कहां से प्राप्त की?

जी, मैंने मैट्रिक की परीक्षा गांव के ही सरकारी हाई स्कूल शिकारीपाड़ा से की तथा इंटर से लेकर एम.ए. तक की पढ़ाई रांची झारखंड से की हूँ। बीपीएससी परीक्षा की तैयारी मैने दिल्ली की आस्था कोचिंग से की।

☆ आपको क्या-क्या पसंद है?

मुझे कत्थक नृत्य करना और देखना, संगीत सुनना, क्रिकेट का खेल देखना, मुझे बहुत पसंद है ।इसके अलावे कीवी फल खाना बहुत पसंद करती हूँ। मुझे खाना में नॉन भेज और भेज दोनों पसंद है ,साथ ही मैं एक भारतीय नारी होने के कारण मुझे भारतीय नारी की वेशभूषा में साड़ी पहनना काम करना अपने कार्यालय में पसंद करती हूँ।

☆ आप कितने भाई बहन हैं । सभी लोग क्या करते हैं?

देखिए सर, मैं दो बहन और दो भाई हूँ। सभी भाई एवं बहनों में सबसे छोटी बहन मैं हूँ। मुझसे एक बड़ी बहन है। जिसका नाम पूनम सिंह है और वो अभी दिल्ली में एक चार्टर्ड एकाउंटेंट के पद पर कार्यरत है ,तथा मेरा दो भाई में पहला भाई अमिताभ सिंह और दूसरा भाई भूपेंद्र सिंह दोनो बिजनेसमैन दुमका जिला में है।

☆ क्या यह आपको परीक्षा देने के पहले पूरी उम्मीद थी कि मुझे पहली बार में ही बीपीएससी की परीक्षा में सफलता मिल जाएगी?

बिल्कुल ,एग्जाम और इंटरव्यू दोनो जब मैने दे दी थी तो दिमाग में यह था कि मेरा सलेक्शन तो हो जाना चाहिए। लेकिन मैंने यह कभी नहीं सोची थी कि मुझे बीपीएससी की रिवेन्यू सर्विसेज की परीक्षा में कुल 120 अंको की परीक्षा में मुझे 85 अंक मिलेगा और मैं सूबे बिहार में 52 वाँ रैंक ले आऊंगी, लेकिन यह मुझे जरुर उम्मीद थी कि 100 से 130 के बीच मेरा रैंक आ जाएगी।

☆ तैयारी कैसे की और कितना समय आपको लगा?

देखिए, बीपीएससी रेवेन्यू सर्विसेज परीक्षा का सिलेबस थोड़ा हार्ड है। पूरे डेड वर्षो तक सिर्फ रिवेन्यू सर्विसेज परीक्षा के सिलेबस को पूरा करने में समय मेरा बीता। इसके अलावे लगातार में तैयारी करते रही। देखिए, अधिकतम लोग पहले प्री की तैयारी करते हैं और फिर मैन परीक्षा की। लेकिन मैंने अलग तरीके यह अपनायी। मेरा मानना है कि अगर आपका मेन का सिलेबस कंप्लीट है तो प्री में उसी से कुछ प्रश्न आ जाते हैं, प्री की तैयारी मैंने एक महीना पहले शुरू की थी।

☆ तैयारी के लिए आपने खुद पर निर्भर की थी या फिर आपने कोचिंग की मदद ली?

देखिये, तैयारी के लिए मैंने कोचिंग की भी मदद ली। लेकिन कोचिंग तो सिर्फ मार्गदर्शन का काम करता है। मैंने लगातार कठिन मेहनत करती रही।

☆ सोशल मीडिया पर न होने से क्या प्रभाव पड़ा?

मैंने परीक्षा की तैयारी से पहले फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दी। कहीं ना कहीं सोशल मीडिया पर ना होने के चलते आप अपने तैयारी पर और भी फोकस कर पाते हैं। फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर समय बिताने की जगह मैंने यूट्यूब पर जाकर तैयारी के लिए वीडियो देखती थी।

☆ बीपीएससी बिहार रिवेन्यू सर्विसेज सेवा परीक्षा के लिए आप अपनी तरफ से बच्चों को क्या सब टिप्स देना चाहेंगे?

जीके / जीएस के लिए किताब से रोजाना एक पेज पढ़ें। एक रूटीन फॉलो करें जिसमें आप कंफर्टेबल हो। इंटरनेट से कितना मदद आप ले सकते हैं लें । ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपको डीमोटिवेट करते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से यह हम पर निर्भर करता है कि उसमें से अच्छी चीजें हम कितना अधिक से अधिक ले सकते हैं। क्योंकि सोशल मीडिया लोगों को उत्तेजित भी करती है साथ ही देश दुनिया की खबरें भी देने का काम करती है।

☆ क्या इस नोकरी मिलने के बाद और कुछ आगे करना चाहती हैं क्या?

मैं बीपीएससी की रिवेन्यू सर्विस सेवा में रहकर पूरी ईमानदारी के साथ अपने देश की जनता की सेवा मैं करना चाहती हूँ।मैं इस नौकरी से काफी प्रसन्न हूँ। मुझे इसके बाद कुछ करने की अपनी इच्छा नहीं आगे है।

☆ आप बेगूसराय जिले और अपने बिहार वासियों को क्या मैसेज अपनी तरफ से देना चाहती हैं?

जब भी आपकी इच्छा हो तो जमकर रात हो या दिन जमकर छात्र-छात्राएं अपनी पढ़ाई करें। आपके कठिन परिश्रम ही आपके जीवन की सारी खुशियों को लाकर आपको देने का काम करेगी।

अपने हुए बेगाने

मुझे अपनों ने जलाकर मार डाला

''मुझे अपनों ने पिलाकर मारा औरों में कहाँ दम था। मुझे जलाकर वहाँ मारा गया जहाँ अपनों का हुजूम था।'' जी हाँ यदि आप अपने घर से दूर दूसरे राज्यों में रहकर नौकरी कर रहे हैं तो सावधान हो जाइये। कभी भी अचानक निकटतम संबंधियों का बुलावा आ जाय तो पहले सोंचे विचारे अन्यथा मिथिलेश कुमार की भाँति आप भी अपनों के साजिश के शिकार हो सकते हैं? मारने वाले पैसों की लालच में, जमीन-जायदाद या अन्य लाभ वे लोभ के हेतु आपकी इहलीला समाप्त करने में तनिक भी देर नहीं करेंगे? कुछ इसी तरह का सनसनीखेज व ताजातरीन घटना पर केवल सच राष्ट्रीय मासिक के विशेष प्रतिनिधि, बिहार **आनन्द प्रकाश पाण्डेय** व छाया पत्रकार **अशोक तिवारी** की विशेष रिपोर्ट:-

नाम-मिथलेश कुमार (मृतक), पिता-रामजी सिंह, ग्राम-चेतन छपरा, थाना..... सारण, घर-पेट्रोल पंप के पास (चेतन छपरा)उम्र लगभग 38 वर्ष। घटना 02.02.2020, मुंबई से चेतन छपना अपने घर लगभग 29.02.2020 3 बजे पहुँचना कुछ ही देर बाद घर के बाहर से ही बैग लाकर ससुराल के लिए प्रस्थान कई सवालों को जन्म देता है। मिथलेश मुंबई से 29.02.2020 को लगभग 3 बजे अपने घर पहुँचा और कुछ ही देर बाद अपने बेटा से यह कहकर बैग माँगकर चल दिया कि मौजे गाँव (ससुराल) जा रहा हूँ। 29.02.2020 को ही शाम में मिथलेश अपने ससुराल पहुँचा। 29 फरवरी व 1 मार्च को मिथलेश अपने ससुराल में ही था। बकौल ससुराल मौजे गाँव के परिजनों ने बताया कि मिथलेश क्रमश: 29 व 1 फरवरी को यही था। घटना के दिन 02.03.2020 को लगभग 11 बजे खाना खाकर वहाँ से चला। लेकिन महज 3 किलोमीटर की दूरी पर सहाजितपुर थानानतर्गत पंचमहलो गाँव के एक सुनसान बगीचे में जली हुई लाश मिली, जिसे अत्यधिक शराब पिलाकर व हाथपैर

बाँधकर जिंदा जला दिया गया। खबर आग की तरह फैलते ही लोगों की भीड़ बढ़ने लगी बेटे की मौत की खबर पाकर पिता रामजी सिंह, माता मालती देवी व मासूम पुत्र रितिक रोते-चिल्लाते घटना स्थल पर पहुँचे। विदित हो कि मिथलेश चार भाईयों में सबसे बड़ा था। मिथलेश की शादी 2004 में मौजे गाँव (सहाजितपुर) निवासी वामदेव चौधरी की बेटी संध्या से हुई थी। मिथलेश का एक पुत्री एक पुत्र भी है। पुत्र अपने दादा के पास रहता है व पुत्री अपनी माँ के साथ मौजे गाँव रहती है। घटना स्थल से मिथलेश (मृतक) का जो मोबाईल पुलिस ने बरामद किया है, उस फोन द्वारा ही इस घटना से पर्दा उठने की संभावना प्रबल है।

चार भाईयों में क्रमश: मिथलेश (मृतक) मुंबई, दूसरा ड्राइवर (दिल्ली), तीसरा व चौथा भाई गुजरात में वेल्डर का काम करते हैं। घटना की जानकारी होने पर तीनों भाई क्रमश 03.03.2020 और 05.03.2020 को फ्लाईट व ट्रेन से घर पहुँचे जिनका रेल टिकट व फ्लाईट टिकट केवल सच को भी दिखाया। दिगर बात यह भी है कि पिछले कई सालों से मिथलेश व संध्या की

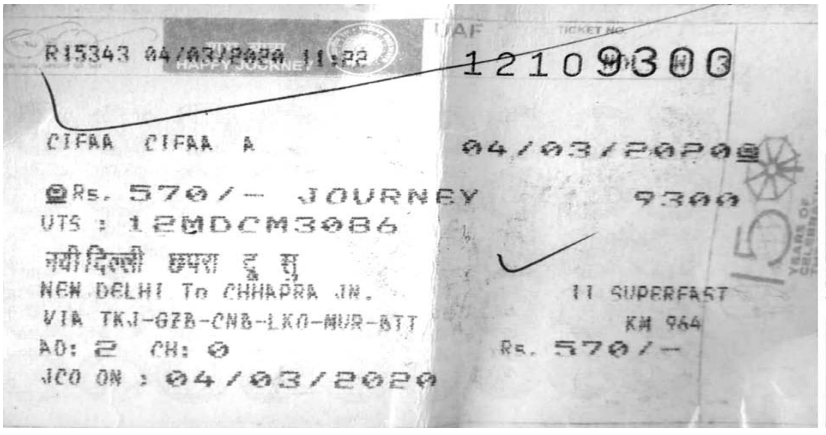
R15343 04/03/2020 11:22 UAF 12109300
CIFAA CIFAA A 04/03/2020
Rs. 570/- JOURNEY 9300
UTS : 12MDCM3086
नयी दिल्ली छपरा द्रु सु
NEW DELHI To CHHAPRA JN.
VIA TKJ-GZB-CNB-LKO-MUR-BTT 11 SUPERFAST
AD: 2 CH: 0 KM 964
JCO ON : 04/03/2020 Rs. 570/-

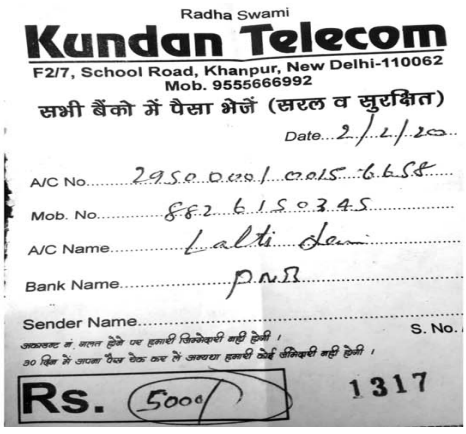
Radha Swami
Kundan Telecom
F2/7, School Road, Khanpur, New Delhi-110062
Mob. 9555666992
सभी बैंको में पैसा भेजें (सरल व सुरक्षित)
Date 2/2/20
A/C No. 2950.000/0015.6658
Mob. No. 882 615 0345
A/C Name Lalti Devi
Bank Name PNB
Sender Name
S. No. 1317
Rs. 5000/

घटना एक नजर में :-

- 29.02.2020 को मुंबई से अपने घर चेतन छपरा लौटा।
- 29.02.2020 को ही शाम में ससुराल पहुँचा।
- क्रमश: 29 फरवरी, 1 मार्च व 2 मार्च को ससुराल में रहना।
- बकौल साल लगभग 11 बजे 02.03.2020 को ससुराल से मिथलेश (मृतक) का निकलना।
- अगली सुबह 03.03.2020 ससुराल मौजे गाँव से महज तीन किलोमीटर की दूरी पर सहाजित पुर थानान्तर्गत पंचमहला गाँव के सुनसान बागीचे में जला हुआ शव, रस्सी, पेट्रोल का गैलन, मिथलेश का बैग व मोबाईल का मिलना।
- ससुराल व पत्नी संध्या का कई घंटों तक घटना स्थल पर न पहुँचना भी सवालों के घेरे में तथा संदिग्ध है।
- पुलिस को घटना स्थल से मृतक का बरामद मोबाईल फोन के कॉल डिटेल्स से इस घटना की राज खुल सकती है।
- मिथलेश व संध्या की शादी 2004 में हुई।
- शादी के महज तीन साल बाद संध्या ने जुलाई 2007 में अपने शरीर में आग लगा लिया था।
- वह कई सालों से मायके में रह रही थी।
- एफ.आई.आर. में दो नाम राजनीति से प्रेरित बकौल मृतक के पिता दो व्यक्ति को मैं नहीं जानता पहचानता।
- संध्या के घर वाले बनइ बनाई रणनीति के तहत नाटक करते ज्यादा दिखे।

नहीं बनी थी। पूर्व में संध्या भी कहीं पति के साथ ही रहती थी। पिछले कई सालों से संध्या अपने पिता के पास मौजे गाँव ही रहती थी। बकौल मिथलेश (मृतक) के परिजन शादी के तीन साल बाद ही पति पत्नी में अनबन के कारण ही संध्या ने जुलाई 2007 में अपनी शरीर में आग लगा ली थी जिसके कारण उसके गर्दन के ऊपर सिर व कान जल चुके थे। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार संध्या के प्रेम-प्रसंग की बात की दबे जुवान से लोगों में चर्चा है। यह चर्चा भी है कि मृतक मिथलेश के मौत के कई घंटे तक ससुराल वाले या पत्नी नहीं पहुँची जो संदिग्ध है। घटना स्थल से ससुराल की दूरी मात्र 2 से 3 किलोमीटर ही है। ऐसी चर्चा है कि पत्नी के बुलावे पर वह मिथलेश ससुराल आया था। कई बिन्दुओं के मद्देनजर पुलिस तहकीकात कर रही थी। तभी घटना स्थल से पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया।

यह नि:संदेह जघन्य हत्या है। पुलिस की कन्फिडेसियल जाँच चल रही है। हत्यारा कोई भी हो बख्शा नहीं जायेगा।
संजय प्रसाद, थानाध्यक्ष, सहाजितपुर

मृतक की पत्नी संध्या सिंह, निवासी चेतन छपरा, थाना-बलियापुर ने मृतक के पिता रामजी सिंह, साला-विनोद कुमार , ससुर वामदेव चौधुर, रंजय पाण्डेय तथा राज चौधुर, राजेश चौधुर, किशोर राय को नामजद किया है। अपने प्राथमिकी में रामजी सिंह ने जिंदा जलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। बकौल प्राथमिकी रामजी सिंह ने बताया है कि 29.02.2020 को मिथलेश मुंबई से घर आया था। मिथलेश (मृतक)ने अपने घर वालों को कहा कि उसके ससुराल वाले हर हाल में ससुराल मौजे गाँव आने का दबाव बना रहे थे।

नि:संदेह उपरोक्त घटना में कई बातें संदेहास्पद स्थिति में है। साथ ही कई संदेहास्पद परिस्थितियाँ भी पैदा कर रही है। जिस तरह से लाश मिली है वह कई सवाल पैदा करने वाला है। पुलिस भी मामले की गहराई से छानबीन कर रही है। कई बिन्दुओं पर गौर करने पर द्रष्टव्य है कि मामले को अब आओ खेलें राजनीति राजनीति पर आधारित किया जा रहा है। पुलिस को इसमें काफी गंभीरता से सिंहावलोकन कर तफतीश करनी होगी ताकि हत्यारा सलाखों के पीछे पहुँच सके।●

महिलाओं का सर्वांगीण विकास 'सखी री' का लक्ष्य : उर्मिला

जैसे-जैसे समय आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे नारी के कदम आगे बढ़ रहे हैं। आज वह 'देवी' बनना नहीं चाहती, वह सही व सच्चे अर्थों में अच्छा इंसान बनना चाहती है। नैतिक मूल्यों और मानवीय मूल्यों को नकारा नहीं जा सकता। हमारे पारंपरिक चरित्र नैतिक मूल्यों की धरोहर है। अब समय आ गया है कि महिलाओं को अधिकार देने तथा उन्हें लैंगिक भेदभाव से मुक्ति दिलाने के मार्गमें आने वाली बाधाओं तथा अन्य खामियों पर भी विचार किया जाय। इस बात को समझा जाना चाहिए कि केवल साधनों की उपलब्धि तथा महिलाओं की उन तक पहुँच से ही वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं हो पायेगी बल्कि इन सबके लिए जरूरी है कि लोगों में जन-जागरूकता आवश्यक है। जब महिला सशक्त होगी तो समाज स्वत: सशक्त हो जायेगा। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना व उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना ही हमारे 'सखि री' का उद्देश्य है। 'सखि री महिला विकास संस्थान की मैनेजमेंट ट्रस्टी श्रीमति उर्मिला से केवल सच राष्ट्रीय मासिक पत्रिका के विशेष प्रतिनिधि, बिहार **आनन्द प्रकाश पाण्डेय** व छाया अशोक तिवारी का साक्षात्कार:-

★ **आपका नाम?**

उर्मिला।

★ **'सखि री' का मूल उद्देश्य क्या है?**

महिलाओं का सर्वांगीण विकास करना यथा सामाजिक, कानूनी व राजनैतिक।

★ **सखि री किन-किन क्षेत्रों में कार्य कर रही है?**

सखि री घरेलू हिंसा, बाल-विवाह, जेन्डर महिलाओं को आत्मनिर्भर, कानूनी सलाह व उन्हें समाज में कैसे जीवन-निर्वाह करना है इत्यादि क्षेत्रों में कार्य संपादित कर रही है।

★ **समता मूलक समाज की स्थापना हेतु आपकी संस्था किस स्तर पर कार्य करती है?**

समता मूलक समाज की स्थापना हेतु हमारी संस्था समाज के निचले तबके से लेकर उच्च स्तर तक कार्य कर रही है।

★ **नारी की स्वतंत्रता पर आपके क्या विचार है?**

एक ओर तो नारी को शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया है तो दूसरी ओर उसे 'अबला' भी कहा गया है। इन दोनों ही अतिवादी धारणाओं ने नारी के स्वतंत्र विकास में बाधा पहुँचाई है। प्राचीन काल से ही नारी को इंसान के रूप में देखने के प्रयास कम ही हुए हैं। पुरूष के बराबर स्थान एवं अधिकारों की मांग ने भी उसे अत्यधिक छला है। इसीलिए आज भी वह 'मानवी' का स्थान प्राप्त करने से वंचित है।

★ **घरेलू हिंसा पर आपकी क्या राय है?**

आज की तारीख में घरेलू हिंसा बहुत बड़ी समस्या है। नि:संदेह यह कहा जा सकता है कि आज महिलाओं का विकास हो रहा है। आज वो खुलकर सामने आना चाह रही है। वे पुरूषों के साथ-साथ कदम मिलाकर चलना चाहती है।

★ **आप महिला हैं, बावजूद इसके घर व समाज के लोगों ने आपका विरोध नहीं किया?**

नि:संदेह उन परिस्थितियों में मुझे हर स्तर से रोका गया। हर तरफ से चौतरफा हमला हुआ। लेकिन मेरे मन में कुछ कर गुजरने की जुनून के आगे सब नतमस्तक हो गये। हालांकि 1992 के मद्देनजर काफी संघर्ष भरा जीवन रहा। उसी दौरान संपूर्ण साक्षरता ग्राम स्वराज कार्यक्रम के दौरान ही मेरी एक्टिविटी को देखकर प्रेम भाई वनवासी ने भी कहा था कि ''यह लड़की एक दिन समाज में कुछ अलग करेगी यह इसका जुनून देखकर लगता है।

★ **'सखि री' के स्थापना काल से अबतक आपने कई झंझावत भी झेले हैं, कैसे?**

इस दौरान राजनीतिज्ञों के द्वारा कई मुकदमों तथा अपहरण जैसे संगीन आरोप मुझ पर लगे। दूसरी ओर न्यायपालिका पर पूरा भरोसा होने के कारण सभी मुकदमों से बरी कर दी गई। न्यायालय में देर ही सही निश्चित तौर पर न्याय मिलता है।

★ **आपकी नजरों में महिलाओं के बराबरी से क्या अभिप्राय है?**

महिलाओं के भागीदारी हेतु पुरूषां को आगे आना होगा। तब हम सहजता से उठेंगी, कोमलता के साथ आगे बढ़ेंगी। आज खुलकर आगे आना चाह रही है। पुरूषों के कदम से कदम मिलाकर चलना चाहती है।

होली एवं रामनवमी पर्व के पावन अवसर पर किशनगंज की समस्त जनता को हार्दिक शुभकामनाएं।
-: निवेदक :-
अश्वनी सिंह (प्रोपराइटर)
अंजनी इंटरप्राइजेज
रूईधाशा, वार्ड नं.-24, किशनगंज (बिहार)

सहारा इंडिया विश्व का विशालत्तम परिवार : अनिल कुमार गुप्ता

जिनके इरादे बुलंद हो, कार्यक्षेत्र में कर्मठता झलकती हो तथा अपने कर्म में चुनौतियों से नित्य सामना होता हो और उस कर्तव्य को बखूबी निर्वाह करता हो जी हाँ! हम बात कर रहे हैं सहारा इंडिया के शाखा प्रबंधाक अनिल कुमार गुप्ता की। केवल सच राष्ट्रीय मासिक पत्रिका के विशेष प्रतिनिधि, बिहार, **आनन्द प्रकाश प्राण्डेय** से साक्षात्कार किया। पेश है संपादित अंश:-

☆ आपका नाम?

अनिल कुमार गुप्ता, शाखा प्रबंधक, सहारा इंडिया।

☆ आपके सहारा इंडिया में ग्राहकों के लिए कौन-सी योजनाएँ हैं?

सर्वप्रथम आपके केवल सच टीम का हार्दिक अभिनंदन करते हैं और पिछले 1 फरवरी को 43 वें वर्षगांठ पर आपके केवल सच की निर्भीकता के लिए ध न्यवाद ज्ञापित करते हैं। सहारा इंडिया विश्व का विशालतम परिवार है। इसमें हर उम्र के जमाकर्ताओं के लिए लाभकारी योजनाएँ हैं। डेली, मंथली, फिक्सड डिपोजिट व बजुर्ग अभिभावकों के लिए योजनाएँ हैं। जो लाभुकों के लिए लाभप्रद योजनाएँ हैं।

☆ बाजार में एक भ्रांति है कि सहारा की स्थिति दयनीय है व पूंजी डूबने की प्रबल संभावना है, आप इस पत्रिका के माध्यम से जमाकत्त्राओं से क्या कहना चाहेंगे?

हम अपने तमाम जमाकर्त्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित करना चाहते हैं। उन्होंने हमारे 42 साल के तपस्या को खैरमकदम किया है व पसंदगी दी है। कुछ छुटभैये लोग जो अपने लालच व स्वार्थ न सध ने से दुष्प्रचार करते हैं। हाँ, भुगतान में थोड़ा विलंब जरूर होता है, लेकिन उन्हें एक-एक दिन का भुगतान ब्याज के साथ अदा करते हैं। हम शुक्रगुजार है उन जमाकर्त्ताओं, सुधि शुभचिन्तकों व कर्मयोगी कार्यकर्त्ताओं का जिन्होंने दिन-रात एक कर हमारा व उनको सहयोग देते हैं।

☆ आपके सहारा इंडिया में आमजन के लिए कम समय में अधिक लाभ की कौन-सी योजनाएँ हैं?

हमारे यहाँ सहारा ए डबल योजना है, जो पाँच साल चार माह में डबल हो रहा है। उसमें एक हजार से लेकर अधिकतम अपनी सुविधानुसार राशि निवेश कर सकते हैं। हमारे यहाँ एक ऑफर चल रहा है, जो पहले PKY स्कीम जो बारह साल में चार गुना होता था वह अब 10 साल में चार गुना दे रहा है।

☆ कन्याओं के उत्थान हेतु आपके यहाँ क्या सुविधाएँ व योजनाएँ है?

कन्या योजनान्तर्गत हमारे यहाँ फिक्सड डिपोजिट 1 साल से 15 साल में एक लाख के निवेश पर 15 साल में 6 लाख 30 हजार रूपये मिलेंगे। साथ ही वार्षिक योजनाओं में क्रमश: 3, 4, 5, 6, 10 व 15 साल के लिए उपलब्ध हैं सहारा सुकन्या योजना सहारा कन्यादान योजनान्तर्गत भी निवेश कर सकते हैं।

☆ सहारा इंडिया का एक एप आया है, 'इंडेन गुरू' जो शिक्षा पर आधारित है, इसके बारे में विस्तार से बताएँ ताकि युवा वर्ग लाभ उठा सके।

सहारा इंडिया की एक महत्वकांक्षी योजना है, इडेन गुरू। इसके माध्यम से युवा वर्ग ऑनलाइन वे ऑफ लाइन मेडिकल, इंजिनियरिंग, यू.पी.एस.सी. की तैयारी तथा 6 से एम.ए. तक की पढ़ाई कर सकते हैं।

☆ सहारा इंडिया के जमाकर्त्ताओं, शुभचिन्तकों व कार्यकर्त्ताओं को क्या संदेश देना चाहेंगे?

मैं आम जनता, जमाकर्त्ताओं, कार्यकर्त्ताओं से आपके निर्भिक पत्रिका के माध्यम से यह संदेश देना चाहूँगा कि आपने जो भरोसा व प्यार दिया है, इसके लिए सहारा इंडिया के तरफ से दिल से बधाई। हम हर समय आपके साथ हैं।

होली मिलन समारोह में छा गयी पुष्पा सिंह

● आनन्द प्रकाश पाण्डेय/अशोक तिवारी

होली के पूर्व संध्या पर जिला परिषद सदस्य सह गायिका पुष्पा सिंह ने अपने संगीत के माध्यम से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत देवी गीत से शुरू होते ही लोग भाव-विभोर हो थिरकने लगे। बीच में 'अइलु व गइलू काहे' से पुष्पा सिंह ने वाह-वाही बटोरी वो दूसरे तरफ 'रामलला हो भगवान लला' सुनकर दर्शकों ने आपा खोकर झूमने व नृत्य करनेलगे। जिला परिषद सदस्य, मशरक पुष्पा सिंह ने रेात भर अपनी गायकी से लोगों को थिरकाती रहीं।

कार्यक्रम के आयोजक ग्राम पंचायत राज बहरौली मुखिया अजीत सिंह ने कहा कि प्रत्येक साल होली व अन्य अवसरों पर बहरौली में लोगों के आपसी भाईचारा, सौहार्द की भावना हेतु इस

तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान अजित सिंह ने समाज में एक नई उर्जा का संचार करते हुए सामाजिक रूप से उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले समाजसेवी, शिक्षकों व आम जनता को भी अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। शिक्षक मुकुल सिंह, दिनानाथ जी को भी अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सुश्री पुष्पा सिंह ने केवल सच टीम व जी मीडिया मशरक के रंजन यादव को उनकी बेबाकी व निर्भिकता के लिए सम्मानित किया। आपसी भाईचारा व सौहार्द के पर्व होली के उपलक्ष्य में ग्रामीण जनता ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, होली मिलन समारोह के समापन पर अजीत सिंह ने आम लोगों से अपील की क्षेत्र के चहुंमुखी विकास में आपका जो सहयोग मिला है वह बहरौली पंचायत के लिए नजीर होगा। हमें आपसे उम्मीद है इस सौहार्द को आप बनाये रखने में अपना बहुमूल्य सहयोग देते रहेंगे। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

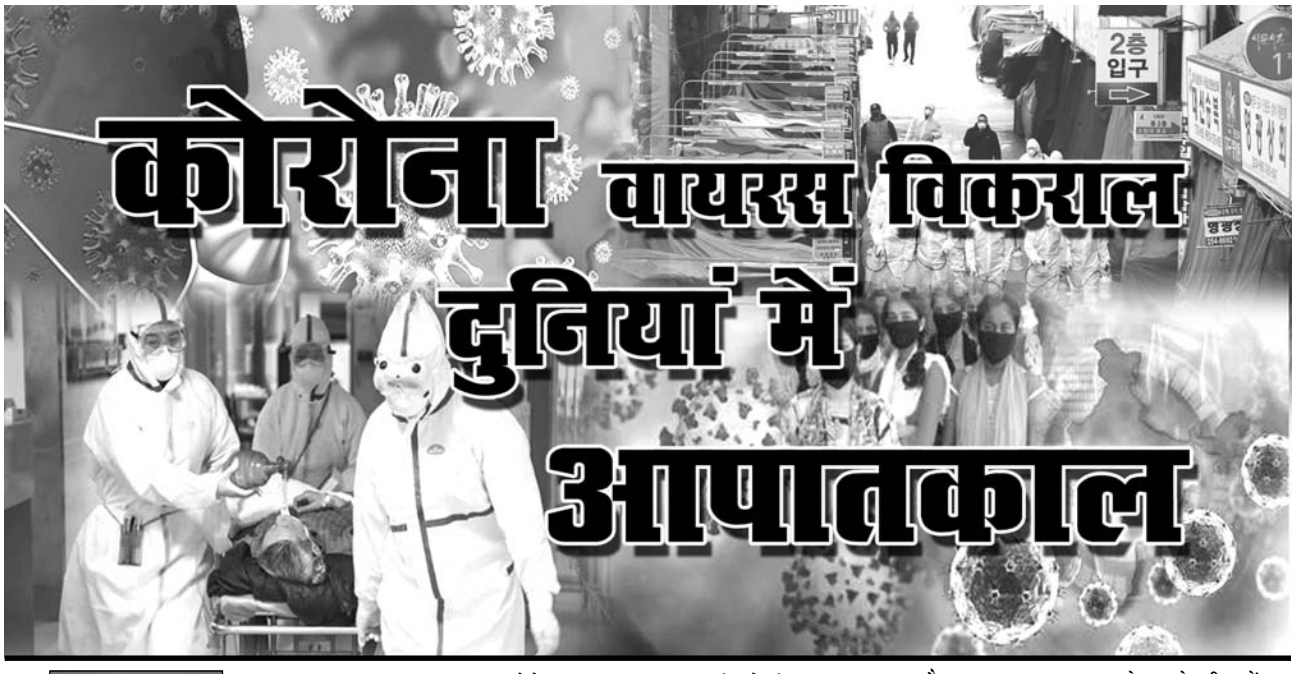

कोरोना वायरस विकराल दुनियां में आपातकाल

● **ललन कुमार प्रसाद**

पूरी दुनियां में बहुत ही तेजी से फैलता जा रहा है कोरोना वायरस। 12 मार्च 2020 तक 127 देशों में फैल चुका है यह वायरस। चीन के बाद कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित है इटली। इटली में 827 कोरोना मरीजों की मौत हो चुकी है। चीन और इटली के बाद तीसरे नंबर पर है ईरान। ईरान में 429 कोरोना मरीजों की मौत हो चुकी है। अच्छी बात है कि भारत में कोरोना मरीज के 76 में से एक मरीज की मौत हो गई है।

✯ **कोरोना वायरस का नामकरण** :- कोरोना वायरस, वायरसों का एक समूह है, जो कांटों (क्राउन) जैसा दिखता है, इसलिए इस वायरस का नाम कोरोना वायरस पड़ा। कोरोना वायरस के इस समूह में से सिर्फ छः वायरस ही इंसानों को संक्रमित करते हैं, लेकिन चीन के हुवेई प्रांत के वुहान शहर में दिसम्बर 2019 के प्रारंभ में पहली बार सामने आया यह कोरोना वायरस का सातवां नया वायरस है। इसलिए इसे नॉवेल कोरोना वायरस (एन. कोरोना वायरस या एन.सी.ओ.वी.) नाम दिया गया। चूकि यह वायरस चीन के वुहान शहर में पहली बार सामने आया, इसलिए इसे वुहान कोरोना वायरस के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन विश्व स्वास्थ संगठन ने इस नये वायरस का नामाकरण किया है। स्विजरलैंड की राजधानी जेनेवा में एक सम्मेलन के दौरान विश्व स्वास्थ संगठन ने कोरोना वायरस को अधिकारिक तौरपर 'कोविड-19' नाम दिया है। विश्व स्वास्थ संगठन के प्रमुख

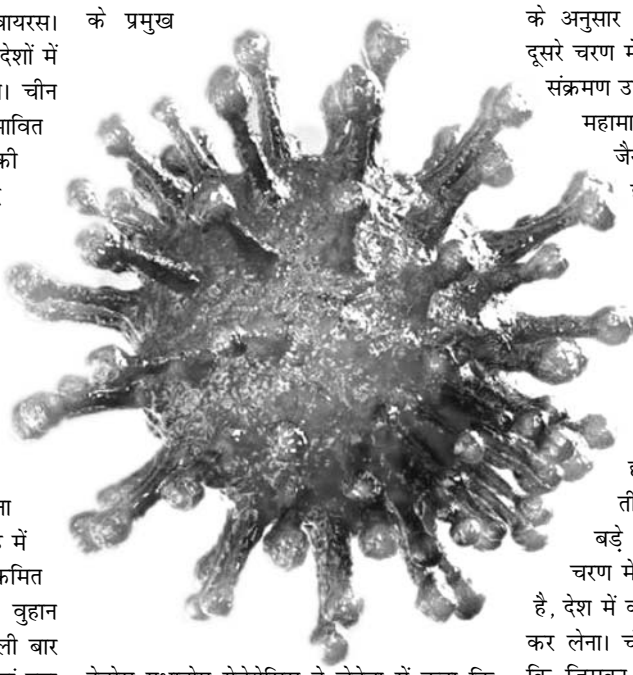

टेड्रोस एधानोम ग्रेबेयेसिस ने जेनेवा में कहा कि नॉवेल कोरोना वायरस रोग के लिए नाम मिल गया है। इस वायरस का सबसे पहले चीन में 31 दिसम्बर 2019 को पता चला था। उन्होंने कोरोना वायरस के नाम की व्याख्या करते हुए कहा है कि 'को' का मतलब कोरोना, 'वि' का मतलब वायरस और 'डी' का मतलब डिजीज है।

✯ **भारत में कोरोना महामारी के चरण** :- किसी भी महामारी के चार चरण होते हैं। कोरोना भी इससे अलग नहीं है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिर्सच के महानिदेशक बलराम भार्गव के अनुसार भारत में कोरोना का प्रकोप अभी दूसरे चरण में है। इस चरण के तहत कोरोना का संक्रमण उन्ही व्यक्तियों तक सिमित है, जो इस महामारी से गंभीर रूप से प्रभावित देशों, जैसे-चीन, इटली और ईरान से संक्रमित होकर लौटे हैं या संक्रमित होने के बाद किसी कारणवश भारत आये हैं। कोरोना महामारी के चार चरण निम्नलिखित है :- पहला चरण है कोरोना महामारी से प्रभावित देशों से किसी व्यक्ति का भारत में आना। दूसरा चरण है भारत में कोरोना संक्रमित लोगों का आना। हमारा देश अभी इसी चरण में है। तीसरा चरण है सामुदायिक प्रसार यानि बड़े भू-भाग का प्रभावित होना। तीसरे चरण में अभी 25 दिन शेष है। चौथा चरण है, देश में कोरोना महामारी का शक्ल अख्तियार कर लेना। चौथा चरण इतना खतरनाक होता है कि जिसका कोई अंत नहीं दिखता। चीन और इटली इसी चरण में हैं।

कोरोना वायरस से किस मरीज को कितना खतरा		
रोग	–	मृत्यु दर
निरोग	–	0.01%
कैंसर	–	4.8%
हाइपरटेंशन	–	5.6%
सांस संबधी रोग	–	6.0%
डायबिटिज	–	7.5%
हृदय रोग	–	10.0%

★ कोरोना वायरस के प्रसार को दूसरे-तीसरे चरण में कैसे रोक सकते हैं? :-

☞ कोरोना से प्रभावित देशों से आने वाले व्यक्ति में बीमारी के लक्षण का प्रवाह किये बगैर 14 दिनों तक पृथक (आइसोलेट) करके रखकर।

☞ अगर कोई व्यक्ति कोरोना से संक्रमित पाया जाता है तो उसके सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों को भी 14 दिनों तक निगरानी में रखकर।

☞ ज्यादातर स्कूलों, कॉलेजों, सभागार में होने वाले कार्यक्रमों, स्टेडियमों में आयोजित किये जाने वाले खेलों, मेलों के आयोजन, धरना-प्रदर्शन, रैलियों तथा इसी प्रकार के सार्वजनिक भीड़ जुटाव वाले कार्यक्रमों को कुछ समय के लिए स्थगित कर। अर्थात् स्कूलों और कॉलेजों को कुछ समय के लिए बंद कर, धरना-प्रदर्शन और रैलियों पर कुछ समय के लिए रोक लगाकर, सभागारों में आयोजित किये जाने वाले संगोष्ठियों को कुछ समय के लिए स्थगित कर, स्टेडियमों में खेले जाने वाले कुछ समय के लिए रद्द कर, मेलों के आयोजन को कुछ समय के लिए प्रबंधित कर, इत्यादि।

☞ आम जनता में हांथों की सफाई के अहमियत तथा श्वास संबंधी बीमारियों की भयावता के बारे में जानकारी देकर जागरूकता पैदा करे।

☞ ढ़ाचागत् व्यवस्था जैसे टेस्टिंग लैब की सुविधा प्रदान कर, आइयोलेटेड बेड की सुविधा प्रदान कर, संक्रमित लोगों को कड़ी निगरानी में रखने का व्यवस्था कर तथा इसी तरह की विभिन्न स्तरों पर अन्य तरह की तैयारी कर।

★ कोरोना वायरस कितना खतरनाक, अंदाजा लगाना मुश्किल :- अन्य वायरसों की तरह कोरोना वायरस भी एक-दूसरे में छूत से फैलता है। अर्थात् हवा, पानी और स्पर्श से वायरस फैलते चले जाते हैं। इसलिए रोग फैलने की दृष्टि से वायरस बड़े खतरनाक होते हैं। किन्तु कोरोना वायरस की सबसे बड़ी खराबी है कि यह बहुत तेजी से फैलता है। यह वायरस इतना खतरनाक है कि वैज्ञानिक इसका अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं। इसके निम्नलिखित कारण हैं:-

☞ वायरस संक्रमित इलाके में जाने या वायरस से संक्रमित लोगों के सम्पर्क में आये बगैर भी कोरोना फैल रहा है। मसलन, अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एक ऐसा व्यक्ति संक्रमित पाया गया है, जिसने किसी संक्रमित इलाके का दौरा नहीं किया था। यहां तक की ऐसे किसी जगह से आये व्यक्ति के सम्पर्क में नहीं आया था।

☞ चीन में 20 वर्षीय एक युवती का मामला वाकई इस रोग की भयावहता को दर्शाता है। उसने वुहान से 700 किलोमीटर दूर की यात्रा की और उसके सम्पर्क में आये उसके पांच रिश्तेदार संक्रमित हो गये। आश्चर्य की बात है कि इन पांच लोगों में कोरोना वायरस के लक्षण दिखे, मगर उस युवती में कोरोना के लक्षण का पता लगाने में एक सप्ताह का समय लग गया। इसका मतलब है कि कोरोना वायरस विशेष लक्षण दिखे बिना एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंच जाता है।

☞ जापान के ओसाका में एक विशेष पंथ को मानने वाले ईसाई समुदाय के लोगों को कोरोना वायरस ने जकड़ लिया है। शिनचोनजी चर्च ऑफ जीसस में जाने वाले करीब 1300 लोग अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इस समुदाय के प्रार्थना स्थल पर शामिल प्रार्थना सभा में शामिल होने वाले लोग बड़ी संख्या में कोरोना वायरस से संक्रमित हो गये हैं। अगर अब उस जगह पर विशेष सावधानी नहीं बरती गई तो यह वायरस कई हजार लोगों को संक्रमित कर सकता है, क्योंकि इस पंथ के 2 लाख 12 हजार सदस्य हैं।

☞ जापान के ओसाका में 40 वर्षीय बस गाईड महिला ने फरवरी में कोरोना से संक्रमित होने के

बाद इलाज करवाया था, लेकिन ठीक होने के तीन सप्ताह बाद मार्च में फिर उसमें संक्रमण की पुष्टि हुई है। चीन के बाहर किसी व्यक्ति में दो बार संक्रमण का यह पहला मामला है। इससे स्पष्ट है कि इलाज के बाद ठीक होने पर भी कोई व्यक्ति दोबारा कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकता है। ऐसा इसलिए की यह वायरस शिथिल अवस्था में शरीर में रहता है, जो इलाज के बाद दोबारा सक्रिय हो सकता है।

☞ भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में महामारी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ० भोजराज सिंह कहते हैं कि कोरोना वायरस संक्रमण के बाद खुद के रूप को बदलने की अद्भुत क्षमता है। दरअसल, कोरोना वायरस का जीनोम छः जीन का बना होता है। जब कोई संक्रमण कोशिका में पहुंचता है और उसकी जाती का कोई दूसरा संक्रमण वहां पहले से ही मौजूद हो तो दोनो के जीन मिलकर जानलेवा बन जाते हैं, भले ही यह प्रक्रिया प्राकृतिक है। पर, वे इसी क्षमता के कारण महामारी स्ट्रेन विकसित करने में कामयाब हो जाते हैं।

☞ चीन में एक कुत्ते में भी कोरोना संक्रमण की बात सुनने में आयी है। अब तक सुना जाता था कि यह जूनोटिक मनुष्य से पशु में फैलने वाला नहीं है, पर कुत्ते में इस वायरस का मिलना संकेत देता है कि कोरोना जुनोटिक है। ऐसे में वैज्ञानिक यह आशंका जता रहे हैं कि यदि कोरोना संक्रमण कुत्ते में फैल गया है तो दूसरे जानवरों में भी फैल सकता है।

कोरोना वायरस से किस लिंग को कितना खतरा

लिंग	–	मृत्यु दर
महिला	–	1.7%
पुरूष	–	2.8%

☆ **पुरूषों में कोरोना से संक्रमण का खतरा महिलाओं से ज्यादा है :-** चीन के जिन्यिन्तान हॉस्पीटल की डॉक्टर ली झान ने दावा किया है कि कोरोना वायरस से महिलाओं को कम नुकसान पहुंचता है, जबकि पुरूषों पर यह ज्यादा बुरा प्रभाव डालता है। दुनियां भर में कोरोना वायरस फैलने के केन्द्र चीन के वुहान शहर में वैज्ञानिकों की शोध में दावा किया गया है कि यह वायरस महिलाओं की तुलना में पुरूषों के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है।

वैज्ञानिकों ने माना है कि महिलाओं में संक्रमणरोधी क्षमता पुरूषों के मुकाबले ज्यादा है, जो संक्रमण से बचाव का मुख्य कारण है। वैज्ञानिकों का कहना है कि एक्स क्रोमोजोम और सेक्स हार्मोन की वजह से महिलाओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता ज्यादा होती है।

चीन में कोरोना को फैलने से रोकने में अपनाये गये तौर तरीकों से महिलाओं में गहरा आक्रोश है, क्योंकि कुछ डॉक्टरों ने महिलाओं की पीरियड्स (महावारी) को टालने के लिए उन्हे गर्भ निरोधक दवाएं दे रहे हैं। ऐसे चीनी प्रशासन के निर्देश पर किया जा रहा है। महावारी टालने से महिलाओं की सेहत पर विपरित असर पड़ रहा है। पीरियड्स संबंधित प्रोडक्ट्स खासकर दवाएं न मिलने से उन्हें सिर मुंडवाने जैसी समस्याओं से जुझना पड़ रहा है।

☆ **ऐसे संक्रमित हो रहे हैं इंसान :-** कोरोना परिवार के वायरस से सर्दी, जुकाम जैसे छोटे-मोटे रोग होते हैं और इसी परिवार के सदस्यों से मर्स और सार्स जैसे गंभीर महामारी भी फैलती है। चीन में हुवई प्रांत के वुहान शहर में दिसम्बर 2019 में पहली बार सामने आया कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन इस परिवार का सातवां नया वायरस है। संक्रमण के बाद यह वायरस इंसान की जीवित कोशिका के अंदर प्रवेश कर जाता है और विभाजित होते रहता है। अर्थात् यह वायरस केवल जीवित कोशिका में प्रजनन (ब्रीडिंग) कर सकता है। इंसान के सम्पर्क में आने पर यह मानव कोशिका की झिल्ली (मेमब्रेन) के रिसेप्टर से जुड़ने के लिए यह वायरस लंबे एस प्रोटीनका इस्तेमाल करता है। ऐसे मिलन से कोशिका (सेल) भ्रमित होती है, यह कोई खतरा नहीं है। लिहाजा, वायरस कोशिका में प्रवेश कर जाता है। वैसे वायरस के कोशिका में प्रवेश की सटीक प्रणाली अभी ज्ञात नहीं है। फिर भी दो प्रक्रियाएं होती है-पहला इंडोसाइटोसिस प्रक्रिया के तहत कोशिका वायरस को निगल जाती है और दूसरा मानव कोशिका से जुड़ने के बाद वायरस कोशिका के द्रव्य में अपने जेनेटिक तत्व छोड़ता है। कोशिका द्रव्य में वायरस द्वारा छोड़े जाने वाला यह एकल कुंडलित आरएनए (राइबोन्यूक्लिक एसिड) होता है। वायरस कोशिका को हाइजेक कर लेता है और अपने जेनेटिक तत्व का प्रजनन शुरू कर देता है। यह एक कोशिका से दूसरी कोशिका में छिद्र करके चला जाता है और नई कोशिका में प्रवेश करते ही प्रजनन शुरू

कर देता है। इस तरह प्रजनन-गुणन (ब्रीडिंग मल्टिप्लीकेशन) के चलते वायरस कर संख्या में अचानक वृद्धि हो जाती है।

✯ **लैब टेस्ट से ही कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि होती है** :- हमारे देश में कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि के लिए कोई टेस्ट कीट उपलब्ध नहीं है। इसलिए लैब टेस्टिंग से ही इससे संक्रमित होने की पुष्टि की जा सकती है। इसके लिए अस्पताल के टेस्टिंग लैब में कई तरह के करने के बाद नतीजे निकाले जाते हैं। टेस्टिंग लैब में निम्नलिखित टेस्ट किये जाते हैं:-

☞ **स्वाब टेस्ट** :- इस टेस्ट में कॉटन स्वाब (रूई का फाहा) की मदद से गले तथा नाक के अंदर से तरल पदार्थ को निकाल कर टेस्ट किया जाता है।

☞ **नेजल एरिपटेट** :- इस टेस्ट में वायरस की जांच करने वाला टेक्निशियन पहले व्यक्ति के नाक में एक तरह का घोल डालने के बाद सैम्पल कलेक्ट करता है और तब उस सैम्पल की जांच की जाती है।

☞ **ट्रेशल एरिपटेट** :- इस टेस्ट में ब्रोंकोस्कोप नामक एक पतला ट्यूब व्यक्ति के फेफड़े में डालकर वहां से सेम्पल लेकर उसकी जांच की जाती है।

☞ **सप्टम टेस्ट** :- इस टेस्ट में फेफड़े में जमा पदार्थ या नाक से कॉटन स्वाब की मदद से निकाले जाने वाले सैम्पल की जांच की जाती है।

☞ **ब्लड टेस्ट** :- खून की जांच द्वारा भी कोरोना वायरस की संक्रमण का पता लगाया जाता है।

इस तरह से सभी सैम्पल को जुटाने के बाद वायरस के हिसाब से उसका विश्लेषण किया जाता है। कोरोना के सभी वेरिएंट के लिए इनका ब्लैंकेट टेस्ट किया जाता है। फिलहाल हमारे देश में 66 टेस्टिंग लैब है और प्रत्येक में रोजाना 90 सैम्पल टेस्ट किये जा सकते हैं। इस तरह रोजाना हमारा कुल 5940 टेस्ट किये जा सकते हैं।

कोरोना वायरस से 12 मार्च 2020 तक किस देश में कितना असर

देश	संक्रमित	मौत
चीन	80793	3169
इटली	12642	827
ईरान	10075	429
दक्षिण कोरिया	7869	66
स्पेन	2277	55
फ्रांस	2281	48
अमेरिका	1281	38
जापान	1335	17
ब्रिटेन	456	08
भारत	76	01

✯ **किन लोगों का टेस्ट किया जाना चाहिए?** :-

☞ अगर आपके आसपास पांच सौ मीटर के दायरे में कोरोना से संक्रमित किसी व्यक्ति की पुष्टि हुई है। लेकिन, आप कभी भी उसके सम्पर्क में नहीं रहे हैं तो आपको टेस्ट करवाने की जरूरत नहीं है। परन्तु, सतर्क रहने की जरूरत जरूर है।

☞ यदि आप किसी कोरोना प्रभावित देश की यात्रा करके लौटे हैं तो आपको सावधानी बरतने की जरूरत है, लेकिन तसल्ली के लिए एक बार टेस्ट जरूर करवा लें।

☞ भारत में कोरोना से संक्रमित कई व्यक्ति पाये गये हैं। लेकिन घबराइए नहीं, खुद को 14 दिन निगरानी में रखें। टेस्ट की जरूरत नहीं भी पड़ सकती है।

☞ अंजाने में आप किसी संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में रहे हैं तो घबराइए नहीं, सबसे पहले घर के किसी कोने में अपने आप को आइसोलेट (अलग-थलग) करके 14 दिनों तक रहे और निरीक्षण करे। अगर आप में कोरोना का लक्षण दिखे तो टेस्ट जरूर करावें। परन्तु अलग-थलग रहने के दौरान सर्दी, जुकाम और बुखार होता है तो तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करे और उनके निर्देशानुसार टेस्ट करवाये, नजरअंदाज हरगिज न करे।

★ **कोरोना से जुड़ी भ्रांतिया :-**

☞ यह ठीक नहीं है कि कुत्ता पालने तथा पाले हुए कुत्ता के सम्पर्क में रहने से कोरोना का संक्रमण हो जाता है। अगर ऐसा होता तो कोई व्यक्ति कुत्ता पालता ही नहीं, जबकि लोग कुत्ता बड़े शान से पालते हैं। दरअसल, कुत्ता पालने वाले अपने आप को समझते हैं कि कुत्ता पालना सोशल स्टेटस का ऐसा पहलू है कि उनको समाज में बड़े सम्मान से देखा जाता है। भले ही इंसान के प्रति उनके मन में कोई आदर प्रेम न हो। समाज में ऐसे मुंह मियां मिठ्ठू की कोई कमी नहीं है। लेकिन कुत्ता पालने वाले को विशेष सावधानी जरूर बरतनी चाहिए और कुत्ते के लार से यथासंभव बचने का अधिकाधिक प्रयास करना चाहिए। वैसे तो बिल्ली, बंदर आदि जानवरों के काटने से भी आदमी संक्रमित हो जाता है। खासकर, रैबीज के वायरस 95-97% कुत्तों में पाये जाते हैं। विशेषकर रैबीजग्रस्त कुत्ता के काटने या चाटने से इंसान को रैबीज की बीमारी हो जाती है और आदमी की एक महीने के अंदर मौत हो जाती है, जो बेहद दर्दनाक होती है। इसलिए कुत्ता पालने वाले व्यक्ति को हर साल अपने कुत्ते को एंटीरैबीज टीका दिलवाते रहना चाहिए।

☞ अगर किसी व्यक्ति को सर्दी, खांसी और बुखार हुए चार-पांच दिन हो गया है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति कोरोना से संक्रमित हो गया है। ख्याल रहे समान्य सर्दी, जुकाम से पीड़ित आदमी को दो से तीन दिन में ठीक हो जाता है और फ्लू से पीड़ित आदमी चार दिन में ठीक हो जाता है। कोरोना की जांच की जरूरत तभी होती है, जब कोई व्यक्ति विदेश से लौटा हो या कोरोना संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आया हो तो ऐसे व्यक्ति को अलग कमरे में 14 दिनों तक निगरानी में रखनी चाहिए। वैसे चार-पांच दिन से सर्दी-जुकाम और बुखार से पीड़ित व्यक्ति के इलाज हेतु डॉक्टर से जरूर सम्पर्क करना चाहिए और तसल्ली के लिए कोरोना से संक्रमण को टेस्ट करा लेना चाहिए कि वह व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित है या नहीं। याद रहे कोरोना वायरस के प्रति जागरूकता और बचाव ही एकमात्र इलाज है।

☞ कोरोना वायरस किसी भी वातावरण में फैल सकता है, जरूरी नहीं है कि गर्म और उमस भरा वातावरण हो, लेकिन 7 से 17 डिग्री सेल्सियस तापमान वाला वातावरण कोरोना वायरस को पनपने के लिए मुफिद होता है।

☞ यह धारणा गलत है कि कोरोना मच्छर के काटने से फैलता है। कोरोना वायरस हवा में तैरते संक्रमित व्यक्ति के थूक की नन्ही-नन्ही बुंदकियों (ड्रॉपप्लेट्स) से फैलता है, इसलिए किसी कोरोना संक्रमित व्यक्ति के खांसने तथा छिकते समय सामने वाले स्वस्थ व्यक्ति को उससे चार मीटर की दूरी बना लेनी चाहिए।

☞ यह धारणा गलत है कि थर्मल स्कैनर से कोरोना संक्रमित व्यक्ति की पहचान हो जाती है। थर्मल स्कैनर से फायदा यही होता है कि व्यक्ति के शरीर के बढ़े हुए तापमान का बगैर उसके छुए ही पता चल जाता है। कोरोना के जांच के बाद ही पता चलेगा कि कोई व्यक्ति संक्रमित है या नहीं।

☞ यह धारणा गलत है कि निमोनिया के वैक्सिन से कोरोना संक्रमित व्यक्ति का इलाज किया जा सकता है। न्यूमोकोकल वैक्सिन और हीमोफिलस इनफ्लूएंजा टाइप बी वैक्सिन से कोरोना का इलाज नहीं हो सकता है। कोरोना वायरस पूरी तरह से अलग है। अभी तक इसकी दवा नहीं खोजी जा सकी है।

☞ यह धारणा गलत है कि एंटी बायोटिक्स दवा के सेवन से कोरोना ठीक हो जाता है। दरअसल, कोरोना वायरस पर एंटी बायोटिक्स दवा का कोई असर नहीं होता है, इसलिए कोरोना के मरीज को एंटी बायोटिक्स नहीं देना चाहिए।

★ **कोरोना के खिलाफ बहुत ही कारगर**

कोरोना वायरस से किस उम्र में कितना खतरा

आय वर्ग	-	मृत्यु दर
0-9	-	0.2%
9-10	-	0.3%
20-29	-	0.4%
30-39	-	2.0%
50-59	-	2.6%
60-69	-	3.4%
70-79	-	7.6%
80-89	-	14.5%

लगाम है, हांथों की सफाई :- अच्छी सेहत के लिए स्वच्छ और पौष्टिक भोजन जरूरी माना गया है, लेकिन भोजन का स्वच्छ और पौष्टिक होना तब बेइमानी हो जाता है, जब हांथ स्वच्छ न हो। अधिकतर लोग हांथों की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं, जबकि काम करते समय हांथ ही सबसे अधिक सक्रिय रहते हैं। इसलिए हांथ ही सबसे अधिक जीवाणु (वैक्टेरिया), विषाणु (वायरस), किटाणु (वर्मस) और रोगाणु (जर्मस) के सम्पर्क में आते हैं। विभिन्न प्रकार की बीमारियों के संक्रमण में हांथ की भूमिका बहुत ही अहम है। गंदे हांथ में चिपके जीवाणु, विषाणु, किटाणु और रोगाणु समान्यतया खाते समय, नाक पोछते समय और आंख मलते समय हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे में सर्दी, जुकाम और फ्लू जैसी बीमारियों के साथ-साथ कोरोना वायरस भी आसानी से व्यक्ति को अपने चपेट में ले लेता है। बच्चों में निमोनिया और डायरिया जैसी खतरनाक बीमारियां भी गंदे हांथ की वजह से सबसे अधिक होती है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के मुताबिक सही तरीके से हांथ नहीं धोने के कारण 50% बीमारियां होती है। डॉक्टर चाहे कितना भी रगड़कर औषधि युक्त हैंडवाश या अल्कोहल आधारित सेनिटाइजर से हांथ धोए, लेकिन पूरे बैक्टेरिया कभी भी नष्ट नहीं होते हैं। दरअसल, हांथों को पूरी तरह से स्टरलाइज्ड करना संभव नहीं है, इसलिए डॉक्टर ऑपरेशन के पहले हांथों पर अल्कोहल आधारित सेनेटाइजर को लगाने के बाद स्टरलाइज्ड सर्जिकल दस्ताने पहनते हैं। कोशिश यही रहती है कि कम से कम संक्रमण मरीज तक पहुंचे। खासकर, बच्चे खाने के पहले हांथ न धोने की गलती अधिक करते हैं। जबकि स्कूलों में खेल के दौरान सबसे अधिक बच्चों के हांथ ही गंदे होते हैं, इसलिए बच्चे ही सबसे अधिक सर्दी, जुकाम, निमोनिया, फ्लू, डायरिया, जॉण्डिस (पीलिया), उल्टी, भूख की कमी, वर्म (पेट के कीड़े) आदि बीमारियों के शिकार होते हैं। इसके दो कारण हैं-पहला खेलने के बाद बच्चे अक्सर बगैर हांथ धोए ही खाना खाने या नाश्ता करने बैठ जाते हैं तथा यदा-कदा कुछ-कुछ खाते रहते हैं, खासकर ठंड के मौसम में। ठंड के मौसम में बच्चे तो बच्चे, बड़े भी भोजन करने के पहले हांथ धोने से कतराते हैं। दूसरा, बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। एक सर्वेक्षण से पता चला है कि स्कूलों में बच्चों की गैरहाजिरी की सबसे बड़ी वजह वे बीमारियां हैं जो उचित समय पर यानि शौच के बाद, खेलकर आने के बाद और भोजन करने के पहले हांथ नहीं धोने के कारण होती है।

दुनियांभर के तमता डॉक्टरों का मानना है कि औषधियुक्त हैंडवाश से हांथ धोकर भोजन करने से 50% तक पेट की बीमारियों से निजात मिल जाती है। अच्छी तरह से हांथ धोकर भोजन करके मामूली सर्दी-जुकाम से लेकर खतरनाक बुखार और अन्य कई बीमारियों से बचा जा सकता है। हांथ साफ रखने यानि उचित समय पर हांथ धोने से जलजनित मौतें 35% कम हो जाती है। लंदन में हुए एक रिर्सच में अनुमान लगाया गया है कि यदि सभी लोग उचित समय पर हांथ धोने लगे तो हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाया जा सकता है। इसलिए सबों को, खासकर बच्चों को हांथ धोकर भोजन या नाश्ता या कुछ खाने की आदत डालना चाहिए, क्योंकि गली-कुची कही भी खेलने के कारण बच्चों के हांथ सबसे अधिक गंदे होते हैं। ऐसा इसलिए की शौच के बाद और भोजन करने के पहले अच्छे तरह से हांथ धोना ढ़ेर सारी बीमारियों से बचने का रक्षा कवच है। सिर्फ उचित समय पर हांथ धोने से ही हम समान्य सर्दी-जुकाम से लेकर दिमागी बुखार इनसेफलाइटिश, इनफ्लूएंजा और संक्रामक दस्त से बच सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि शौच के बाद सही तरीके से हांथ धोने से डायरिया का खतरा 40% और स्वास्थ संबंधी बीमारियों का खतरा 30% कम हो जाते हैं, इसलिए उचित समय पर हांथ धोने की अहमियत को नजरअंदाज न करे। उचित समय पर हांथों की सफाई पर लगाये गये 15-20 सेकेंड्स आपको और आपके बच्चों को डॉक्टरों के पास चक्कर लगाने से बचा सकते हैं। इसलिए हर कोई, हर रोज उचित समय पर हांथ धोने की आदत को जीवनशैली को शामिल करे।

एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में वायरस और बैक्टेरिया फैलने का सबसे बड़ा कारण गंदे हांथ मिलाना है। न जाने दिनभर हम कई ऐसी वस्तुओं को छुते हैं, खासकर सार्वजनिक स्थलों पर फिर चाहे बस स्टैंड हो, रेलवे स्टेशन हो, हवाई अड्डा हो या सिनेमा हॉल। इसमें एक व्यक्ति से वायरस या बैक्टेरिया उस वस्तु में

चिपक जाते हैं, जिस वस्तु को हम छुते हैं। जब जितने लोग उस वस्तु को छूएंगे तो उनके हांथ उन वायरसों और बैक्टेरिया के सम्पर्क में आ जाते हैं। हाल ही में एमआईटी (अमेरिका) द्वारा किये गये एक रिर्सच से खुलासा हुआ कि सिर्फ 20% लोग ही एयरपोर्ट पर हांथ धोते हैं, जबकि दुनियांभर के एयरपोर्ट विभिन्न देशों के यात्रियों से खचाखच भरा रहता है। अब मान लीजिए की कोई कोरोना वायरस से संक्रमित या किसी अन्य बीमारी से संक्रमित है और वह एयरपोर्ट पर या हवाई जहाज के अंदर खांसता है या छिकता है, फिर अपने मुंह को ढ़कने के लिए रूमाल या टिसू पेपर का इस्तेमाल करता है और फिर उसी हांथ से न जाने कितनी वस्तुओं को छूता है तो अन्य व्यक्ति उस दुषित वस्तुओं के सम्पर्क में आ जाते हैं, जो लाजिमी है। ऐसे में वह व्यक्ति भी वस्तु पर चिपके वायरस और बैक्टेरिया के चपेट में आ जायेगा। बहुत ही तेजी से फैलने वाले कोरोना वायरस का विस्तार पूरी दुनियां में हांथ की सफाई का नजरअंदाज करने से हुआ है, गंदे हांथ मिलाने के कारण हुआ है। जो आम तौरपर दुनियां भर के एयरपोर्ट पर देखने को मिलता है।

इसलिए हमारी जो अभिवादन की भारतीय संस्कृति है, उसे दुनियां भर के सभी व्यक्तियों को अपनाना चाहिए। अब अपनाना शुरू भी कर दिया गया है। इसलिए किसी से मिले तो हांथ मिलाने के बजाये दोनो हांथ जोड़कर नमस्ते करे। कोरोना के डर से सुपर पावर अमेरिका का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति डोनाल्ड ट्रंप भी अब हांथ मिलाने से परहेज कर लिये हैं और अभिवादन करने का भारतीय तरीका नमस्ते को अपना लिये हैं, यह है भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता।

विश्व स्वास्थ संगठन ने हांथों की अच्छी सफाई के लिए अल्कोहल आधारित सैनिटाइजर को मुफीद बताया है। इसके क्या कारण है, मुझे पता नहीं। पर मेरे देखे ऐसा लगता है कि ऐसे सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने पर पानी की जरूरत नहीं पड़ती है, क्योंकि सैनिटाइजर लगाते ही हांथ सूख जाते हैं। वैसे भी बेतहाशा बढ़ी हुई आबादी के चलते पूरी दुनियां में आज पानी की भारी किल्लत हो गई है, फिर भी हम मानते नहीं, खासकर ज्यादातर भारतीय। तो, लगातार रॉकेट की स्पीड से आबादी बढ़ाते ही चले जा रहे हैं। भलेइ ही करोड़ां भारतीय सड़कों पर जिंदगी बसर करते हो, खाने को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन न मिलता हो, लेकिन बच्चा पैदा करने की फैक्ट्री बने हुए हैं। दूसरा हैंडवाश से हांथ धोने के बेसिन के पास दो तौलिए लटकाने की जरूरत पड़ती है। ऐसा इसलिए कि एक तौलिया गंदा हो जाये तो पानी से गीले हांथ को सुखाने के लिए दूसरी तौलिए का इस्तेमाल किया जा सके। लेकिन, अल्कोहल आधारित सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने पर तौलिया रखने की समस्या से निजात मिल जाता है। तीसरा मोबाइल पर बहुरंगी वीडियो पर लुफ्त उठाने के लिए खूब समय मिलता रहे, लेकिन हांथों की सफाई का सबसे अच्छा साधन है औषधियुक्त हैंडवाश। क्योंकि हांथों पर रखते ही इससे बहुत अधिक मात्रा में झाग पैदा हो जाता है जो हांथों की समुचित सफाई के लिए जरूरी है। झाग को अच्छी तरह से दोनो हांथों पर लगाये और अंगुलियों की बीच की पोर तथा नाखूनों के भीतर तक दोनों हांथों से मिला-मिलाकर कम से कम 15-20 सेकेंड तक रगड़े और तब साफ पानी से हांथ धोकर सूखी तथा साफ तौलिया से पोछ ले।

शौच करने के बाद और भोजन करने के पहले हांथ जरूर धोए; खेलने के बाद बच्चे हांथ जरूर धोए; किसी गंदी वस्तु को छूने, उठाने और रखने के बाद हांथ अवश्य धोएं; गाय, भैंस और बैल का गोबर तथा घोड़े, ऊँट और बकरी का विष्ठा उठाने के बाद हांथ अवश्य धोएं; किसी बीमार की खिदमतगारी करने के बाद हांथ जरूर धोएं; पालतू जानवरों के साथ मन बहलाने के बाद हांथ अवश्य धोएं; इत्यादि।

☆ **शाकाहार कोरोना से निपटने में कारगर है :-** इंसान को स्वभाविक रूप से शाकाहारी होना चाहिए, क्योंकि पूरा मानव शरीर शाकाहारी भोजन के लिए बना है। वैज्ञानिक भी इस तथ्य को मानते हैं कि मानव शरीर का सम्पूर्ण ढ़ांचा दिखता है कि आदमी को मांसाहारी नहीं होना चाहिए। डार्बिन के सिद्धांत के अनुसार आदमी बंदरों से आया है और बंदर पूर्ण शाकाहारी होते हैं। अगर डार्बिन सही हैं तो इंसानों को शाकाहारी ही होना चाहिए। जांच करने का सही तरीका आदमी और मांसाहारी जानवरों के आंतों की लम्बाई पर निर्भर करता है। मांसाहारी पुरूषों के पास बहुत छोटी आंत होती है, जैसे-बाघ, शेर,

तेंदुआ, चीता, इत्यादि। क्योंकि मांस को पचाने के लिए लंबी आंत की जरूरत नहीं पड़ती है। आदमी की आंत सबसे लंबी होती है, क्योंकि उसे लंबी पाचन क्रिया की जरूरत है और उसके शरीर में अधिक मात्रा में मल-मूत्र बनता है, जिसे बाहर निकालना होता है। इसका मतलब है कि इंसान शाकाहारी है, लेकिन यदि आदमी मांस खाता है तो अधिक मात्रा में मलमूत्र नहीं बनता, जिससे शरीर बोझिलइ हो जाता है। फिर लंबी आंत होने के कारण लंबे समय तक आंतों में मांस सड़ता रहता है, जिससे वायरस से संक्रमित होने की आशंका ज्यादा रहती है। इसलिए इंसानों को शाकाहारी भोजन करना चाहिए। इससे साबित हो जाता है कि भारतीय भोजन को अपनाने से कोरोना या किसी अन्य वायरस से निपटने में सहायता मिलती है। इसलिए वैज्ञानिक कहते हैं कि कोरोना के संक्रमण से बचने के लिए इंसान को मांसाहार त्याग देना चाहिए और शाकाहार अपना लेना चाहिए। वैज्ञानिक शोधों में भी यह बात सामने आयी है कि मांसाहारी व्यक्ति के मुकाबले शाकाहारी व्यक्ति अधिक शक्तिशाली होता है तथा मासांहारी व्यक्ति के मुकाबले शाकाहारी व्यक्ति अधिक दिनों तक जीता है। अर्थात् मांसाहारी व्यक्ति के मुकाबले शाकाहारी व्यक्ति की उम्र अधिक लंबी होती है।

★ कोरोना से सुरक्षित रखने और दूसरो को सुरक्षित रखने के उपाय :-

क्या करें? :-

☞ हम सबों को उचित समय पर अच्छी तरह से हांथ धोने की आदत डालनी चाहिए।

☞ किसी भी वायरस के संक्रमण से बचने का सबसे अच्छा उपाय है साफ-सफाई। विशेषकर, अस्तपतालों को तो साफ-सुथरा रखना ही चाहिए। लेकिन, हमारे देश में खासकर बिहार में अस्पतालों की हालत बहुत ही दयनीय है। यानि अस्पताल जगह-जगह पर गंदगी से इतने पटे हैं कि वहां स्वस्थ आदमी भी बीमार पड़ जाये। लेकिन, अस्पताल और अस्पताल के परिसर; घर के किचेन और बाथरूम; सब्जी और फल बाजार तथा मांस-मछली के बाजार; रेलवे स्टेशन, बस अड्डा और हवाई अड्डा; पोस्ट ऑफिस तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर साथ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही नहीं है। एक जिम्मेदार नागरिक की दृष्टि से देखे तो हमारी भी बनती है। इसलिए हम सभी को सरकार के साथ मिलकर यह जिम्मेदारी कंधे से कंधा मिलाकर निभानी चाहिए।

☞ जो लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं, उन्हें मास्क पहनना चाहिए। लेकिन, मास्क पहनने के पहले चेहरे को साबुन से अच्छी तरह धो ले। मास्क को बार-बार न छुए। कोशिश करे कि पास में आठ-दस मास्क हो। एक ही मास्क का इस्तेमाल दोबारा न करे। एक मास्क का अधिक से अधिक छः से आठ घंटे तक ही करें। जब मास्क बदले, उसका निष्पादन ऐसी जगह करें कि जिससे कोई दूसरा व्यक्ति संक्रमित न हो।

☞ जो लोग कोरोना वायरस से संक्रमित है, उनसे कम से कम एक मीटर की दूरी बनाये रखे। यदि वह खांस या छिक रहा हो तो उससे चार मीटर दूर हो जाये। क्योंकि खांसते और चिखते वक्त मुंह से ढ़ेर सारे पानी की नन्ही-नन्ही बुंदकियां निकलती है जो स्वस्थ व्यक्ति के संक्रमित होने की वजह बनती है।

☞ अगर आप मॉल या बड़ी दुकान में जाकर ढ़ेर सारी खरीददारी कर रहे हैं तो डिजीटल पेमेंट करने की कोशिश करे, कैश का लेन-देन यथासंभव कम से कम करे।

☞ खांसते अथवा छिकते समय टिसू पेपर या रूमाल का इस्तेमाल करे और इस्तेमाल किये गये टिसू पेपर को कुड़ेदान में ही फेंक दे।

☞ एक-दूसरे का अभिवादन हांथ मिलाने के बजाय, हांथ जोड़कर नमस्ते करके कहे। यदि टिसू पेपर न हो तो बाजू का इस्तेमाल करे।

☞ विदेश यात्रा से लौट रहे हैं और शरीर में बदलाव महसूस कर रहे हैं तो तुरंत स्थानीय स्वास्थ विभाग को सूचित कर जानकारी दे और इलाज कराये।

☞ लिफ्ट के बटन का इस्तेमाल चौबिसों घंटे ढ़ेर सारे लोग करते रहते हैं। जरूरी नहीं है कि सभी की अंगुली साफ हो इसलिए लिफ्ट का बटन दबाने के लिए अंगुली के बजाये पेन का इस्तेमाल करे।

☞ अगर आपको बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें। डॉक्टर से मिलने के दौरान अपने मुंह पर मास्क लगाये रखे।

☞ यदि आपने कोरोना का लक्षण दिखे तो तुरंत बिहार में टॉल फ्री नंबर **104** अथवा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय टॉल फ्री नंबर **+91-11-23978046** पर सम्पर्क कर सकते हैं, जो चौबिसों घंटे उपलब्ध रहता है।

☞ किसी भी कोरोना संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने के बाद हांथ और मुंह को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें।

☞ तौलियां या अंदर पहने जाने वाले वस्त्र (अंडर गार्मेन्ट्स) जैसे-गंजी, कछिया, मोजा, आदि

अपने-अपने इस्तेमाल में लाये।

☞ टूथब्रश, कंघी, इत्यादि भी अपने-अपने प्रयोग में लाये।

☞ वाश बेसिन में नाक और गला साफ करने के बाद तुरंत पानी गिराकर साफ कर दे।

☞ घर में पालतू जानवर हो तो यथासंभव उससे दूरी बनाये रखे। जब भी कोई पालतू जानवर, जैसे कोई कुत्ता किसी व्यक्ति के किसी अंग पर अपनी जिभ फेरे या लार लगा दे, तो उस अंग को औषधीयुक्त हैंडवाश से जरूर धोएं।

☞ कोरोना के मरीज और स्वस्थ व्यक्ति के कपड़े झाड़ने वाला ब्रश भी अलग-अलग होना चाहिए।

☞ परिवार के किसी भी व्यक्ति के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की सूरत में उनका देखभाल करने वाले व्यक्ति भी संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। इसलिए कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति से हमेशा कम से कम एक मीटर की दूरी बनाये रखे। वायरस से संक्रमित मरीज को छिक आने की सूरत में सामने खड़े व्यक्ति बचने का विशेष प्रयास करे। कोशिश करे कि संक्रमित व्यक्ति को अलग एक रूम में रखेऔर कमरे में रखने के पहले रूम को अच्छी तरह से सैनिटाइज्ड कर ले।

☞ कोरोना से संक्रमित व्यक्ति के इस्तेमाल में आये चादर, तौलियां, तकिया का खोल, रूमाल, गंजी, कछिया, मोजा, इत्यादि सभी कपड़ों को रोज बदले और उसके इस्तेमाल में आये सभी कपड़ों को अलग धोएं। कभी भी स्वस्थ व्यक्ति के कपड़ों के साथ न धोएं।

☞ कोरोना के मरीज को अनाज और सब्जी भी धोने के बाद अच्छी तरह से पकाकर खाने को देना चाहिए।

☞ कोरोना के मरीज को पूर्ण आराम करना चाहिए।

☞ कोरोना के मरीज को हल्का मगर सुपाच्य, पौष्टिक तथा ताजा भोजन कराना चाहिए।

☞ कोरोना के मरीज को खाने के पहले और खाने के बाद औषधियुक्त हैंडवाश से हांथ को अच्छी तरह धोना चाहिए। शौच के बाद मरीज को हैंडवाश से हांथ धोना चाहिए।

☞ कोरोना के मरीज के विस्तर के चारों कोनों पर नीम की ताजी पत्तियों के गुच्छे रखना चाहिए। मरीज के कमरे के दरवाजे के दोनो ओर नीम की ताजी पत्तियों के गुच्छे को टांग देना चाहिए नीम की पत्तियों को नित्य ताजी पत्तियों से बदलते रहना चाहिए। दरअसल, नीम की पत्तियों में नीमबिन नामक रसायन मौजूद रहता है, जिसकी गंध वायरस और बैक्टेरिया को पसंद नहीं आती है, इससे वायरस मरीज से दूर भाग जाते हैं।

☞ कार्यस्थल को स्वच्छ रखे। कार्यस्थल पर औषधियुक्त हैंडवाश या अल्कोहल आधारित सैंटिलाइजर और टिसू पेपर अवश्य रखे।

☞ हर व्यक्ति को अपने पास कुछ ज्यादा ही टिसू पेपर रखना चाहिए। जिससे कि खांसी या जुकाम की स्थिति में अपने साथी को उपलब्ध करा सके।

☞ कार्यस्थल पर रोजाना उपयोग में आने वाली वस्तुएं, जैसे- कम्प्यूटर का की-बोर्ड, माउस आदि को साफ करने के बाद ही काम प्रारंभ करे।

☞ यदि संभव हो तो सहकर्मी को फोन या मेल की जरीय घर से काम करने की सुविधा दे सकते हैं तो अवश्य दें।

☞ यथासंभव घर के बने गर्म, ताजा, सुपाच्य और पौष्टिक भोजन का सेवन करे। भोजन में मिर्च, गोलमिर्च और अदरख को शामिल कर लें।

☞ थोड़ी-थोड़ी देर पर गर्म पानी पीते रहे।

☞ कोरोना से संक्रमित होने के भय से उत्पन्न तनाव की स्थिति में स्वस्थ जीवनशैली का पालन करे। पर्याप्त नींद, खान-पान और सूक्ष्म व्यायाम करे। मन बहलाने के लिए फोन और ई-मेल के जरीये लोगों से सम्पर्क कर सकते हैं।

★ **क्या न करें?:-**

☞ अपनी आँखों, नाक, मुंह और चेहरे को छूने से यथासंभव बचे। कई लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार चेहरे को छूते हैं। हांथ की अंगुली के नाखून को दांत से काटते हैं। नाक में अंगुली डालते रहते हैं और करेंसी नोट को गिनते समय अंगुली को जिभ में बार-बार सटाते रहते हैं।

☞ सार्वजनिक स्थान पर बिल्कुल ही नहीं थूके। नाक से बहने वाले पानी, बलगम और थूक को जगह-जगह न फैलाये।

☞ यदि कोरोना वायरस से संक्रमित हैं तो एंटिबायोटिक दवाओं का सेवन न करें, क्योंकि एंटीबायोटिक दवाओं का वायरस पर कोई असर नहीं होता है।

☞ यथासंभव भीड़ वाले इलाकों में जाने से बचे।

☞ मांसाहार को त्याग दे। यदि आदत के गुलाम हैं तो चिकेन और अंडा के बजाये ताजा मटन और मछली का सेवन कर सकते हैं। लेकिन मांस और मछली अच्छी तरह से पके होने चाहिए। मटन खाने के बाद उसके बहुत ही छोटे-छोटे टुकड़े अक्सर दांतों के बीच फंस जाते हैं, इसलिए मटन खाने के तुरंत बाद दो दांतों के बीच फंसे मांस के टुकड़े को टूथपिक (दंतखोदनी) से निकालकर मुंह को साफ अवश्य कर लें।

☞ यदि बीमार हैं तो किसी भी भीड़-भाड़ वाले स्थान पर जाने से परहेज करे। यदि शामिल होना जरूरी हो तो मास्क लगाकर शामिल हो। खांसी और जुकाम की स्थिति में जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल हेतु टिशू पेपर अवश्य रख लें।

☞ कोरोना वायरस ठंढ़ के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। लिहाजा, ठंडी चीजे, जैसे-आईसक्रीम और कुल्फी खाने से तथा कोल्डड्रिंक पीने से परहेज करें।

☞ हांथ कई अंगों तथा वस्तुओं के सम्पर्क में बार-बार आता रहता है और हर बार हांथों का सैनिटाइजेशन करना अथवा हैंडवाश से धोना संभव नहीं है। इसलिए बार-बार आंख, नाक और मुंह को छुने से बचे, अन्यथा कोरोना वायरस हांथ के माध्यम से शरीर के अंदर प्रवेश कर सकता है।

☞ कोरोना के संक्रमण के भय से तनाव पैदा

होना लाजमी है। लेकिन तनाव से निपटने के लिए दवाओं, धूम्रपान और शराब का सेवन न करे। ज्यादा तनाव की स्थिति में काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

★ **रोगों से मुक्ति का अद्वितीय साधन है यज्ञ :-** बैक्टेरिया और वायरस जनित किसी भी बीमारी से मुक्ति का अद्वितीय साधन है यज्ञ। यज्ञ की सबसे बड़ी विशेषता है कि जहां भी नियमित रूप से यज्ञ किया जाता है, वहां के आसपास के वातावरण को रोग पैदा करने वाले बैक्टेरिया और वायरस से मुक्त कर देता है। इससे लोगों की सेहत पर रोग फैलाने वाली बैक्टेरिया और वायरसों से हानि पहुंचने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता है। आज लोग सार्वधिक परेशान हैं, एलर्जी से। हर व्यक्ति को किसी न किसी चीज से एलर्जी है, चाहे कोई खाने वाल पदार्थ हो या पीने वाला पदार्थ हो या शरीर में लगाने वाला कोई पदार्थ हो या कोई गंध वाला पदार्थ हो या धूलकण। इसलिए आज 90% लोग किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त रहने लगे हैं। ऐसे में रोगों से मुक्ति का अद्वितीय साधन है यज्ञ। आज यदि पूरे विश्व से मनुष्यों द्वारा मांसाहार समाप्त हो जाये और प्रत्येक घर में नित्य या थोड़े-थोड़े अंतराल पर यज्ञ किया जाने लगे तो पूरी दुनियां में अस्पतालों की संख्या नगण्य हो जायेगी। दरअसल, यज्ञ का उद्देश्य ही है जीवन को रोगमुक्त कर सुख और शांतियुक्त आनंदमय बना देना।

★ **बीमारी के मुख्य कारण :-** बीमारी के निम्नलिखित मुख्य कारक है-

☞ सफाई की कमी।

☞ प्रदूषित वातावरण।

☞ तामसिक भोजन। जिसमें मांसाहार सबसे अधिक रोगाणुओं को फैलाने का काम करता है। मनुष्य का आहार-विहार जितना प्राकृतिक और सात्विक होगा, उनका जीवन उतना ही स्वस्थ और सुखमय होगा।

☞ आधुनिक जीवन पद्धती। जिसमें सुबह देर से जगना, रात में देर से भोजन करना और रात में देर तक जगे रहना। अधिक समय तक मोबाइल और टीवी से चिपके रहना।

☞ शारीरिक श्रम न करना।

☞ नियमित व्यायाम न करना।

☞ रात में भोजन करने के बाद कुछ देर न टहलना।

☞ स्वाध्याय न करना।

☞ मन को खुशी बनाने के अवैज्ञानिक कुछ नये अनुसंधान करके प्रकृति से छेड़छाड़ करते रहना।

☞ यज्ञ न करना।

☞ जनसंख्या विस्फोट। ऐसा इसलिए कि बेतहाशा

बढ़ती आबादी ने जीवन जीने के हर ताना-बाना को छिन्न-भिन्न कर दिया है।

★ **वायरसजन रोगों से मुक्ति का अद्वितीय साधन है यज्ञ :-** किसी भी वायरस को रोकने के लिए जरूरी है हवा, पानी और जमीन स्वच्छ बनी रहे। लेकिन, जबसे विश्व में यज्ञ परंपरा समाप्त हुई है तभी से पूरे विश्व में अनेक प्रकार के शारीरिक और मानसिक रोग बढ़ गये हैं। इसलिए वेदों में यज्ञ का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। यज्ञ द्वारा सभी बीमारियों को दूर करने का विधान है। इसलिए चिकित्सा पद्धती के रूप में यज्ञ का भी प्रयोग किया जाता रहा है। इससे क्या-क्या लाभ हो सकते हैं, इस विषय पर अनेक अनुसंधान समय-समय पर होते रहे हैं। उत्तराखण्ड के हरिद्वार स्थित पतंजलि योग संस्थान, बिहार के मुंगेर स्थित योग संस्थान, अमेरिका के वाशिंगटन डीसी शहर स्थित फाईव फील्ड पाथ नामक संस्थान ने अग्नियोत्री युनिवर्सिटी स्थापित करके, ब्रिटेन और जर्मनी स्थित योग संस्थानों आदि जगहों पर यज्ञ से जुड़े अनुसंधान कार्य किये गये हैं और आज भी किये जा रहे है।

★ **रोगों से कैसे मुक्ति दिलाता है यज्ञ? :-** एक छोटी सी लाल मिर्च को जब सूंघा जाये तो कुछ महसूस नहीं होता है, लेकिन जलने पर इसकी तीक्ष्ण गंध का प्रभाव वातावरण में दूर-दूर तक पहुंचकर सभी को छिंक-खांसी से परेशान कर देती है। इसी प्रकार धूप यानि धूप की लकड़ी, गाय का घी, गुगूल, धोना, कपूर आदि मिलाकर तैयार की गई हवन सामग्री को जब हवन कुंड में डाला जाता है तो हवन कुंड में डाला गया ये हवन सामग्री आग में जलकर उनकी गंध आसपास के वातावरण में पैदाकर वातावरण को स्वच्छ, शुद्ध, रोगमुक्त और पवित्र बना देती है। रोग नाशक गुण से युक्त गंध श्वसन द्वारा शरीर में प्रविष्ट कर रोग के किटाणुओं के विरूद्ध अपना कार्य करके उन्हें नष्ट कर देती है, जिससे रोगी स्वस्थ हो जाता है। दरअसल, प्रकृति का यह नियम है कि जब कोई पदार्थ आग में डाला जाता है तो उसका नाश नहीं होता। उस पदार्थ का गुण उसकी गंध के रूप में कई गुणा प्रभावी बनकर आसपास के वातावरण में फैल जाता है, जो वातावरण में मौजूद विषैले किटाणुओं को मारने या भगाने का काम करती है। यज्ञ के हवन कुंड में डाले जाने वाले पदार्थ की गंध हवा में परिवर्तित होकर अतिसूक्ष्म होने के कारण वातावरण में तेजी से फैलकर अपनी शक्ति से वहां मौजूद विषैले रोगाणुओं को बहुत जल्दी क्षिन्न-भिन्न कर नष्ट कर देती है। हवन में प्रयोग होने वाली सामग्री को जलाने के लिए आम की लकड़ी की समिधा उत्तम होती है। जो लोग यज्ञ की विधि नहीं जानते हैं, उन्हें पुरोहित को बुलाकर साधारण यज्ञ की विधि सिखनी चाहिए, जिससे की प्रतिदिन अपने आप यज्ञ कर सके। यज्ञ, मंत्रोच्चारण के साथ-साथ करने पर काफी प्रभावी हो जाता है, क्योंकि हवन से उत्पन्न गंध को मंत्र की शक्ति का साथ मिल जाता है। कोई भी काम को अच्छे से करना चाहिए, इसलिए यज्ञ भी मंत्रोच्चारण के साथ करना चाहिए। वैसे बिना मंत्रों के भी हवन करने पर हवन कुंड से उत्पन्न गंध ऐसी विषैली गैसों को भगा देती है, जो मानव जीवन के लिए खतरा बन जाती है। इसलिए हर घर में सप्ताह में कम से कम एक दिन तो हवन किया जाना ही चाहिए। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट :www.psfsm.in

महिलाओं के जख्म कुरेदने का दिवस को महिला दिवस

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

मजदूर, कामगार और कामकाजी महिलाओं के नाम एक दिवस आता है और हम अपने आप को समूचा उड़ेल देते हैं, नारों, भाषणों, सेमिनारों और आलेखों में। बड़े-बड़े दावे, बड़ी-बड़ी बातें। यथार्थ इतना क्रूर कि एक कोई घटना तमाचे की तरह गाल पर पड़ती है और फिर बेबस और असहाय खुद को समझने लगते हैं। जी हाँ, हम बात कर रहे हैं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की। महिला दिवस सभी महिलाओं के लिए अस्मिता दिवस है, या यूं कहे कि गरिमा दिवस या फिर जागरण दिवस ही कह लीजिए। उन जुझारू और जीवट महिलाओं की स्मृति में मनाया जाने वाला दिवस जो काम के घंटे कम किए जाने के लिए संघर्ष करती हुई शहीद हो गईं। इतिहास में महिलाओं द्वारा प्रखरता से दर्ज किया गया वह पहला संगठित विरोध था। फलत: 8 मार्च नियत हुआ महिलाओं की उस अदम्य इच्छाशक्ति और दृढ़ता को सम्मानित करने के लिए। जब ये महिलाएं फेमिनिस्ट होती हैं तब जोश और संकल्पों से लैस हो दुनियां को बदलने निकल पड़ती हैं। किन्तु अपने ही आसपास की सिसकतीं, सुबकतीं, स्वयं को संभालतीं खामोश महिलाएं पता नहीं दिखाई क्यों नहीं देती? न जाने कितनी शोषित, पीड़ित और व्यथित नारियां हैं, जो मन की अथाह गहराइयों में दर्द के समुद्री शैवाल छुपाए हुए हैं।

गौरतलब है कि आजाद वही है जिसका अपना कोई सोच हो। कब-कब, कहां-कहां, कैसे-कैसे छली और तली गईं महिलाएँ। समाज में अक्सर यह महसूस किया गया है कि मन, कर्म और वचन से प्रताड़ित महिलाएं मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक- असामाजिक कुरीतियों, विकृतियों की शिकार हो रही है। सामाजिक ढांचे में छटपटातीं, कसमसातीं औरतें, जिन्हें कोई देखना या सुनना शायद पसंद नहीं करता। तो, सवाल है कि आखिर क्यों इन महिलाओं को एक दिन जगाने का प्रयास किया जाता है और अगर जागना ही है तो क्यों न जागें हर दिन, हर पल अपने आपके लिए। मैं यह नहीं कहता कि 8 मार्च का दिन नहीं मनाएं, लेकिन महिला दिवस सही अर्थों में तब होता है जब सुनीता विलियम सितारों की दुनियां में मुस्कुराती हुई विचरण करती हैं। तब जब तमाम प्रभावों का इस्तेमाल करने के बाद भी कोई मनु शर्मा सलाखों के पीछे चला जाता है और एक लड़ाई जीत ली जाती है। मगर तब महिला दिवस किसी श्राद्ध की तरह लगता है। जब नन्ही-सुकोमल बच्चियां निम्न स्तरीय तरीके से छेड़छाड़ की शिकार होती हैं। शर्म आती है इस दिवस को मनाने से जब धन्वंतरि जैसी सास किसी हॉरर शो की तरह बहू के टुकड़े कर डालती है और एक समय विशेष के बाद खबर एक राजनीतिक चादर में गठरी बनाकर न जाने कौन से बगीचे के कोने में फेंक दी जाती है। जाने कहां चले जाते हैं वे मंचासीन सफेदपोश, जो भूमि के फोटो को माला पहनाकर खुद माला पहन कार का शीशा चढ़ाकर धुआं छोड़ते दिखाई दिए थे। पहले उस राजनीतिक चादर की गठरी खोलनी होगी, जिसमें नारी जाति की अस्मिता टुकड़े करके रखी गई है। नन्ही बालिकाएं अभी समझ भी नहीं पाती हैं कि उनके साथ हुआ क्या है और शहर का मीडिया खबर के बहाने रस लेने दौड़ पड़ता है। कितना गिर गए हैं हम और अभी कितना गिरने वाले हैं। रसातल में भी जगह बचेगी या नहीं? एक अजीब-सा तर्क भी उछलता है कि महिलाएं स्वयं को परोसती हैं तब पुरुष उसे छलता है। या तब पुरुष गिरता है। सवाल यह है कि पुरुष का चरित्र इस समाज में इतना दुर्बल क्यों है? उसके अपने आदर्श, संस्कार, मूल्य, नैतिकता, गरिमा और दृढ़ता किस जेब में रखे सड़ रहे होते हैं? सारी की सारी मर्यादाएं देश की सीताओं के जिम्मे क्यों आती हैं, जबकि राम के नाम पर लड़ने वाले पुरुषों में मर्यादा पुरुषोत्तम की छवि क्यों नहीं दिखाई देती? पुरुष चाहे असंख्य अवगुणों की खान हो, स्त्री को अपेक्षित गुणों के साथ ही प्रस्तुत होना होगा। यह दोहरा दबाव क्यों और कब तक? एक सहज, स्वतंत्र, शांत और सौम्य जीवन की हकदार वह कब होगी? स्त्री इस शरीर से परे भी कुछ है, यह प्रमाणित करने की जरूरत क्यों पड़ती है? वह पृथक है, मगर इंसान भी तो है। उसकी इस पृथकता में ही उसकी विशिष्टता है। वह एक साथी, सहचर, सखी, सहगामी हो सकती है लेकिन क्या जरूरी है कि वह समाज के तयशुदा मापदंडों पर भी खरी उतरे? स्त्रियों के हालात सिर्फ हमारे देश में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में ही बेहतर नहीं हैं। झूठे आंकड़ों के डंडों से बेहतरी का ढोल पीटा जा रहा है।

सनद् रहे कि अमेरिका जैसे तथाकथित सभ्य देश में हर 15 सेकंड में एक महिला अपने पति द्वारा पीटी जाती है। भारत जैसे संस्कारी राष्ट्र में हर 7 मिनट में महिलाओं के विरुद्ध एक अपराध होता है। हर 54वें मिनट में एक बलात्कार होता है। जहां आंकड़े दिल दहलाने वाले हैं, वहीं आंकड़ों के पीछे का सच रूला देने वाला है। बशर्ते हममें संवेदनशीलता का अहसास बूंदभर भी बचा हो। घरेलू हिंसा कानून जैसे कानून बनते रहे, मगर सच यह है कि हममें कानून तोड़ने की क्षमता अमलीकरण से ज्यादा है। बहुत मन होता है कि दिवस के बहाने कुछ सकारात्मक सोचें, मगर जब चारों ओर बलात्कार, अपहरण, हत्या, आत्महत्या, छेड़छाड़, प्रताड़ना, शोषण, अत्याचार, मारपीट, भ्रूण हत्या और अपमान के आंकड़े बढ़ रहे हों तो महिला प्रगति किन आंखों से देखें। महिलाओं के प्रेरणादायी चरित्र गिनाए जा सकते हैं, मगर कैसे भूल जाएं हम उस भारतीय स्त्री को जो गांवों और मध्यमवर्गीय परिवारों की रौनक है, लेकिन रोने को मजबूर है। महानगरों में रंगीन वस्त्रों में थिरकती-झूमती, क्लबों में खेलती-इठलाती महिलाएं तो कतई स्वतंत्र नहीं कहीं जा सकतीं। जिनकी अपनी कोई सोच या दृष्टिकोण नहीं होता, सिवाय इसके कि मैच के बूंदे और सैंडिल कहां से मिल सकेंगे। बजाय इसके स्वतंत्र और सक्षम मान सकते हैं उस महिला को जो मीलों कीचड़ भरा रास्ता तय कर के ग्रामीण अंचलों में पढ़ाने या प्रशिक्षण देने के लिए पहुंचती है। हम नमन कर सकते हैं उस महिला जिजीविषा को जो कचरा बीनते हुए पढ़ने का ख्वाब बुनती है और एक दिन अपना कम्प्यूटर सेंटर संचालित करती

है। मसाला, पापड़, वॉशिंग पावडर जैसी छोटी-छोटी चीजें बनाती है और कर्मशीलता का अनूठा उदाहरण पेश करती है। हम महिला दिवस मना सकते हैं उन साधारण महिलाओं की साधारण उपलब्धियों के लिए जो असाधारण हैं। महिला दिवस मनाया जाए उन तमाम मजदूर, कामगार और कामकाजी महिलाओं के नाम, जो सीमित दायरों में संघर्ष और साहस के उदाहरण रच रही हैं। एकदम सामान्य, नितांत साधारण मगर सचमुच असाधारण, अद्वितीय। वे महिलाएं जो तमाम विषमताओं के बीच भी टूटती नहीं हैं, रुकती नहीं हैं, झुकती नहीं हैं। अपने-अपने मोर्चों पर डटी रहती हैं बिना थके। सम्माननीय है वह भारतीय नारी, जो दुर्बलता की नहीं प्रखरता की प्रतीक है। जो दमित हैं, प्रताड़ित हैं उन्हें दया या कृपा की जरूरत नहीं है, बल्कि झिंझोड़ने और झकझोरने की आवश्यकता है। वे उठ खड़ी हों। चल पड़ें विजय अभियान पर। विजय इस समाज की कुरीतियों पर, बंधनों पर और अवरोधों पर और इसका जीता जागता उदाहरण है कि विश्व के सभी क्षेत्र, चाहे सेना हो, कृषि हो, विज्ञान हो या फिर उद्योग जगत। इन तमाम क्षेत्रों में इन्होंने अपना परचम लहरा रखा है। इसी कड़ी में भारतीय मूल की महिलाओं द्वारा विभिन्न कार्य क्षेत्रों में दे रहे योगदान पर प्रकाश डालते हैं :-

✯ **सशस्त्रं बलों में महिलाएं :-** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को हर वर्ष 8 मार्च को दुनियां भर में मनाया जाता है ताकि महिलाओं की उपलब्धियों को राष्ट्रीय, जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, आर्थिक अथवा राजनीतिक आधार पर बिना किसी भेदभाव के पहचान दिलाई जा सके। यह उन महिलाओं की प्रगति की झलक दिखाने, बदलाव के लिए आह्वान करने और साहसिक कार्यों एवं दृढ़ संकल्पों को मनाने का अवसर प्रदान करता है जिन्होंने अपने देश और समुदाय के इतिहास में असाधारण भूमिका निभाई है।

✯ **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 का विषय:-**

☞ **आई एम जेनेरेशन इक्वैलिटी :-** आई एम जेनेरेशन इक्वैलिटी 'रियलाइजिंग वुमेंस राइट्स' है। यह विभिन्न पीढ़ियों की महिलाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र के बहुपीढ़ी अभियान 'जेनेरेशन इक्वैलिटी' से संबद्ध है जो बीजिंग डिक्लेरेशन एंड प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन की 25वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। साथ ही यह अभियान पूरी दुनियां में लड़कियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सबसे अधिक प्रगतिशील रूप-रेखा तैयार करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार महिला सशक्तिकरण को काफी महत्व देती है और वह महिलाओं को पुरुषों के समान अवसर प्रदान करने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू की गई योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' महिलाओं को सभी मंचों पर सशक्त बनाने के लिए सरकार के संकल्प का एक प्रमुख उदाहरण है। सरकार के इसी दृष्टिकोण के अनुरूप रक्षा मंत्रालय ने विभिन्न विभागों और क्षेत्र संचालनों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में महिलाओं को और सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री के संकल्प पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण प्रधानमंत्री नरेन्द्रे मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का प्रमुख विषय रहा है। समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक नीतियां और कार्यक्रम तैयार किये गये हैं। हम अपने सशस्त्र बलों में 'स्त्री शक्ति' को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सेना चिकित्सा कोर (एएमसी), आर्मी डेंटल कोर (एडीसी) और सैन्य नर्सिंग सेवा (एमएनएस) सहित रक्षा सेवाओं में महिला अधिकारियों की कुल संख्या-10247 है। सेना में 01 जुलाई, 2019 के अनुसार महिला अधिकारियों की संख्या- 6,868 थी, जबकि वायु सेना में 01 नवंबर, 2019 तक महिला अधिकारियों की संख्या-2,302 थी। इसी प्रकार, नौसेना में 15 नवंबर 2019 के अनुसार महिला अधिकारियों की संख्या-1,077 है। वही व्यक्तिगत तौरपर महिला अधिकारियों के कुछ शानदार उदाहरण से पता चलता है कि देश की सुरक्षा के लिए युद्ध के मोर्चे पर भी महिला अधिकारी किसी से पीछे नहीं हैं। शायद कुछ ही लोगों को यह ज्ञात होगा कि स्क्वाड्रन लीडर मिन्टी अग्रवाल फाइटर कंट्रोलर के तौरपर बालाकोट हवाई हवाई हमले पर नजर रख रही थीं। दुश्मन को अविस्मरणीय सबक सिखाने वाले ऑपरेशन के दौरान शानदार प्रदर्शन उन्हें युद्ध सेवा पदक से सम्मानित गया। कैप्टन तानिया शेरगिल ने 14 जनवरी, 2020 को सेना दिवस समारोह में पुरुष सैनिकों की एक टुकड़ी का नेतृत्वा किया। इस प्रकार वह पहली भारतीय महिला परेड एडजुटेंट के रूप में इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गईं। वह एक ऐसे परिवार से आती हैं, जिसकी तीन पीढ़ियों ने भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दी हैं। लेफ्टिनेंट कमांडर कराबी गोगोई ने 2019 में एक नई परंपरा का शुभारंभ किया, जब उन्हें नौसेना की प्रथम महिला अधिकारी के तौरपर भारतीय दूतावास, मॉस्को में डिफेंस अटैची के तौरपर नियुक्त किया गया।

सनद् रहे कि राष्ट्र को 2019 में प्रथम महिला लड़ाकू पायलट भी मिली, जब फ्लाइट लेफ्टिनेंट भावनाकांत ने एक लड़ाकू विमान से दिन में मिशन पूरा करने की योग्यता हासिल की। उन्होंने मिग-21 बाइसन विमान में एक लड़ाकू पायलट के रूप में अपना दिवस परिचालन पाठ्यक्रम पूर्ण किया और उनकी तैनाती अपने स्क्वाड्रन के साथ विमान संचालन करने के लिए राजस्थान के नाल में सीमावर्ती एयरबेस पर की गई। वर्ष 2016 में तीन महिला लड़ाकू पायलटों-भावनाकांत, अवनी चतुर्वेदी और मोहना सिंह ने तेलंगाना के बाहरी इलाके डुंडीगल में वायु सेना अकादमी की कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड में अपने युद्धक विमानों के साथ गौरवांवित करने वाली उड़ान भरी। भारतीय वायुसेना के युद्धक विमानों ने खुले आसमान में गरजते हुए बादलों के बीच तिरंगे की छटा बिखेर दी। इसी के साथ भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिनकी विशेष श्रेणी में महिला लड़ाकू पायलट हैं। तीनों महिला लड़ाकू पायलटों को राष्ट्रपति कमीशन से सम्मानित किया गया। इससे पूर्व 1997 में मेजर रूचि मैनी ने भारतीय सेना में पहली महिला ऑपरेशनल पैराट्रूपर बनने का गौरव हासिल किया। 80 के दशक के अंत में आर्कटिक में अनुसंधान अभियान में शामिल होने वाली एयरमार्शल पद्मावती बनर्जी प्रथम सैन्य महिला थीं। वह इंडियन सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन, इंटरनेशनल मेडिकल सोसायटी और न्यूयॉर्क एकेडमी ऑफ साइंसेज की सदस्य होने के साथ-साथ भारतीय वायु सेना में ऐसी प्रथम महिला एयर मार्शल भी थीं, जो मेडिकल सर्विसेज (एयर) की महानिदेशक भी रहीं। इन उपलब्धियों को हासिल करने का प्रयास छोटी आयु से ही प्रारंभ हो जाना चाहिए। बताते चले कि विदेश में भारतीय मिशन पर राजनयिक पदों पर परंपरागत रूप से पुरुष अधिकारी कार्यरत होते रहे हैं। वही विंग कमांडर अंजलि सिंह ऐसी प्रथम महिला अधिकारी हैं, जिन्हें भारतीय वायु सेना द्वारा रूस में भारतीय

दूतावास में डिप्टी एयर अटैची के रूप में नामांकित किया गया था।

☞ **सीआरपीएफ की महिला योद्धा :-** केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 81 वर्षों से ज्यादा समय से देश में शांति का अग्रदूत बना हुआ है, और इस दौरान उसके सिर पर कई ताज सजे। आगे बढ़ने से पहले हम इसके ऐतिहासिक पहलू पर एक नजर डाल लें। राज्यों में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए 1939 में पुलिस की एक छोटी ईकाई के रूप में सीआरपीएफ की स्थापना की गई थी। बाद के दिनों में सीआरपीएफ ने खुद को देश की आंतरिक सुरक्षा के सबसे बड़े प्रमुख प्रस्तावक के रूप में स्थापित किया। सीआरपीएफ अपने 246 बटालियन के साथ आज दुनिया का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल है। इन वर्षों में सीआरपीएफ ने खुद को बहादुरी और बलिदान की एक मिसाल के तौर पर स्थापित किया है और जिसका साक्ष्य इसे बहादूरी के लिए मिले 1976 पदक हैं, जो देश के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सबसे अधिक है। इसके गुरिल्ला युद्ध में महारत हासिल कोबरा, दंगा रोधी-रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ), इंस्टिट्यूट ऑफ आईईडी मैनेटमेंट, पुणे अद्वितीय और पूरे देश में अपनी तरह के पहले हैं- जो इसे शानदार और एकीकृत पुलिसिंग में अग्रणी बनाते हैं। 6 फरवरी 1986 को, सीआरपीएफ ने अपनी एक और शाखा स्थापित की, जब उसने दिल्ली के झरोदा कलां में पहली 'महिला' बटालियन को खड़ा किया। यह न केवल सीआरपीएफ में बल्कि विश्व की पहली महिला बटालियन थी। यह वह बटालियन थी जो शांति बहाली के लिए युद्धग्रस्त श्रीलंका में तैनात आईपीकेएफ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी थी। 20 जनवरी 2007 को लैंगिक रूप से संवेदनशील इस फोर्स को और अधिक गति मिली, जब संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत सीआरपीएफ की एक सर्व-महिला गठित टुकड़ी को लाइबेरिया भेजा गया। इससे पहले 1989 में, पहली बार बल में ऑफिसर रैंक की सात महिलाओं को नियुक्त किया गया था। सीआरपीएफ में छह 'महिला' बटालियन हैं। महिलाओं की 15 आरएएफ बटालियन भी हैं। इससे इसमें देश की आधी आबादी के लिए काम के व्यापक अवसर के रास्ते खुले हैं। वर्ष 2017 में 'बस्तरिया बटालियन' के तौर पर 241 बटालियन को खड़ा किया गया जिसमें 33 फीसदी महिलाओं की हिस्सेदारी सुनिश्चित किए जाने का प्रावधान किया गया है। जब से इन्हें वामपंथी अतिवाद प्रभावित इलाकों में तैनात किया गया है, वे दिलेरी से अपनी लड़ाई को अंजाम दे रही हैं।

गौरतलब हो कि सीआरपीएफ की महिला सुरक्षाकर्मियों ने आतंकवाद और माओवाद के खतरे से निपटने में अपने जज्बे की भावना को जबर्दस्त तरीके से जाहिर किया है। 1990 में, पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्रोह से निपटने के लिए महिला सुरक्षाकर्मियों को अपने पुरुष समकक्षों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने के लिए तैनात किया गया था। तब से लेकर अब तक बल की कई महिलाएं जम्मू-कश्मीर और वामपंथी अतिवाद प्रभावित क्षेत्रों जैसे संघर्ष वाले क्षेत्रों में देश विरोधी तत्वों को सक्रिय रूप से लड़ने में शामिल रही हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां बहादूर महिलाओं लड़ाकों ने भी राष्ट्र के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया। एक शानदार उदाहरण कांस्टेबल कमलेश कुमारी का है, जिन्होंने 2001 में संसद पर आतंकी हमला के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनकी अनुकरणीय बहादुरी के लिए, उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया, जो शांति काल के दौरान राष्ट्र का सर्वोच्च वीरता पदक है। कांस्टेबल रेखा कुशवाहा, कांस्टेबल बिंदा कुमारी जैसी महिला योद्धाओं ने देश के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है। कांस्टेबल कमलेश कुमारी के अलावा, वीरता पदक से सम्मानित होने वाली फोर्स की अन्य बहादुर महिलाओं में 1990 में श्रीलंका में आईपीकेएफ में अपनी भूमिका के लिए बिमला देवी- सेना पदक, बिंदा कुमारी- वीरता के लिए मरणोपरांत पुलिस पदक और तब असिस्टेंट कमांडेंट रहीं सुश्री संतो देवी को बहादुरी के लिए मिला राष्ट्रपति का पुलिस पदक शामिल है। वही हाल ही में 26 जनवरी 2020 को गणतंत्र दिवस परेड के दौरान सीआरपीएफ की महिला बाइकर्स टीम की प्रभावशाली मोटरसाइकिल एरोबिक्स को पूरी दुनिया ने देखा। सुजाता की अगुवाई वाली टीम ने चलती मोटर बाइक पर अपने स्टंट से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाइक चलाने के अपने जुनून के बारे में बताते हुए, सुजाता कहती हैं कि उन्होंने बाइकर्स टीम का हिस्सा बनने से पहले बाइक चलाना भी नहीं सीखा था। वह कहती हैं, "मैंने यहां सीआरपीएफ में ही मोटर साइकिल चलाना सीखा। यह सीआरपीएफ की ओर से मुहैया कराया गया सही प्रशिक्षण है जिसने मेरे डर को दूर किया और चलती हुई मोटरसाइकिलों पर प्रदर्शन के लिए तैयार किया।" संगीता, दीपाली अवारे, मीना चौधरी और कटके लता की 'डेयरडेविल' टीम ने 2014 में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया था। ज्ञात हो कि सीआरपीएफ की महिला योद्धा भी खेल के क्षेत्र में कम योद्धा नहीं हैं। ऐसी कई महिलाएं हैं जिन्होंने खेल के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। इनमें प्रमुख नाम कमानडेंट सुश्री कुंजु रानी देवी का जिन्होंने भारोत्तोलन प्रतियोगिता में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं। 1989 से 2005 के बीच, उन्होंने वेटलिफ्टिंग में वर्ल्ड चौम्पियनशिप स्पर्धाओं में 2 स्वर्ण, 18 रजत और एक कांस्य जीता। खेल के क्षेत्र में उनके अपार योगदान के लिए उन्हें 1990 में अर्जुन पुरस्कार, 1996 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार और 2004 में पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। सीआरपीएफ के खिलाड़ियों को मिले 16 अर्जुन पुरस्कारों में से कम से कम 6 महिलाओं के हैं। इनमें सुश्री कुंजु रानी देवी, डब्ल्यू संध्या रानी, शिल्पी सिंह, गीतरानी, ए. अनीता चानू और सानामचा चानू के नाम शामिल हैं। सीआरपीएफ की अन्य शानदार महिला खिलाड़ियों में ऋचा शर्मा-सीनियर नेशनल एक्वेटिक चौंपियनशिप 2018 और एसएएफ गेम्स 2019 में 4 गोल्ड; आशिक बीबी- कॉमनवेल्थ गेम्स 2006 में एथलेटिक्स में रजत; सलमा एम सी- 2006 में विश्व पुलिस खेलों में 800 मीटर और 400 मीटर रिले में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं, पुष्पांजलि राणा-राष्ट्रीय शूटिंग चौम्पियनशिप 2006 में गोल्ड; शरवेश तोमर-2007 की नेशनल शूटिंग चौंपियनशिप में सिल्वर, शामिल हैं। यह उपलब्धियां केवल बल की महिला योद्धाओं की खेल कौशल का संकेत हैं।

अपनी महिला योद्धाओं के शानदार योगदान के लिए, सीआरपीएफ ने भी कई लैंगिक-पहल की है। जेंडर बजटिंग के तहत, फोर्स ने तैनाती पर महिला कर्मियों के बच्चों की देखभाल के लिए क्रेच स्थापित करने के प्रयास किए हैं। इसी तरह, काफिले के हिस्सा होने के दौरान महिला कर्मियों के लिए वाहनों में वॉशरूम की सुविधा सुनिश्चित की गई है। हाल ही में लिंग-एंकल फुल बॉडी प्रोटेक्टर्स को संघर्षों से निपटने के दौरान महिला कर्मियों को आराम करने के लिए प्रावधान किए गए हैं। सीआरपीएफ अपनी महिला योद्धाओं की भूमिका और योगदान को लेकर जीवंत है और लिंग संवेदनशीलता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करती है।

☞ **भारत में महिला उद्यमियों की चुनौतियां:-** डॉ. राजीव कुमार, नीति आयोग के उपाध्यक्ष हैं, और पंखुड़ी दत्त, नीति आयोग में शासकीय नीति परामर्शदाता (आर्थिक और वित्त) हैं। इनके द्वारा रखे गए विचार व्यक्तिगत हैं। विश्व स्तर पर, महिलाओं की तुलना में पुरुष अधिक नए उद्यम शुरू करने की संभावना रखते हैं। अनुभवों से प्राप्त साक्ष्यों1 से पता चलता है कि महिलाओं में कम अभिमान और अत्यधिक विनम्रता का भाव होता है, जो नकारात्मक रूप से एक उद्यमी के रूप में जोखिम लेने वाले व्यवहार और उद्यमिता में बड़े स्तर पर भागीदारी को प्रभावित करता है। यदि केवल महिलाएं पुरुषों की तरह अशिष्टब और अति आत्मविश्वास वाली होतीं! वास्तव में, हमारी अपनी भारतीय महिलओं के लिए एक आदर्श, किरण मजूमदार-शॉ, एक उद्यमी के रूप में अपनी यात्रा पर टिप्पणी करती हैं, [ड्ड] आपको यथास्थिति [ड्ड] को चुनौती देते रहना होगा। मैं अपने दम पर कुछ कर रही थी, मैं कुछ पथ-प्रदर्शक कार्य कर रही थी, मैं उस अवस्था

में किसी को भी नहीं देख सकती थी। मुझे एहसास हुआ कि मैं इसे अकेले कर रही थी, मुझे एहसास हुआ कि मैं कुछ अलग कर रही थी और मैं सामान्ये बुद्धि, काफी दृढ़ संकल्प और बहुत सारे मूर्खतापूर्ण साहस के साथ सभी कार्य कर रही थी। मैं आगे बतला सकती हूं।

दुर्भाग्यवश, केवल कम अभिमान ही एक कारण नहीं है जो भारत में महिलाओं को सफल उद्यमी बनने से रोक रहा है। भारत में महिलाओं के स्वामित्व वाले 13.5 और 15.7 मिलियन उद्यम हैं। सरकार के हस्तक्षेप, वित्तीय पहुंच में सुधार और शिक्षा तक पहुंच के कारण पिछले दशक में महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों में 14% से 20% की वृद्धि हुई है।। हालाँकि, ऐसी कई चुनौतियाँ हैं जिनका सामना महिला उद्यमियों को करना पड़ता है जो उनके पुरुष समकक्षों के लिए मामूली नहीं हैं। मास्टरकार्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कारोबारी माहौल महिला उद्यमियों के लिए अनुकूल नहीं है। ऐसी अनेक सामाजिक, तकनीकी और वित्तीय बाधाएं हैं जो महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों के विकास में बाधा हैं। शुरूआत करते हैं, कुछ फर्मों को वित्तीय और प्रशासनिक कारणों से महिलाओं के स्वामित्व वाली फर्मों के रूप में पंजीकृत किया जाता है लेकिन वास्तव में उनका प्रबंधन और संचालन पुरुषों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, महिलाओं के स्वामित्व वाली फर्मों का एक बड़ा हिस्सा एक व्यक्ति वाला उद्यम है, जहां आमदनी कम है और पुरुषों के स्वामित्व वाली फर्मों की तुलना में आकार छोटा है। अधिकांश महिलाएं आज भी सहायक कार्य के रूप में व्यवसायिक गतिविधियों को आगे बढ़ा रही हैं क्योंकि वे घर के अधिकांश कामों को करना जारी रखती हैं। वे अक्सर बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल करने में प्रमुख भूमिका निभाती हैं। जिस प्रकार का व्यवसाय महिलाएं करती हैं उसकी प्रकृति भी पुरुषों की तुलना में अलग है, इसलिए ऋण और समरूपी ऋण की उनकी आवश्यकता अलग है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को अक्सर घर से बाहर निकलने से पहले अपने परिवार में एक पुरुष सदस्य की अनुमति की आवश्यकता होती है और अक्सर सुरक्षा चिंताओं या सामाजिक मानदंडों के कारण पड़ोस के बैंक जाने के लिए उसे एक पुरुष रिश्तेदार को ले जाना पड़ता है। अनेक कारणों से महिलाओं की वित्तीय संसाधनों तक पहुंच सीमित है। महिलाएं उधार से अधिक बचत करती हैं, भारत और विश्व स्तर पर एक खेत या व्यवसाय को चलाती हैं, या उसका विस्तार करती हैं। आर्थिक सहायता के स्रोत के रूप में अनौपचारिक, सामाजिक नेटवर्क अक्सर महिलाओं के लिए कम उपलब्ध होता है और अक्सर उच्च आय वाले परिवारों की महिलाओं तक सीमित होता है। व्यवसाय शुरू करने के लिए परिवार के सदस्यों या दोस्तों से उधार लेना भारत में कृषि क्षेत्र या निर्वाह करने संबंधी उद्यमियों में से अनेक के लिए कोई विकल्प नहीं है। इसके अलावा, परिवार की आमदनी और बचत के उपयोग पर महिलाओं की लेन-देन की शक्ति कम होती है। यह उनकी स्वतंत्र, औपचारिक वित्तीय स्रोतों तक पहुंच को बहुत महत्वपूर्ण बनाता है। हालांकि, विश्वन बैंक के ग्लोबल फाइंडेक्सि डेटाबेस के अनुसार, महिलाओं की तुलना में अधिक भारतीय पुरुषों ने एक वित्तीय संस्थान से उधार लेने या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने की जानकारी दी है। वित्तीय बाजारों और उत्पादों तक पहुंच से जुड़े अनेक मुद्दों के कारण लिंग अंतर मौजूद है। भले ही महिलाओं के पास समान संपत्ति का अधिकार हैं, लेकिन उन्हें आमतौर पर अपने परिवार से विरासत में संपत्ति नहीं मिलती है। इसके परिणामस्वरूप, महिलाओं की औपचारिक वित्तीय बाजारों से पैसे उधार लेने के बाद ऋण के भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में कुछ गिरवी रखने तक पहुंच नहीं है। औपचारिक वित्तीय बाजारों तक सीमित पहुंच का अक्सर उनकी क्रेडिट रेटिंग पर नकारात्मक असर पड़ता है और बदले में कम ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त न करने की उनकी क्षमता प्रभावित होती है। यह आवश्यक है कि ऋणों को छोटे टिकट के आकार, कम ब्याज दरों और वित्तपोषण संरचनाओं के साथ रूचि अनुकूल बनाया जाए जो महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों की जरूरतों को पूरा कर सकते हों। ज्ञात हो कि महिला उद्यमिता मंच एक ऐसी पहल है जो महिला उद्यमियों को जरूरी जानकारी हासिल करने में आने वाली दिक्कतों को दूर करता है। इच्छुक महिला उद्यमी इस पोर्टल पर पंजीकरण कराकर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकती हैं और साथ ही अपने व्यवसाय के लिए लेखाकार जैसे सेवा प्रदाताओं से भी सपंर्क कर सकती हैं। अभी कुल 13 हजार महिला उद्यमी इस पोर्टल पर पंजीकृत हैं। महिला उद्यमियों के कठोर परिश्रम और उनकी उद्यशीलता के प्रयासों को पहचान और सम्माहन देने के लिए नीति आयोग द्वारा 2016 में 'वूमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' यानी भारत को बदलने वाली महिलाएं (डब्ल्यूटीआई) पुरस्कार की शुरुआत की गई थी।

☞ **कृषि में महिलाएं :-** ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। किसान, श्रमिक और उद्यमी के रूप में महिलाएं भारत की कृषि भूमि की प्रेरक शक्ति हैं। भारत में आर्थिक दृष्टि से सक्रिय सभी महिलाओं का 80 प्रतिशत विभिन्न उपक्षेत्रों सहित कृषि में कार्यरत हैं; इनकी संख्या कृषि श्रम बल का 33 प्रतिशत और स्व-रोजगार किसानों का 48 प्रतिशत हैं। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 18 प्रतिशत कृषि परिवारों का मार्गदर्शन महिलाएं कर रही हैं। 'उपयोगी श्रमिकों' की परंपरागत बाजारोन्मुखी संकीर्ण परिभाषा से हटकर, ग्रामीण भारत में लगभग सभी महिलाओं को कुछ अर्थों में किसान माना जा सकता है। इनमें खेतिहर मजदूरों के रूप में काम कर रही, परिवार के खेत उद्यमों में अवैतनिक श्रमिक के रूप में कार्य कर रही अथवा दोनों का संयोजन शामिल है। खेती-बाड़ी में लगे अनेक समुदायों में, महिलाएं फसलों की किस्मों की मुख्य संरक्षक हैं। राष्ट्रीय स्तर पर नमूने के तौरपर किए गए सर्वेक्षणों के साथ-साथ विभिन्न अनुभवों पर आधारित अध्ययनों से प्राप्त सबूत, ग्रामीण भारत में खेतिहरों और कृषि मजदूरों दोनों के रूप में कृषि क्षेत्र में महिलाओं की जबरदस्त संख्या की ओर इशारा करते हैं। 'खेतिहरों और कृषि मजदूरों' पर 2011 की जनगणना के आंकड़ों से पता चलता है कि 49.8 प्रतिशत पुरुष श्रमिकों के मुकाबले लगभग 65.1 प्रतिशत महिला श्रमिक खेतिहर या कृषि मजदूर के रूप में कृषि पर निर्भर हैं। एनएसएसओ द्वारा यह भी बताया गया है कि सभी महिला 'श्रमिकों' का 63 प्रतिशत और 'ग्रामीण महिला श्रमिकों' का 75 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं। महिलाएं रोपण से लेकर कटाई के बाद तक के कृषि कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं; आम तौर पर आँकड़ों के रूप में यह बात सामने नहीं आती और श्रम का दोहराव होता है। कृषि में महिलाओं की अभिन्न भूमिका के बावजूद केवल 13.96 प्रतिशत संपत्तियां महिलाओं द्वारा संचालित हैं और वह भी ज्यादातर छोटे और सीमांत किसानों के रूप में। फसल, पशुपालन, मत्स्य पालन, वानिकी और कटाई के बाद प्रौद्योगिकी में महिलाओं के जबरदस्त योगदान के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रौद्योगिकी, सेवाओं और सार्वजनिक नीतियों के पैकेज तैयार करते समय कृषि में महिलाओं की उपयोगी भूमिका की अक्सर उपेक्षा की जाती रही है। कृषि में महिलाएं कभी-कभी विस्तार सेवाओं और उत्पादन परिसंपत्तियों जैसे बीज, पानी, ऋण, सब्सिडी आदि तक पहुंचने में असमर्थ होती हैं। चूंकि अधिकांश महिलाओं के पास अपनी जमीन नहीं होती है, उन्हें विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों/सेवाओं का लाभार्थी नहीं माना जाता है। इसके अलावा, परिवार और खेत में महिला की अनेक भूमिकाओं के कारण, ज्ञान और जानकारी तक उसकी पहुंच और इसलिए उसके अवसर कम हो रहे हैं! रीति-रिवाजों में लैंगिक भेदभाव व्याप्त है और यह सामाजिक-आर्थिक विकास में बाधा पहुंचाता है। जबकि महिला कार्यक्रमों में स्थायी विकास के लिए निवेश महत्वपूर्ण है, फिर भी महिलाओं को विकास कार्यक्रमों से लाभान्वित होने में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक वर्षों के

दौरान, कृषि में महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न परियोजनाओं को लागू किया गया था। 'स्टैंड-अलोन' कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने से लेकर 'कृषि में लैंगिक चिंताओं को पहचानने और मुख्यधारा में लाने' तक के एक आदर्श बदलाव के बाद, लैंगिक मुख्यरधारा विषयक नीतिगत स्तर की अनेक पहलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रीय कृषि नीति में 'कृषि में महिलाओं की भूमिका को पहचानने और मुख्यधारा में लाने' के लिए सर्वोच्चम प्राथमिकता दी गई है और कृषि विकास एजेंडा में 'लिंग के मुद्दे' को शामिल करने पर प्रकाश डाला है। 'लिंग संबंधी मुख्यधारा' राष्ट्रीय कृषि विस्तार नीति की रूपरेखा के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक था और यह अनिवार्य था कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके क्षमता निर्माण और निवेश, प्रौद्योगिकी और खेती के अन्यं संसाधनों तक उनकी पहुंच में सुधार के लिए उपयुक्त संरचनात्मक, कार्यात्मक और संस्थागत उपाय शुरू किए जाएं। कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग की विभिन्न प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों और कई विकास हस्तक्षेपों के तहत महिलाओं के लिए 30% धनराशि निर्धारित करके लिंग संबंधी चिंताओं को दूर किया जा रहा है। कृषि में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कई उपाय और कदम उठाये जा रहे हैं, जो निम्न है:-

☞ विभिन्न प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों और विकास संबंधी व्यवधानों के तहत महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत धनराशि निर्धारित करके लिंग संबंधी चिंताओं को मुख्यधारा में लाया गया। योजनाओं के दिशा-निर्देशों में विस्तार सुधारों के लिए राज्य विस्तार कार्यक्रमों को समर्थन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय तिलहन और पाम ऑयल मिशन, स्थायी कृषि पर राष्ट्रीय मिशन, बीज और रोपण सामग्री के लिए उप-मिशन, कृषि यांत्रिकीकरण पर उप-मिशन और बागवानी के एकीकृत विकास के लिए मिशन अपेक्षा करता है कि राज्य और अन्य कार्यान्वयन एजेंसियां महिलाओं पर कम से कम 30 प्रतिशत व्यय करें।

☞ कृषि-क्लिनिक और कृषि-व्यवसाय केंद्र, एकीकृत कृषि विपणन योजना, कृषि यांत्रिकीकरण के उप-मिशन, और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत पुरुष किसानों के मुकाबले महिला किसानों को अतिरिक्त समर्थन और सहायता प्रदान।

☞ देश भर के सभी किसानों को आय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना में, महिला किसानों सहित किसानों को शामिल किया गया है, ताकि वे कृषि संबंधी खर्चों, उससे जुड़े कार्यों और घरेलू जरूरतों पर ध्यान दे सकें। इस योजना का उद्देश्य कुछ मानदंडों को छोड़कर प्रति वर्ष किसानों को दो-दो हजार रुपये की चार मासिक किस्तों में 6,000/- रुपये का भुगतान करना है।

☞ प्रधानमंत्री किसान मान-धन योजना का उद्देश्य महिला किसानों सहित लघु और सीमांत किसानों (एसएमएफ) को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, क्योंकि आजीविका के नुकसान की स्थिति में उन्हें समर्थन देने के लिए वृद्धावस्था के लिए न्यूनतम अथवा कोई बचत नहीं है और योजना इन किसानों के लिए वृद्धावस्था पेंशन का समर्थन करती है।

☞ महिला स्व सहायता समूहों (एसएचजी) के गठन, क्षमता निर्माण हस्तक्षेप, उन्हें सूक्ष्म ऋण से जोड़ने, सूचना तक उनकी पहुंच बढ़ाने और विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेने वाले निकायों में उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जा रहा है। कृषि निवेशों के वितरण, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और निरूपण आदि जैसे घटकों में महिला किसानों को प्राथमिकता दी जा रही है।

☞ **स्वास्थ्य क्षेत्र में महिलाएँ :-** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उक्त मौके को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ० हर्षवर्धन ने कहा है कि महिलाएं ही एक स्वस्थ और प्रगतिशील राष्ट्र की नींव हैं, एक स्वस्थ और प्रगतिशील राष्ट्र की बुनियाद हैं, महिलाएं ही एक स्वस्थ और प्रगतिशील राष्ट्र का मुख्य आधार हैं। 21वीं सदी में भारत की गाथा अभूतपूर्व विकास और नवाचार को बयां करती है। स्वावस्थ्रत क्षेत्र में तो हमने बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पोलियो का सफाया कर दिया है। यही नहीं, हमें वैश्विक लक्ष्य की तय समय सीमा से पहले ही मातृ और नवजात शिशु संबंधी टिटनेस के उन्मूलन का प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया है। ये दो अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। हमारी विकास गाथा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ 'महिलाओं का बहुमूल्य योगदान' है, जिन्होंने हमारे समाज और हमारी दक्षता को असीम तरीकों से विशिष्ट स्वरूप प्रदान किया है। दरअसल ये महिलाएं सरकार के लिए एक प्राथमिकता हैं जो अपनी नीतियों और विशिष्ट पहलों के माध्यम से एक प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चित कर रही हैं।

गौरतल हो कि भारतीय संस्कृति में नारी को सम्मानजनक स्थान देने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। हमारे शास्त्रों और धर्म ग्रंथों ने भी उनके सामाजिक महत्व पर यह कहकर बल दिया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता। सनातन धर्म में मां दुर्गा को जगत का पालन करने वाली, विश्व कल्याण की प्रणेता और दुष्टों का संहार करने वाली अधि ष्ठात्री देवी माना गया है। हमारा समाज आज भी सीता, सावित्री, तारा, कुन्ती और गार्गी जैसी अनेक महान और विदुषी नारियों के व्यक्तित्व, त्याग और साहस की गाथाओं से प्रेरणा लेता है। वैदिक समाज की यह धारणा नारी के अपरिमित महत्व को रेखांकित करती है कि उनके बगैर पुरूष को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो सकती। हालांकि मध्यकालीन युग में महिलाओं की स्थिति सोचनीय स्थिति में पहुंच गई। आर्थिक पराधीनता, अशिक्षा, बहु-पत्नी प्रथा और दहेज जैसी कुप्रथाओं के साथ नारी सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक रूढ़ियों में जकड़ गई। 19वीं शताब्दी में राजाराम मोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर एनी बेसेंट और महात्मा गांधी जैसे समाज सुधारकों ने महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में लाने और उनके उत्थान के लिए संकल्पबद्ध होकर प्रयास किए।

वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं की आर्थिक-सामाजिक और राजनीतिक स्थिति, उनकी गरिमा और नारी सशक्तिकरण का मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है। हमारे देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, औद्योगिकीकरण और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के साथ नारियों के प्रति सकारात्मक चेतना विकसित हुई है। महिला सशक्तिकरण में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। देश के समावेशी विकास की परिकल्पना उस समय तक साकार नहीं हो सकती, जब तक राजनीति से लेकर स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की सशक्त भूमिका न हो। इसके लिए परिवार और समाज की सकारात्मक सोच बहुत आवश्यक है। यह प्रसन्नता का विषय है कि परिदृश्य बदल रहा है और महिलाओं की भागीदारी सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। महिला सशक्तिकरण के लिए नारी के प्रति सम्मान की भावना के साथ लोगों की मानसिकता परिवर्त्तन जरूरी है। इससे आम महिलाओं के जीवन और उनकी स्थिति में परिवर्त्तन आसान हो जाता है। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और आर्थिक स्वतंत्रता ही नारी सशक्तिकरण का रास्ता खोलती है। आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से पीछे नहीं हैं। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं से लेकर विश्वविद्यालयों की शिक्षा तक योग्यता सूची में बालिकाएं प्राय: बालकों से आगे निकल रही हैं। सिविल सेवाओं और यहां तक कि पुलिस और सेनाओं में सक्षम अधिकारी के रूप में उनका दबदबा लगातार बढ़ रहा है। आज महिलाएं चिकित्सा, विज्ञान, इंजीनियरिंग और उच्च प्रौद्योगिकी से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर रही हैं। इससे उन्हें गति मिली है, दिशा मिली है, उनका आत्म-अभिमान और आत्म-विश्वास बढ़ा है। प्रसिद्ध विचारक हेरिएट बीचर स्टोव ने सच कहा है कि महिलाएं समाज की वास्तविक शिल्पकार होती हैं। मेरा मानना है कि महिलाएं परिवार से लेकर समुदाय, समाज और देश की भी वास्तविक शिल्पकार हैं और उन्होंने अपनी योग्यताओं, कुशलताओं और क्षमताओं से यह प्रमाणित भी कर दिया है। वही भारतीय संविधान देश के सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता और विधि के समान संरक्षण की गारंटी देता है। अनुच्छेद 15 के अनुसार राज्य किसी नागरिक के साथ धर्म, मूल वंश, जाति या

लिंग आदि के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकता। अनुच्छेद 15(3) के अंतर्गत राज्य को महिलाओं के लिए सकारात्मक विभेद से संबंधित विशेष प्रावधान करने की शक्ति दी गई है। यही नहीं, भारतीय संविधान में पुरूषों और महिलाओं की समानता सुनिश्चित करने के लिए कई अन्य प्रावधान भी मौजूद हैं। अनुच्छेद 39(घ) में पुरूषों और महिलाओं दोनों को समान कार्य के लिए समान वेतन देने की व्यवस्था है। देखा जाए, तो हमारा संविधान महिलाओं को न केवल समानता का अधिकार देता है बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक तौर पर सशक्त बनाने के उद्देश्य से सरकार को सकारात्मक विभेद के उपाय करने की शक्ति भी देता है। महिला सशक्तिकरण वह प्रक्रिया है जो नारी-समुदाय को आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में समान अवसर प्राप्त करने और संपूर्ण क्षमता के साथ अधिकारों का उपयोग करने की सामर्थ्य प्रदान करती है। घर के अंदर और बाहर महत्वपूर्ण निर्णय लेने में पुरुषों के समान उनकी भागीदारी सामाजिक परिवर्त्तन की गति बढ़ाने के लिए बहुत आवश्यक है। दूसरी तरफ कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के प्रयोजन से सरकार ने कार्य-स्थल पर यौन-उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें दर्ज कराने के लिए "शी-बॉक्स" नामक एक ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन-प्रणाली विकसित की है। यह प्रणाली कार्य-स्तर, संगठित या असंगठित, निजी या सार्वजनिक क्षेत्र जैसे पहलुओं पर ध्यान दिए बिना, प्रत्येक महिला को कार्य-स्थल पर यौन-उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें दर्ज कराने का ऑनलाइन प्लेटफार्म उपलब्ध करा रही है। जो महिलाएं पहले ही कार्य-स्थल पर यौन-उत्पीड़न अधिनियम के तहत गठित की गई आंतरिक समिति या स्थानीय समिति के पास लिखित शिकायत दे चुकी हों, वे भी इस पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। महिलाओं के लिए घर से बाहर सुरक्षित माहौल पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ, उन्हें घर के अंदर भी उचित संरक्षण देने पर बल दिया गया है। इसके लिए घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 तत्परता से लागू किया गया है। इस कानून का उद्देश्य घरेलू हिंसा पर रोक लगाना और प्रतिवादी के साथ महिला के संबंधों पर ध्यान दिए बगैर पीड़ित महिला को तत्काल एवं आपात-राहत प्रदान करना है। इस अधिनियम की मूल भावना महिलाओं के अपने घर जैसे निजी स्थान में हिंसामुक्त जीवन जीने के अधिकार पर आधारित है। दहेज-रूपी सामाजिक कलंक को दूर करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सरकार दहेज प्रतिषेध अधिनियम के माध्यम से दहेज प्रथा के उन्मूलन की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। दहेज देने या लेने और ऐसे लेन-देन के लिए उकसाने वाले व्यक्तियों के लिए कड़े दण्ड का प्रावधान किया गया है। दहेज लेने और देने से हतोत्साहित करने और इस बारे में लोगों की मानसिकता में परिवर्तन लाने के लिए रेडियो, अखबार, दूरदर्शन और सोशल मीडिया के जरिए समय-समय पर व्यापक अभियान चलाया जाता है। महिलाओं के अश्लील रूपण वाली किसी पुस्तक, पैम्फलेट और इस तरह की अन्य सामग्री की बिक्री, वितरण और परिचालन पर रोक लगाने के लिए महिला अश्लील रूपण अधिनियम में कठोर प्रावधान किए गए हैं। मीडिया और संचार माध्यमों की भी महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण में प्रमुख भूमिका है और पिछले कुछ वर्षों में इनकी सक्रियता के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। महिला उत्थान एवं सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, महिला स्वास्थ्य, गर्भिणी और स्तनपान कराने वाली माताओं के कल्याण से जुड़ी योजनाओं और महिला-संरक्षण से जुड़े विभिन्न कानूनों के बारे में आकाशवाणी और दूरदर्शन सहित विभिन्न चैनलों पर कार्यक्रमों के प्रसारण से समाज में महिलाओं के अनुकूल चेतना मजबूत हुई है और नारी-सशक्तिकरण में मदद मिली है। साथ ही साथ महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय की आपसी पहल के रूप में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना लागू की जा रही है जिसमें बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और गर्भधारण एवं प्रसवपूर्व निदान तकनीक अधिनियम को प्रभावी तरीके से लागू करने जैसे विभिन्न पहलुओं पर जोर दिया जा रहा है। इस विषय में लोगों की मानसिकता बदलने के लिए जागरूकता प्रसार पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है। योजना का मुख्य उद्देश्य बालिका भ्रूण हत्या पर रोक लगाना, बालिका का जीवन और उसका संरक्षण सुनिश्चित करना तथा शिक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ाना है। हिंसा से प्रभावित महिलाओं को अस्थायी आश्रय देने और पुलिस, चिकित्सा, कानूनी, मनोवैज्ञानिक सहायता सहित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वन स्टॉप सेंटर चलाए जा रहे हैं। हिंसक अपराधों का सामना करने वाली अनेक महिलाओं को इस बात की जानकारी नहीं होती कि वे मदद के लिए कहां जाएं। ऐसी स्थिति में वन-स्टॉप सेंटर बहुत उपयोगी साबित हो रहे हैं।

बहरहाल, इंटरनेशनल महिला दिवस पर महिलाओं के लिए उनके भले के लिए या उनके हक के लिए कुछ कहा जाए, कुछ लिखा जाए। जिधर नजर डालो उधर इस दिन की धूम है। दुनियां-जहान की उन महिलाओं के नाम फिर सामने आ रहे हैं, जिन्होंने पुरूषों के इस समाज में अपनी एक जगह बनाई है। वो लेडी गागा हो या एंजेलिना जोली या मेनका गांधी या दीपा मेहता या अंजलि इला मेनन या शोभा डे। इनके साहस और हिम्मत की दाद दी जाएगी और फिर उम्मीद भी की जाएगी कि दुनिया की सारी महिलाओं को इन उपलब्धियों को सुन कर खुशी ही होना चाहिए और तो और इन सारे ढोंग और दिखावों में महिला संगठन ही सबसे बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती हैं। यह महिला दिवस की शुरुआत न्यूयॉर्क में फैक्ट्री में काम करने वाली महिलाओं की हड़ताल को खत्म करने से लेकर जो शुरू हुई तो इसका रूप बदलते-बदलते यहां तक पहुंच गया है कि यह भी वैलेंटाइन डे की तरह मनाया जाने लगा है। कार्ड छपने लगे हैं और तो और राह चलते लोग महिला/लड़की को देख बधाई देने लगे हैं, लेकिन क्या सिर्फ यही वजह है इस दिन को मनाने की? क्या हमें अपने आप का इस तरह से समारोह करने की जरूरत है? क्या एक महिला होने को या उसके अधिकारों के लिए एक दिन ही काफी है? क्या यह बात रोजाना की जिंदगी में नहीं होना चाहिए?आखिर क्यों किसी महिला/लड़की को यह याद दिलाने की जरूरत पड़ती है कि तुम्हारे अंदर कितनी ताकत है। तुम भी सबके बराबर हो। तुम्हारे अंदर भी प्रतिभा है और तुम भी कुछ कर सकती हो। क्या यह सभी बातें इंसान के जन्म से ही उसे दिखाई और समझाई नहीं जानी चाहिए, ताकि बड़े और समझदार होने पर वो दूसरे इंसानों से बराबरी का बर्ताव कर सके? यह दिखावा ज्यादा तकलीफ देता है बजाय साल भर के उस दोयम दर्जे के जीवन से। अगर कुछ बदलना ही है तो वह भेदभाव बंद होना चाहिए, जो यह दिन मनाने के लिए कारण है, क्योंकि इस महिला दिवस समारोह से ही मुक्ति की जरूरत है, लेकिन सही मायनों में क्या कभी कोई महिला होने से आजाद हो सकता है? ●

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

☆ राम ने श्याम को माँ-बहन की गाली दी एवं हिजड़ा भी कहा, जिसके परिणाम स्वरूप श्याम ने उसे अगले दिन गोली मार दी तो क्या उसके खिलाफ हत्या का मामला चलेगा या अपराधिक मानव वध का?

राम के खिलाफ हत्या का मुकदमा चलेगा। वह यह तर्क नहीं दे सकता है कि उसने गुस्से एवं तीव्र प्रकोपण की वजह से राम को गोली मारा है। प्रकोपण एक बाहरी आचरण है, जो आत्मनियंत्रण को खो देने के रूप में परिणामित कर सकता है। जिसका मापन चतुर्दिक परिस्थितियों के आधार पर किया जाना चाहिए। प्रकोपण इस प्रकृति का होना चाहिए जो की ना केवल किसी आवेगी, शीघ्र क्रोधित होनेवाले व्यक्तियों या अति संवेदनशील व्यक्तियों बल्कि एक शांत प्रकृति और सामान्य भाव के व्यक्ति को भी क्रोधित कर दे। भारतीय दंड संहिता की धारा 300 के अपवाद (1) के अंतर्गत गंभीर और अचानक प्रकोपण का निर्धारण तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर किया जाना चाहिए। राम के द्वारा श्याम को माँ-बहन की गाली देना तथा उसे हिजड़ा कहने के बाद श्याम द्वारा अगले दिन सोच-विचार करके सुनियोजित तरीके से उसे गोली मारना यह इशारा करता है कि श्याम ने पूरे सोच-विचार करके राम की हत्या की है। इसलिए श्याम तीव्र आवेग और अचानक प्रकोपण का लाभ भारतीय दंड संहिता की धारा 300 अपवाद (1) में प्राप्त करने का अधि कारी नहीं होगा, क्योंकि उसकी मृतक की हत्या करने का आशय स्पष्ट पता चलता है, इसलिए उस पर हत्या का मुकदमा चलेगा।

☆ दहेज हत्या के एक मामले में सेशन जज ने दहेज हत्या 304 बी एवं हत्या 302 भारतीय दंड संहिता की धाराओं में आरोप गठन किया है, क्या यह सही है?

उच्चत्तम न्यायालय की एक खण्डपीठ ने 22 नवम्बर 2010 को दहेज हत्या संबंधी राजवीर एवं अन्य बनाम राज्य (2010) के एक मामले का निष्तारण करते हुए देश की सभी निचली अदालतों को निर्देश दिया है कि दहेज प्रताड़ना से हुई मौत के मामलों में वे मुदालय पर धारा 304 बी के साथ 302 हत्या के अपराध का भी आरोप गठन करे ताकि इस जघन्यत्तम अपराध के लिए उसे मौत की भी सजा दी जा सके।

यह महत्वपूर्ण आदेश न्यायमूर्ति मार्कण्डेय काटजू और न्यायमूर्ति ज्ञानसुधा मिश्रा की पीठ ने हरियाणा के दहेज हत्या के उक्त मामलें में सुनवाई के दौरान दिया है।

☆ क्या फुटपाथ पर अपना जीवन गुजर-बसर करने वाले गरीबों के आवास के लिए कोई कानून बनाया गया है?

फुटपाथ पर अपना जीवन बिताने वाले लोगों को आश्रय उपलब्ध कराना यह सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए इंदिरा आवास योजना, रैन बसेरा इत्यादि कार्यक्रम सरकार के द्वारा चलाये जाते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस संबंध में पिपुल्स युनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम भारत संघ (2001) की रिट याचिका संख्या 196/2001 पर दिये निर्णय में न्यायाल ने यह आदेश दिया है कि फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को आश्रय देने की जिम्मेवारी सरकार की है। न्यायालय के कमिश्नर डॉ० एन.सी. सक्सेना और स्पेशल कमिश्नर हर्ष मंडल ने यह निर्णय 2 फरवरी 2010 को दिया था।

☆ क्या किसी मुकदमे को लड़ने से वकील मना कर सकता है?

सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता समुदाय को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण व्यवस्था दिया है कि वकील या उनके संगठन किसी अभियुक्त की ओर से न्यायालय में पेश होने से इंकार नहीं कर सकते हैं, भले ही वह आतंकी, बलात्कारी, हत्यारा या कोई अन्य क्यों न हो। इस तरह का कोई भी इंकार संविधान का, बार काउंसिल के मानकों का और भगवत् गीता के सिद्धांत का उल्लंघन होगा।

न्यायाधीश मार्कण्डेय काटजू और ज्ञानसुधा मिश्रा की पीठ ने अपने एक आदेश में इस बात पर चिन्ता व्यक्त किया की देश भर में बार एशोसिएशन और वकीलों द्वारा किसी न किसी कारण से अभियुक्तों की ओर से न्यायालय में पेश नहीं होने का चलन बढ़ रहा है।

न्यायमूर्ति की उक्त खण्डपीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा है कि पेशेवर आचार नीति की मांग है कि यदि मुव्वकील फीस देने को तैयार है तो वकील बहश से इंकार नहीं कर सकता। इसलिए बार एशोसिएशन का इस तरह का प्रस्ताव की उनका कोई भी साथी किसी खास अभियुक्त के मामले में न्यायालय में पेश नहीं होगा। संविधान, कानून और पेशेवर आचार नीति सभी मानदंडों के विरूद्ध तथा बार एशोसिएशन की महान परंपरा के भी विरूद्ध है, जो हमेशा किसी अपराध के लिए अपराधी का बचाव करने के लिए तत्पर रहती है। वर्ष 2007 में एक आन्दोलन के दौरान पुलिसकर्मियों और कोयंबटुर के वकीलों द्वारा एक-दूसरे के विरूद्ध दायर अपराधिक मामलों को निरस्त करते हुए खण्डपीठ ने उपर्युक्त व्यवस्था दिया है।

☆ न्यायालय की अवमानना के अपराध के लिए किस प्रकार के दंड का प्रावधान है?

न्यायालय की अवमानना के लिए कार्यवाही करने का प्रावधान सीआरपीसी की धारा 345 में है। सीआरपीसी की धारा 345 का कार्यवाही किए जाने के लिए अपराध किसी सिविल दंड या राजस्व न्यायालय की दृष्टिगोचरता या उपस्थिति में किया जाता है तब न्यायालय अभियुक्त के विरूद्ध संज्ञान ले सकती है तथा कारण दर्शित करने का मुदालय को अवसर देने के पश्चात आरोप सही पाने पर दो सौ रूपये से अनधिक जुर्माने से दंडित कर सकती है। न्यायालय को अपनी अवमानना के अपराध का संज्ञान करने तथा अभियुक्त को दंडित करने का अधिकार प्राप्त है।

☆ कमलेश कुमार एक होटल में एक कमरा किराये पर लेता है और एक महीने के किराये का अग्रिम भुगतान कर देता है, जब वह कमरे के अंदर जाता है तो एक नोटिस देखता है कि 'होटल का मालिक समान खो जाने या चोरी हो जाने के लिए जिम्मेवार नहीं होगा, जब तक की समानों को प्रबंधक के पास जमा नहीं कर दिया गया हो'। होटल के कर्मचारियों की लापरवाहियों के कारण कमलेश कुमार का समान चोरी हो जाता है तो क्या उस चोरी के लिए होटल के मालिक को जिम्मेवार बनाया जा सकता है?

होटल का मालिक कमलेश कुमार के समान की चोरी हो जाने के लिए जिम्मेवार माना जायेगा, क्योंकि नोटिस संविदा पूर्ण हो जाने के बाद दी गई थी और चोरी होटल के कर्मचारियों के लापरवाही का ही परिणाम था।

ब्राह्मण महाकुंभ 2020

● ललन कुमार प्रसाद

प्राचीन काल से ही ब्राह्मण समाज भारतीय संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान, वेद-पुराण और उपनिषद, राजनीति, अर्थशास्त्र, व्याकरण, आदि के ध्वजवाहक रहे हैं, भारतीय समाज का मार्गदर्शक रहे हैं। भारत के छोटे-बड़े सभी राज्यों के राज्य गुरू ब्राह्मण ही रहे हैं। राजगुरू ही राज्यों का नीति-निर्धारण करते थे। राजकुमारों को शस्त्र-शास्त्र दोनों का ही शिक्षण-प्रशिक्षण देते रहे हैं। देश में जगह-जगह वेदशालाओं का निर्माण अपनी देख-रेख में कराकर ज्योतिष का ज्ञान देते थे। समान्यजन से लेकर राजा-महाराजाओं तक को शिक्षित और सुसंस्कृत बनाने की जिम्मेदारी ब्राह्मणों की होती थी। राज्यों का सम्पूर्ण विकास हो, प्रजा सुखी और खुशहाल हो, सब आपस में प्यार-मोहब्बत से रहे, महिलाओं को हर कोई सम्मान आदर से देख, इत्यादि। इसलिए राजा से लेकर प्रजा तक सबों के लिए ब्राह्मण पूजनीय थे, पता नहीं सबकुछ कैसे खत्म हो गया? आज पूरे देश में एक भी ब्राह्मण ऐसा नहीं है जो चंद्रगुप्त जैसे साधारण गाय-बकरी चराने वाले चरवाहे को सम्पूर्ण भारत का सम्राट बना दे और वह भी सर्वगुण संपन्न महामात्य कात्यायन (अमात्य राक्षस) की देख-रेख में रह रहे मगध सम्राट धनानंद को परास्त कर। आज जो समाज की दुर्दशा है उसके लिए कोई सर्वाधिक जिम्मेदार है तो वह है ब्राह्मण समाज। यह सब तो कोई एक दिन में नहीं हुआ है। लगातार सदियों तक भारत में घूस आये विदेशियों के घृणित कृत्य से हुआ है। मुगलों और अंग्रेजों ने हमारी गौरवपूर्ण संस्कृति को क्रूरता पूर्वक बेरहमी से अमानवीय तरीके से कुचलकर धूल- धूसरित कर दिया है, मटियामेट कर दिया है। मुगलों और अंग्रेजों के हिटलिस्ट में सबसे ऊपर ब्राह्मण ही थे। पता नहीं उन्होंने कितने ब्राह्मणों को मौत के घाट उतार दिया, क्योंकि इसका कोई रिकार्ड नहीं है। बाबर से लेकर औरंगजेब तक और बाद में अंग्रेजों ने हम भारतीयों पर सदियों तक लगातार कितना कहर बरपाया है, इसका कोई इतिहास उपलब्ध नहीं है, क्योंकि दुनियांभर में अपनी बदनामी से बचने के लिए ऐसा किया गया है। लेकिन कैसा अमानवीय कहर बेरहमी से बरसाया गया होगा, उसका कुछ तो अंदाजा आप इस घटना से लगा सकते हैं कि सिखों के दसवें और अंतिम गुरू, गुरू गोविंद सिंह के दो छोटे बेटे जुरावर सिंह (उम्र सात वर्ष) आरे फतेह सिंह (उम्र पांच वर्ष) को मुगल शासक औरंगजेब के द्वारा दीवार में जिंदा चुनाव दिया जाना। इसकी कल्पना से ही शरीर में सिहरन पैदा हो जाती है। मुगलों और अंग्रेजों ने भारत को बिल्कुल बेचारा बना दिया है। आज के ब्राह्मणों को न तो शस्त्र से कोई मतलब रह गया है और न ही शास्त्र से। पहले के ब्राह्मण गदा, तलवार, भाला, तिरंदाजी आदि शस्त्रों को चलाने में अपने तो माहिर थे ही, अपने शिष्यों को भी माहिर बना देते थे। इसका प्रमाण है महाभारत के तिरंदाज अर्जुन और कर्ण तथा गदाधर भीम और दुर्योधन। उस समय पूरी दुनियां में इनका कोई शानी नहीं था। आज के ब्राह्मणों को तो गुलेल तक चलाने नहीं आता है। गीता, वेद-पुराण और उपनिषेदों की इन्हें जानकारी हो, ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता। आज तो प्रति 500 ब्राह्मणों में से बामुश्किल एक ही ब्राह्मण मिलेंगे, जो पुरोहित कहलाने योग्य हैं। अर्थात् जिन्हें विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-पाठ, यज्ञ-हवन आदि कराने आता है। इसका प्रमाण है कि आज हम भारतीय जानवर बन गये हैं, बल्कि शैतान कहा जाये तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। आज समाज में जब ब्राह्मणों का यह हाल है तो अन्य जातियों के लोगों का क्या हाल होगा, कल्पना कर लीजिए। इन्ही बातों को ध्यान में रखकर केवल सच मासिक पत्रिका के संपादक श्री ब्रजेश मिश्र ने ''चाणक्य विकास मोर्चा'' का गठन कर भारत के ब्राह्मणों में जागरूकता पैदा कर भारत के गौरव को पूरे विश्व में प्राचीण भारत की तरह प्रतिष्ठित करने का बीड़ा उठाया है। ब्रजेश मिश्र जी एक जिम्मेदार, पुरूषार्थी, संकल्पवाण और जुनूनी व्यक्ति हैं। इसका प्रमाण है पैसावाला नहीं होते हुए भी पिछले पन्द्रह वर्षों से केवल सच पत्रिका का प्रकाशन बगैर किसी राजनेता के चाटुकारी करते हुए। यह पत्रिका पूरे भारत की एकमात्र निर्भीक पत्रिका है जो समाज के सच को समाज के सामने रखने का दु:साहस करती है। पत्रिका समाज के उत्थान के लिए समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को बड़ी बेवाकी से समाज के समक्ष रखती है। समाज की समस्याओं के असल कारणों को न केवल समाज के समाज के समक्ष रखती है, बल्कि उन समस्याओं के व्यवहारिक निदान को भी रखती है। पर्यावरण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारको और उसके व्यवहारिक निदान को समाज के समक्ष ऐसे रखती है कि इस पत्रिका के समक्ष विज्ञान पद्धती, प्रतियोगिता दर्पण, कुरूक्षेत्र और योजना जैसी प्रतिष्ठित और पुरानी पत्रिकाएं भी धूल चाटती है।

ऐसे में ब्रजेश मिश्र जैसे व्यक्ति यह ठान ले कि भारत को पुन: उसके प्राचीन गौरव को हासिल कराना है तो यह निश्चय ही मायने रखता है। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि वे ऐसा कर सकते हैं। यह तभी होगा, जब देश के ब्राह्मण शस्त्र और शास्त्र, दोनों में अपने को पारंगत बना लें। वे ऐसा कर सकते हैं, क्योंकि उनकी रगो में अपने

पूजनीय पूर्वजों का खून बह रहा है। अगर ऐसा सचमुच हो सका तो हमारा भारत पुनः विश्वगुरू बन सकता है। ऐसा ब्राह्मण ही कर सकते हैं, क्योंकि उनके पूर्वज हजारों वर्षों से ऐसा करते आये हैं। यह कला ब्राह्मणों की पुस्तैनी है। अगर सचमुच ऐसा हुआ तो भारत पुनः दुनियां का सिरमौर बन जायेगा, सुपर पावर बन जायेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर ब्रजेश मिश्र जी ने ब्राह्मण महाकुंभ 2020 का आयोजन कराने का निश्चय किया है। इसकी तैयारी वह पिछले एक वर्ष से कर रहे हैं। इसके लिए इन्होंने एक शानदार प्रचार गाड़ी बना रखी है, जिसे पिछले एक वर्ष से प्रचार हेतु पूरे बिहार में दौड़ाया जा रहा है और हर सप्ताह दो-तीन गोष्ठियों का आयोजन बिहार के विभिन्न जगहों पर किया जा रहा है। इस वर्ष 2020 में पटना के गांधी मैदान में लगने वाला 'ब्राह्मण महाकुंभ' ऐतिहासिक होगा, जो देश की आजादी के बाद से अब तक ब्राह्मणों के लिए सबसे वृहत व दर्शनीय साबित होगा। उक्त ब्राह्मण महाकुंभ के दौरान कई विश्व रिकॉर्ड स्थापित किये जायेंगे, जो 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज हो जायेगा। श्री मिश्र ने कार्यक्रम विवरण पर ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया है कि कार्यक्रम पांच दिवसीय होगा, जिनमें विशाल जुलूस, अर्द्धनग्न प्रदर्शन, महामृत्युंजय यज्ञ, सांस्कृतिक महोत्सव एवं 1008 ब्राह्मणों के द्वारा रामायण के सुंदरकांड का पाठ होना सुनिश्चित किया गया है। चूकि यह 'ब्राह्मण महाकुंभ 2020' का आयोजन 12 अप्रैल 2020 को होना तय था किन्तु विश्वव्यापी खतरनाक वायरस 'कोरोना' के संक्रमण को भारत के साथ ही बिहार एवं राजधानी पटना में मौजूद होने की वजह से 12 अप्रैल 2020 को होने वाले इस महाकुंभ को तत्काल स्थगित करते हुए इस वायरस को समान्य होने तक के लिए रोका गया है, क्योंकि ब्रजेश मिश्र जी नहीं चाहते की इस भयानक संक्रमण से कोई भी प्रभावित हो।

वास्तव में 'ब्राह्मण' भारतीय समाज की रीढ़ हैं। आर्चाय विष्णुगुप्त (आर्चाय चाणक्य) जैसा कोई ब्राह्मण भारत को पुनः विश्वगुरू बना सकते हैं। हो सकता है कि ब्रजेश मिश्र जी आचार्य विष्णुगुप्त के अवतार साबित हो। इनका एक ही मूलमंत्र है-'भगवान मेरा जीवन, संसार के लिए हो। जिंदगी हो मेरी, उपकार के लिए हो'। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट www.psfsm.in

फार्म IV (नियम 8 देखें)

01.	प्रकाशन का स्थान	:- पटना
02.	प्रकाशन की आवर्तिता	:- मासिक
03.	मुद्रक का नाम	:- ब्रजेश मिश्र
	क्या भारतीय नागरिक हैं?	:- हां
	(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:- लागू नहीं
	पता	:- पूर्वी अशोक नगर रोड नं-14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
04.	प्रकाशक का नाम	:- ब्रजेश मिश्र
	क्या भारतीय नागरिक हैं?	:- हां
	(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:- लागू नहीं
	पता	:- पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
05.	संपादक का नाम	:- ब्रजेश मिश्र
	क्या भारतीय नागरिक हैं?	:- हां
	(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:- लागू नहीं
	पता	:- पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
06.	उन लोगों के नाम और पते जो समाचार पत्र के मालिक हों, या जिनके पास कुल पूंजी का एक फीसदी से अधिक हो	:- मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
07.	कुल पूंजी में एक फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली शेयरधारकों के नाम और पते	:- मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)

मैं ब्रजेश मिश्र घोषणा करता हूं कि ऊपर दिया गया ब्योरा मेरी जानकारी और मान्यता के अनुसार सही है।

हस्ताक्षर (ब्रजेश मिश्र)
दिनांक:- 05 मार्च 2020 प्रकाशक का हस्ताक्षर

इंकलाब जिन्दाबाद इंटक जिन्दाबाद मजदूर एकता जिन्दाबाद

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक)

यदि आप कैजुअल/दैनिक/ठीका मजदूर के रूप में निजी अथवा सरकारी क्षेत्र में कार्यरत हैं, इसके अतिरिक्त होटल रेस्तरां, अस्पताल-स्कूल, अन्य संस्थान निर्माण/बीड़ी क्षेत्र, स्थानीय निकाय, लोडिंग-अनलोडिंग, केन्द्र/राज्य सरकार के स्कीम्स एवं अन्य असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं, साथ ही वेंडर्स, घरेलू कामगार, रिक्शा/टेम्पो/टैक्सी चालक हैं तो अपने हक एवं अधिकार के साथ ही मजूदरी के निर्धारण, काम की सुरक्षा, कानून अंतर्गत सुविधायें एवं ईपीएफ/ईएसआई का लाभ प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) से संबद्ध श्रमिक संघों से जुड़ें एवं मजदूर आन्दोलन को ताकत दें।

चन्द्र प्रकाश सिंह
प्रदेश अध्यक्ष (इंटक) बिहार

Website :-www.prakashintuc.com
Mob.:- 9431016951, 9334110654
E-mail :-chandraprakash.intuc@yahoo.com

पानी टंकी वाटर बोर्ड कॉलोनी, बोरिंग रोड, पटना-800013 (बिहार)

गंगा राम मदन प्रसाद ज्वेलर्स

हालमार्क सोने एवं चांदी के आभूषण

- चांदी एवं सोने के गहनो का नया स्टॉक
- चांदी के सिक्के एवं बर्तन
- प्लैटिनम ज्वेलरी
- हॉलमार्क सोने के ब्रांडेड आभूषण
- हॉलमार्क चांदी की मूर्ति
- सभी प्रकार के ग्रहरत्न

Jhoonbabu
BUXAR

पुराना चौक, बक्सर, मो.- 9471208399

Hotel Maurya
Patna

Hotel Maurya – Patna is a pioneer project of **Bihar Hotels Limited (BHL).** It is the only **Five Star** category hotel in the State of Bihar with friendly face of affordable luxury. BHL has been successfully operating its Five Star Hotel in Patna since **1978.** Situated in the heart of the city, Patna, the hotel reflects the **historic grandeur** of this city.

Corporate Facilities & Services: Centrally located in the Commercial heart of Patna the Hotel provides Intricately & elegantly designed rooms, Central Air- Conditioning, Direct dialing from rooms with call detail print-out facility, Satellite LED television, Choice of **Seven Convention Halls** of varied capacities, **Heritage rooms** for private dining , **Business Centre, Shopping Arcade, Bank facility, Travel counter, Swimming pool, Safe deposit lockers, Fitness centre & Wi-fi,** all within the hotel premises.

Dining:

- *Vaishali Café* - Walk-in for Breakfast and Business Buffet Lunches. The a-la-carte table offers a multi cuisine and buffet spreads to tinkle those taste buds.
- *Spice Court* – Restaurant serving Indian, Continental, Thai & Chinese cuisine.
- *The Pastry Shop* – Provides all kinds of Baker's confectionery viz; Mouthwatering cakes, Crossiants, Breads, Muffins etc. It also provides free home delivery of cakes of 6 pound onwards.
- *Bollywood Treats*- A matchless meeting point for Munchies, Music, TV shows, Pool Table, Games for kids. Thus, providing Masti not only for adults but also for kids.

Rooms:

- Step into an universe of old world nobility & colonial charm at the spacious VVIP suite of rooms, where your every demand for luxury is met in a manner that's perfected to please. What's more, it's accommodating enough to entertain an entourage of guests. Elegantly designed premium rooms with beautiful interiors and excellent facilities

Total Rooms: 77 – Double: 73, Suites: 04
Credit Cards: Visa, Master, Amex, Bob Cards
Access (in kms): Apt: (07), Rly. Stn.:(01)

केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, कंकड़बाग,

पटना-800020,

सम्पर्क संख्या :- 09431073769, 9955077308, 9308727077

ई-मेल :-kewalsachsamajiksansthan33@gmail.com

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

शीघ्र अपने प्रदेश में

अपना घर

बेसहारों का बने सहारा। इसके लिए आपका अनुदान आवश्यक है।
आपका सहयोग कई जीवन को दिशा दे सकता है।
निश्चित सहयोग करें :-

केवल सच सामाजिक संस्थान

खाता संख्या (A/C No.)	-	0600010202404
बैंक (Bank Name)	-	युनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया
आईएफएससी कोड (IFSC Code)	-	UTBIOKKB463
पैन नं. (Pan No.)	-	AAAAK9339D